रांची, बुधवार
15.04.2026
वर्ष : 11, अंक : 133, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री मोदी को ट्रंप ने किया फोन, पश्चिम एशिया समेत कई मुद्दों पर की चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मंगलवार को फोन आया। दोनों नेताओं ने करीब 40 मिनट तक फोन पर अहम बातचीत की। बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति और क्षेत्र में शांति बहाल करने की जरूरत पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। इस दौरान वैश्विक स्थिरता और सहयोग को लेकर भी चर्चा हुई। इस टेलीफोन वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी चर्चा की तथा होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला और सुरक्षित रखने के महत्व पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में हुई महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा करने के साथ सभी क्षेत्रों में व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा, मेरे मित्र राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फोन आया। हमने विभिन्न क्षेत्रों में अपने द्विपक्षीय सहयोग में हुई महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा की। हम सभी क्षेत्रों में अपनी व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी चर्चा की और होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला और सुरक्षित रखने के महत्व पर जोर दिया। उल्लेखनीय है कि ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध विराम से जुड़ी वार्ता विफल हो चुकी है।

झारखंड में बढ़ी गर्मी की तपिश, जमशेदपुर सबसे गर्म, 17-18 अप्रैल को लू का अलर्ट

रांची। झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के विभिन्न जिलों में इन दिनों गर्मी का असर तेज हो गया है। कड़ी धूप और बढ़ते तापमान के कारण लोग दोपहर के समय घरों से निकलने से बच रहे हैं। दिन के समय मौसम तपता हुआ महसूस हो रहा है। मंगलवार को रांची का अधिकतम तापमान 35.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि राज्य में सबसे अधिक तापमान जमशेदपुर में 39.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। हालांकि मौसम विभाग के अनुसार, अभी तापमान औसत के आसपास है और स्थिति पूरी तरह से असामान्य नहीं है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों को लेकर चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, 17 और 18 अप्रैल को राज्य के कई हिस्सों में लू चलने की संभावना है। 17 अप्रैल को राज्य के पश्चिमी और आसपास के मध्य भागों में, जबकि 18 अप्रैल को पश्चिमी, मध्यवर्ती और दक्षिणी क्षेत्रों में कहीं-कहीं लू का प्रभाव देखा जा सकता है।

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने संविधान निर्माता डॉ0 भीमराव अंबेडकर की जयंती दिवस पर दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि, संविधान के मूल्यों को अपनाने का आह्वान

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में अंबेडकर जयंती के अवसर पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने डोरंडा स्थित अंबेडकर चौक पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे और बाबा साहेब के योगदान को याद किया गया।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर न केवल भारतीय संविधान के शिल्पकार थे, बल्कि संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने देश को ऐसा मजबूत संविधान दिया, जो लोकतंत्र, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व जैसे मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के योगदान के कारण ही भारत आज विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में स्थापित है।

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने देश को एक समावेशी और न्यायपूर्ण दिशा प्रदान की। उनके द्वारा निर्मित संविधान ने हर नागरिक को समान अधिकार, स्वतंत्रता और गरिमा के साथ जीवन जीने का अवसर दिया। राज्यपाल ने उनके जीवन को संघर्ष, संकल्प और आत्मविश्वास का अद्भुत उदाहरण बताते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने उच्च शिक्षा हासिल की और समाज में व्याप्त भेदभाव तथा असमानता के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया। उनका मानना था कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है।

राज्यपाल ने यह भी कहा कि आज जरूरत है कि हम उनके विचारों को केवल याद ही न करें, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारें। एक समरस और सशक्त समाज के निर्माण में सभी की भागीदारी ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में बाबा साहेब का योगदान अविस्मरणीय है और उनके द्वारा निर्मित संविधान को पूरा देश नमन करता है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बाबा साहेब एक महान समाज सुधारक थे, जिन्होंने गरीब, पिछड़े, शोषित और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे उनके जीवन मूल्यों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज में समानता और न्याय स्थापित करने में अपना योगदान दें।

बिहार में भाजपा राज : सम्राट चौधरी होंगे नए मुख्यमंत्री, शपथ ग्रहण आज

एजेंसी

पटना। बिहार में मंगलवार को सम्राट चौधरी को सर्वसम्मति से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल का नेता चुना गया। इसके साथ ही स्पष्ट हो गया है कि बिहार में बनने वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की नयी सरकार में सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री के रूप में कमान संभालेंगे।

पटना स्थित भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित बैठक के समापन के बाद केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि निवर्तमान उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सम्राट चौधरी के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका समर्थन निवर्तमान मंत्री दिलीप जायसवाल और मंगल पांडेय ने किया।

विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त चौहान ने बताया कि इसके बाद उपस्थित सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से चौधरी को अपना नेता चुन लिया।

अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन विधायक दल की बैठक होगी जिसमें चौधरी के नाम पर औपचारिक मुहर लगेगी। तारापुर से भारतीय जनता पार्टी के विधायक चौधरी ने नेता चुने जाने पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के लिए ट्वीट कर लिखा नयी जवाबदेही के लिए श्री सम्राट चौधरी जी को बहुत-बहुत बधाई और ढ़ेरों शुभकामनाएं।

इस्तीफे के बाद नीतीश ने जताया लोगों का आभार, सहयोग का दिया भरोसा

बिहार के निवर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपने के बाद राज्य के लोगों का आभार जताया और नयी सरकार को पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया। कुमार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखे संदेश में कहा, "आप जानते हैं कि 24 नवंबर 2005 को राज्य में पहली बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार बनी थी। तब से राज्य में कानून का राज है और हम लगातार विकास के काम में लगे हुए हैं।"

उन्होंने कहा, "सरकार ने शुरू से ही सभी तबकों का विकास किया है चाहे हिंदू हो, मुस्लिम हो, 'अपर कास्ट' हो, पिछड़ा हो, अति पिछड़ा हो, दलित हो, महादलित हो- सभी के लिए काम किया गया है। हर क्षेत्र में काम हुआ है चाहे शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, सड़क हो, बिजली हो, कृषि हो। महिलाओं एवं युवाओं के लिए भी बहुत काम किया गया है।"

नीतीश कुमार के इस्तीफे पर ललन सिंह की भावुक, कहा-बिहार के विकास युग का हुआ समापन

पटना। जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने मुख्यमंत्री पद से नीतीश कुमार के इस्तीफे को लेकर भावुक प्रतिक्रिया दिया है। उन्होंने कहा यह बिहार की विकास यात्रा के एक महत्वपूर्ण और भावनात्मक अध्याय का समापन है। ललन सिंह ने अपने बयान में कहा कि नीतीश कुमार का इस्तीफा केवल एक पद का त्याग नहीं है, बल्कि यह वर्षों की तपस्या, समर्पण और जनसेवा के एक युग का विराम है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में नीतीश कुमार का नाम ह्लनव बिहार के नव निर्माण के कुशल शिल्पकारह्व के रूप में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि नीतीश कुमार ने ह्यन्याय के साथ विकासह्ण के मूल मंत्र को अपनाते हुए बिहार में सुशासन की मिसाल पेश की और कानून के राज को मजबूत किया। उनके अनुसार, नीतीश कुमार ने हर वर्ग में सुरक्षा और विश्वास की भावना को स्थापित किया तथा राज्य को एक नई पहचान दी। ललन सिंह ने यह भी कहा कि नीतीश कुमार का नेतृत्व बिहार के विकास और सामाजिक एकता के लिए महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि उनका इस्तीफा एक भावनात्मक क्षण है, जिसने उन सभी लोगों को प्रभावित किया है जिन्होंने बिहार के इस परिवर्तन को देखा है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का योगदान केवल इतिहास तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

मुख्यमंत्री ने की तपोवन मंदिर में पूजा-अर्चना, राज्य की खुशहाली की कामना

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन ने मंगलवार को रांची के निवारणपुर स्थित श्री राम जानकी तपोवन मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने राज्य वासियों के सुख, समृद्धि, खुशहाली और उन्नति की कामना की।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंदिर के निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्य से जुड़े सभी पहलुओं की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि श्री राम जानकी तपोवन मंदिर न केवल आस्था का प्रमुख केंद्र है, बल्कि रांची की एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक धरोहर भी है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि मंदिर के रिनोवेशन और ब्यूटीफिकेशन का कार्य बड़े स्तर पर चल रहा है और इसमें राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदिर को भव्य और आकर्षक रूप देने के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। यहां आने वाले लोगों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु यहां सहज और सुविधाजनक तरीके से दर्शन कर सकें।

इस अवसर पर विधायक कल्पना सोरेन ने भी मंदिर के विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह स्थल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास जताया कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद यह मंदिर और अधिक आकर्षण का केंद्र बनेगा।

उल्लेखनीय है कि श्री राम जानकी तपोवन मंदिर नवनिर्माण समिति ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मुख्यमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात की थी। इस दौरान समिति के प्रतिनिधियों ने मंदिर में चल रहे नवनिर्माण कार्य की प्रगति से उन्हें अवगत कराया था। साथ ही उन्हें स्थल का निरीक्षण करने के लिए आमंत्रित किया था।

तीन विधेयक लाएगी सरकार, लोकसभा सदस्य संख्या बढ़ेगी, परिसीमन आयोग का होगा गठन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार संसद की आगामी तीन दिवसीय विशेष बैठक में तीन विधेयक पारित कराने जा रही है। सरकार की ओर से सांसदों को विधेयकों की प्रतियां भेजी गईं हैं। इसमें संविधान (131वां संशोधन) विधेयक-2026, परिसीमन विधेयक-2026 और केंद्रशासित प्रदेशों से जुड़ा संशोधन विधेयक शामिल है।

विधेयकों का उद्देश्य जनगणना के आधार पर परिसीमन करना (सीटों का पुनर्निधारण), लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 830 करना और महिलाओं को केंद्र एवं राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करना है।

संविधान (131वां संशोधन) विधेयक-2026 - लोकसभा में राज्यों से अधिकतम 815 सीटें और केंद्रशासित प्रदेशों से अधिकतम 35 सीटों तक बढ़ाने का प्रावधान करता है। इसके अलावा इसमें जनसंख्या की परिभाषा में बदलाव का प्रावधान है। इससे नवीनतम जनगणना के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण सक्षम होगा।

परिसीमन विधेयक-2026 से एक आयोग का गठन होगा। यह आयोग नवीनतम जनगणना के आंकड़ों के आधार पर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं की सीटों के आवंटन और निर्वाचन क्षेत्रों के विभाजन का मसौदा तैयार करेगा। आयोग में सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान या पूर्व न्यायाधीश अध्यक्ष होंगे। विधेयक के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए लगभग एक-तिहाई सीटों का आरक्षण सुनिश्चित होगा।

केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक-2026 पुडुचेरी, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के कानूनों में संशोधन करेगा। इससे उन्हें नए परिसीमन नियमों और महिला आरक्षण (संविधान के अनुच्छेद 334ए) के अनुरूप बनाया जा सकेगा।

पशुपालन विभाग में ट्रेजरी से तीन करोड़ की फर्जी निकासी, एफआइआर दर्ज

बिभा संवाददाता

रांची। बोकारो और हजारीबाग पुलिस के बाद अब पशुपालन विभाग में ट्रेजरी से फर्जी निकासी कर घोटाला करने का मामला रांची में प्रकाश में आया है।

रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री के आदेश पर इस मामले में रांची के कोतवाली थाना में एफआईआर दर्ज की गई है। चारा घोटाले के बाद अब एक बार फिर से रांची में पशुपालन विभाग में घोटाला सामने आया है। विभाग के कुछ कर्मचारियों ने ट्रेजरी से 3 करोड़ से ज्यादा की अवैध निकासी की है।

इस मामले की जानकारी मिलने के बाद रांची डीसी के आदेश पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इसमें दो कर्मचारियों को हिरासत में लिया गया है। दोनों से कोतवाली थाना में पूछताछ की जा रही है। डीसी ऑफिस से मिली जानकारी के अनुसार कांके स्थित एनिमल हेल्थ एंड प्रोडक्शन में कार्यरत दो कर्मियों ने वेतन मद की राशि में हेरफेर कर 03 करोड़ से ज्यादा की अवैध निकासी की है। रांची डीसी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार कार्यकारी मजिस्ट्रेट मो जफर के लिखित आवेदन पर एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर में बताया गया है कि विभाग के दो कर्मियों के द्वारा (दोनों फिलहाल हिरासत में) साल 2023 से लेकर 2026 तक कुबेर पोर्टल में छेड़छाड़ करके अपने मूल वेतन में अवैध रूप से बढ़ोतरी दिखाते हुए ट्रेजरी से अवैध निकासी की गई। ये मामला सामने आने के बाद रांची डीसी के जरिये भी इंटरनल जांच करवाई गई, उसमें भी घोटाले की पुष्टि हुई है।

थाना प्रभारी ने बताया कि मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले, विकसित भारत के लिए, प्रगति, प्रकृति और संस्कृति की त्रिवेणी जरूरी

एजेंसी

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को जसवंत सिंह आर्मी ग्राउंड, गढ़ी कैंट में आयोजित समारोह में 210 किमी लंबे, दिल्ली -देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का रिमोट बटन दबाकर लोकार्पण किया। इससे पहले प्रधानमंत्री ने गढ़ी कैंट तक 12 किलोमीटर लंबे रोड शो में प्रतिभाग करने के साथ ही डाटकाली मंदिर में दर्शन करने के उपरांत पूजा भी की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गढ़ी कैंट में आयोजित, समारोह में अपने संबोधन की शुरूआत देशवासियों को बैसाखी और बिहू पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आने वाले कुछ दिनों में उत्तराखंड में स्थित पवित्र चार धामों की भी यात्रा शुरू होने वाली है, जिसका देशभर के

आस्थावान लोग प्रतीक्षा करते हैं। दिल्ली- देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर बनने से चारधाम के यात्रियों को भी सुविधा होगी।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य अपने स्थापना के 26वें प्रवेश कर चुका है, अब राज्य की प्रगति में दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस-वे भी शामिल हो गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ साल पहले उन्होंने बाबा केदार की धरती पर अनायास ही कहा था कि इस शताब्दी का तीसरा दशक उत्तराखंड के नाम होने जा रहा है, उन्हें यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि डबल इंजन वाली सरकार की नीतियों और उत्तराखंड के लोगों के परिश्रम से उत्तराखंड तेजी से इस राह पर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 21वीं सदी का भारत जिस स्पीड और स्केल पर काम कर रहा है, उसकी चर्चा दुनियाभर में हो रही है। उन्होंने कहा कि बीते कुछ महीनों के भीतर ही दिल्ली मेट्रो का विस्तार हुआ है, साथ ही मेरठ तक मेट्रो पहुंची है, नोएडा में एयरपोर्ट शुरू हुआ है और अब दिल्ली देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर भी शुरू हो चुका है। इतने छोटे से क्षेत्र में इतना सबकुछ हो रहा है तो आप देशभर की प्रगति का आंकलन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज देश में कई इकोनॉमिक कॉरिडोर पर काम चल रहा है। ये इकोनॉमी कॉरिडार प्रगति के नए द्वार बनने जा रहे हैं जिनसे हमारी उम्मीदों की डोर भी जुड़ी हुई है।

उत्तराखंड ने देश को दिखाई राह

प्रधानमंत्री ने संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ बीआर अंबेडकर को उनकी जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि बीते एक दशक से उनकी सरकार ने जो भी निर्णय लिए वो देश के संविधान की गरिमा को बढ़ाने वाले साबित हुए हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर में धारा 370 की समाप्ति और देश से माओवाद खत्म होने के बाद आज पूरे देश में भारत का संविधान लागू हो गया है। उन्होंने कहा कि, उत्तराखंड ने संविधान की भावना के अनुरूप, समान नागरिक संहिता लागू कर, पूरे देश को नई राह दिखाई है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का जीवन गरीबों, वंचितों और शोषितों को न्याय पूर्ण व्यवस्था देने के लिए समर्पित रहा है, केंद्र सरकार भी इसी भावना के साथ हर गरीब को सामाजिक न्याय दिलाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि देश का संतुलित विकास, सबको सुविधा और सबकी समृद्धि ही सामाजिक न्याय का माध्यम बन सकती है। इसलिए बाबा साहेब भी औद्योगिकरण और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर की भरपूर वकालत करते थे।

सड़कें बनेगी भविष्य की रेखा

प्रधानमंत्री ने देश के विकास में सड़क, रेलवे, रोपवे और वाटरवे की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ लोग, भविष्य जानने के लिए हाथ की रेखाओं को दिखाने के लिए ज्योतिष शास्त्र की शरण में जाते हैं। आज इसी तरह सड़कें, राष्ट्र की भाग्य रेखाएं बनती जा रही हैं। उन्होनें कहा कि बीते एक दशक से सरकार विकसित भारत के लिए ऐसी ही भाग्यरेखाओं के निर्माण में जुटी हुई है। ये भाग्य रेखाएं, सिर्फ आर्थिकी का आधार नहीं बनेगी, बल्कि आने वाली पीढ़ी की समृद्धि की गारंटी भी बनेगी और यही मोदी की गारंटी भी है।

छत्तीसगढ़ के पावर प्लांट में बॉयलर विस्फोट में 12 लोगों की मौत, 20 से अधिक घायल

एजेंसी

सक्ती: छत्तीसगढ़ में सक्ती जिले के डभरा थाना क्षेत्र के वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार को हुए भीषण बॉयलर विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गयी और 20 से अधिक घायल हो गये।

जिला प्रशासन और रायगढ़ स्थित जिंदल फोर्टिस अस्पताल प्रबंधन ने इस हादसे में 12 लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर ने बताया कि सिंघीतराई गांव स्थित इस प्लांट में भीषण विस्फोट हो गया, जिससे यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि इस हादसे में 20 से अधिक घायल मजदूरों का इलाज रायगढ़ के जिंदल फॉर्टिस अस्पताल में जारी है, जिनमें कई की हालत गंभीर है।

उन्होंने बताया कि हादसा इतना भयावह था कि विस्फोट के बाद पूरे प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गयी। मौके पर तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया और घायलों को पहले नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया, जहां से बेहतर उपचार के लिए उन्हें रायगढ़ रेफर किया गया।

घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गये और हालात को नियंत्रण में लेने के प्रयास शुरू किये गये। फिलहाल विस्फोट के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है और जांच जारी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के प्रति संवेदना जतायी है। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुखद घटना है और सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने हादसे की उच्चस्तरीय जांच के निर्देश देते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

झारखंड राज्य किसान सभा ने डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती सम्मान पूर्वक मनाया

बिभा संवाददाता

राहे : झारखंड राज्य किसान सभा के तत्वावधान में संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर संविधान बचाओ दिवस शहीद बिरसा मुंडा चौक नुरू एवं राहे में सम्मान पूर्वक मनाया गया एवं संविधान व लोकतंत्र की रक्षा का लिया गया शपथ। झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सुफल महतो ने संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अम्बेडकर अंबेडकर की जीवनी पर विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए कहा डा भीमराव अम्बेडकर के रास्ते ही समानता, भाईचारा, धर्मनिरपेक्षता की रक्षा तथा लूट, घोटाला, भ्रष्टाचार, नफरत व भेदभाव को मिटाया जा सकता है। दलितों, किसान - मजदूरों और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए जातिप्रथा, छुआछूत और सामाजिक असमानता के खिलाफ उनके अधुरे संघर्ष को जारी रखना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो का नारा आज और प्रसांगिक हो गया है।वे मानते थे कि जब तक समाज में समानता और सम्मान नहीं होगा तब तक सच्चा लोकतंत्र संभव नहीं है। उन्होंने मनुस्मृति को जला कर देश के लिए भविष्य के खतरे को उजागर कर दिया था। श्रीं महतो ने कहा भारत में 1 प्रतिशत लोगों के हाथ में 40 प्रतिशत संपत्ति असमानता की गहरी होती खाई तथा बढ़ती नफरत की राजनीति देश के लिए सबसे खतरनाक है।इस अवसर पर झारखंड राज्य किसान कौंसिल सदस्य जयपाल सिंह मुंडा, पूर्व जिला परिषद सदस्य रंगोवती देवी,अंचल किसान नेता श्रवण मुंडा,मदन मुंडा, शिवचरण पाहान, कार्तिक मुंडा,संजय मुंडा धनसिह मुंडा, मनसा मुंडा,शंकर मुंडा,रथु मुंडा,शिवकेतु अहिर, बिष्णु कुम्हार, राजेंद्र अहिर, कृष्ण मुंडा, बुद्धेश्वर मुंडा,रतन मुंडा,कालीपद मुंडा, लक्ष्मी कान्त मुंडा,बिनोद साव,सुषेण हजाम, जनमेजय साव, सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

विधायक ने मुरी गोला सड़क निर्माण कार्य को कराया बंद

बिभा संवाददाता

सिल्ली : मुरी गोला पथ पर चल रहे सड़क निर्माण कार्य को संवेदक की घोर लापरवाही की शिकायत ग्रामीणों द्वारा मिलने पर स्थानीय विधायक अमित कुमार महतो ने मंगलवार के दिन सड़क निर्माण कार्य को बंद कराया।स्थानीय विधायक सड़क पर स्वयं खड़ा होकर जितने वहां निर्माण कार्य में कार्यरत थे उन सभी वाहनों को संवेदक के कार्यालय में पहुंचवाया और संवेदक के कर्मचारियों से बात करते हुए कार्य को रोकने का आदेश दिया तथा कहा कि रैयतों को जमीन के आधार पर मुआवजा तय कर उन्हें नोटिस जारी किया जाए की रैयतों को कितनी राशि सरकार द्वारा प्राप्त होगी। जब तक राशि तय नहीं की जाती है और सार्थक पहल नहीं हो जाती है तब तक कार्य को बंद रखें हालांकि सरकार द्वारा भी कहा गया है कि जल्द से जल्द मुआवजा का भुगतान किया जाएगा।उन्होंने आगे कहा कि दिशा की बैठक में भी मैंने इस पर पहल किया था ताकि रैयतों को राशि प्राप्त हो सके।वहीं रैयतों के साथ बेहतर बातचीत नहीं करने को लेकर कर्मचारियों को मौके पर फटकार भी लगाई। इस मौके पर अखिल महतो,अशोक महतो, नौशाद अंसारी,प्रकाश कुशवाहा, समीर ठाकुर,सुयोग साहू,महेश कुमार समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधायक सरयू राय ने बाबा साहब को किया नमन, प्रतिमा पर माल्यार्पण

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : जनता दल (यूनाइटेड) अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजेश प्रसाद मुखी के नेतृत्व में साकची स्थित कोर्ट रोड में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के जन्मोत्सव के अवसर पर उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पण किया गया. जमशेदपुर पश्चिम के विधायक माननीय श्री सरयू राय ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया. उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने शोषित एवं पीड़ित दलित समाज को शिक्षा के माध्यम से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी. संविधान निर्माण में प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही. उनके मार्गदर्शन में भारत का ऐसा लचीला संविधान बना, जो समय के अनुरूप जनहित में प्रभावी रूप से लागू हो रहा है

कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव, महानगर अध्यक्ष अजय कुमार, कुलविंदर सिंह पन्नू, भास्कर मुखी, प्रेम सक्सेना एवं विकास साहनी, महानगर महासचिव राजकुमार पासवान, सचिव विनीत सिंह, चुन्नू भूमिज, बबलू कुमार, विजय सिंह, संजीव सिंह, एससी मोर्चा जिला महामंत्री मोना मुखी सूर्यवंशी, मनोज गुप्ता, अर्जुन मुखी, सोना मुखी, नरेश मुखी, अरविंद, विजय, किशोर कुमार, सूरज यादव सहित बड़ी संख्या में जदयू कार्यकताओं ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए.

संक्षिप्त खबरें

आदित्यपुर बाजार के सीताराम रजक कॉम्प्लेक्स में बाबा साहब की जयंती समारोह मनायी गयी

जमशेदपुर(बिभा) : आदित्यपुर नगर निगम वार्ड नंबर 20 स्थित रेलवे फाटक बाजार सीताराम रजक कॉम्प्लेक्स में बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी की 135 वा जयंती समारोह मनाया गया कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब के फोटो पर माला पहना कर और दीप जलाकर किया गया इस संबंध में युवा नेता विशेष कुमार उफ बाबू तांती ने कहा 32 डिग्रियां हासिल करने वाले हमारे देश के महानव्यक्ति थे विश्व के वह धरोहर थे जिनके निधन होने पर 193 देश ने अपना राष्ट्रीय ध्वज झुका दिया था। भारतीय संविधान में प्रमुख भमिका निभाने वाले भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित थे रजक समाज के लोकप्रिय समाज सेवी सीताराम रजक आदित्यपुर नगर निगम के लोकप्रिय मार्गदर्शक मनोज सोनकर आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र के कई समाज सेवी आदित्यपुर फुटपाथ दुकानदार आदि लोगों ने बाबा साहब के जनम दिन के शुभ अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित की बाबू तांती ने कहा देश वासियों से नर्म निवेदन है कि उनके बनाए संभिधान को याद करना चाहिए, यही उनकी सच्ची श्रद्धांजलि होगी

मैक्लुस्कीगंज में पुलिस का शिकंजा: हथियार के साथ दो बदमाश धराए

खलारी (बिभा): मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार के साथ दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हलचल तेज हो गई है।पुलिस सूत्रों के अनुसार, वरीय पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली थी कि एक काले रंग की स्कॉर्पियो वाहन से कुछ अपराधी हथियार के साथ किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने के उद्देश्य से खलारी से मैक्लुस्कीगंज की ओर जा रहे हैं। सूचना के बाद मैक्लुस्कीगंज थाना पुलिस को सतर्क करते हुए वाहन जांच अभियान चलाया गया।निर्देश के आलोक में पुलिस टीम ने विनाटांड़ के समीप देर रात वाहन जांच शुरू की। इसी दौरान लगभग 1 बजे एक संदिग्ध स्कॉर्पियो (संख्या जेएच01सीबी-1323) को रोका गया, जिसमें दो युवक सवार थे। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम रूष्तम अंसारी उर्फ सोनू एवं मो. जैद अंसारी उर्फ अरमान अंसारी, दोनों निवासी जेहलीटांड़, थाना खलारी, जिला राँची बताया। तलाशी के दौरान रूष्तम अंसारी के पास से 7.65 एमएम का एक लोडेड पिस्टल बरामद किया गया, जिसकी मैगजीन में दो जिंदा कारतूस मौजूद थे।प्रारंभिक पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अवैध हथियारों की खरीद-बिक्री में संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस को इनके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में भी जानकारी मिली है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इस संबंध में मैक्लुस्कीगंज थाना कांड संख्या 13/26, दिनांक 14 अप्रैल 2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में खलारी थाना प्रभारी जयदीप टोप्पो, मैक्लुस्कीगंज थाना प्रभारी धनंजय बैठा, पु.अ.नि. डेगन कुमार, पु.अ.नि. बिरजू प्रसाद सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि अपराध पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखा जा सके।

अंबेडकर जयंती पर गूंजा शिक्षित बनो, संगठित रहो का संदेश

खलारी(बिभा)। भीमराव अंबेडकर की जयंती मंगलवार को डकरा स्थित अंबेडकर पार्क में पूरे उत्साह और गरिमा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला अभियंता गुप्तेश्वर राम उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण के साथ की गई।अपने संबोधन में विधायक सुरेश कुमार बैठा ने डॉ. अंबेडकर के विचारों को आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक बताते हुए कहा कि बाबा साहेब केवल एक महान व्यक्ति नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की एक सशक्त विचारधारा थे। उन्होंने वंचित और शोषित वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए जीवनभर संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जिससे समाज में वास्तविक जागरूकता और समानता लाई जा सकती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलकर एक शिक्षित, संगठित और सशक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।वहीं विशिष्ट अतिथि गुप्तेश्वर राम ने भारतीय संविधान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज हम जिन अधिकारों और स्वतंत्रताओं का लाभ उठा रहे हैं, वह बाबा साहेब की दूरदर्शिता और अथक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान हर नागरिक को समानता, न्याय और सम्मान का अधिकार देता है, जो देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव है। उन्होंने सभी से संविधान के प्रति जागरूक रहने और उसके मूल्यों का पालन करने की अपील की।कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों में भारी उत्साह देखा गया। वक्ताओं ने बाबा साहेब के मूल मंत्र–शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो–को आत्मसात करने पर जोर दिया।

विधायक संजीव सरदार के सौजन्य से निर्मित खैरबनी में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के आदमकद मूर्ति का अनावरण

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पोटका विधानसभा क्षेत्र के डुमरिया प्रखंड अंतर्गत खैरबनी टोला में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में जेबीबीएस यंग बॉयज एंड गर्ल्स क्लब द्वारा मूर्ति अनावरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में विधायक संजीव सरदार शामिल हुए। इस प्रतिमा को विधायक संजीव सरदार के सौजन्य से निर्मित किया गया है। विधायक संजीव सरदार ने सालगाडीह टोला में डॉ. भीमराव अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा का अनावरण कर माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर क्लब द्वारा22वां रंग-रंग स्पोर्ट्स खेल कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें विधायक ने भाग लेकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान क्लब द्वारा सांस्कृतिक आयोजन भी प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर संजीव सरदार ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर का जीवन समाज में व्याप्त जाति व्यवस्था, अस्पृश्यता और भेदभाव के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक है। यह दिन हमें सभी के लिए समान अधिकार और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के विचार आज भी समाज को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में पहुंचने पर ग्रामीणों एवं क्लब के सदस्यों ने विधायक का गाजे-बाजे के साथ भव्य स्वागत किया। मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष मिर्जा सोरेन, बीस सूत्री अध्यक्ष भगत बास्के, अर्जून मुर्मू, भगत हांसदा, उदय मुर्मू, काजमान सिंह सरदार, दांदुराम मार्डी, सुरेश हेंब्रम सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। वहीं क्लब के अध्यक्ष सुखलाल टुडू, सचिव राजीव टुडू, कोषाध्यक्ष सिदा हांसदा एवं टोला प्रधान धारमाल मुर्मू समेत बड़ी संख्या में ग्रामवासी भी मौजूद रहे।

अंबेडकर जयंती पर रुडसेट संस्थान सिल्ली में विशेष कार्यक्रम आयोजित

सिल्ली (बिभा): भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर केनरा बैंक द्वारा संचालित रूडसेट संस्थान सिल्ली में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों एवं प्रशिक्षणार्थियों ने डॉ. अंबेडकर के जीवन, संघर्ष और संविधान निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने उनके संदेश शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करोह्व को आत्मनिर्भरता और कौशल विकास से जोड़ते हुए बताया कि शिक्षा और कौशल ही समाज में समानता और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षणार्थियों ने डॉ. अंबेडकर के आदर्शों पर चलने तथा स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लिया। संस्थान प्रबंधन ने बताया कि रूडसेट का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना है। अंबेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम सामाजिक समानता, शिक्षा और आत्मनिर्भरता के संदेश को आगे बढ़ाने का प्रेरणादायक प्रयास रहा। मौके पर रूडसेट संस्थान के वरिष्ठ संकाय अनिल कुमार , जगदीश चंद्र महतो, दशरथ कुमार, महेश रोहिदास, मौसमी गोराई,सुनील मुंडा उपस्थित रहे।

रांची में मनाई गई डॉ. अंबेडकर जयंती, संविधान के मूल्यों पर चलने का आह्वान

रांची। रांची में भारतीय एकता कमेटी और एकता भाईचारा पार्टी के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को करबला टैंक रोड स्थित मुख्य कार्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनके विचारों और योगदानों को याद किया गया। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने भारतीय संविधान की महत्ता और बाबा साहेब के संघर्षपूर्ण जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वार्ड संख्या 16 के पार्षद सह वार्ड 17 के पार्षद प्रतिनिधि मोहम्मद सलाउद्दीन (संजू) और वार्ड संख्या 15 के पार्षद प्रतिनिधि गुलाम सरवर रिजवी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में डॉ. अंबेडकर के जीवन संघर्ष और उनके द्वारा निर्मित संविधान के महत्व को रेखांकित किया। साथ ही युवाओं से शिक्षा ग्रहण कर देश और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

बैसाखी उत्सव पर किताडीह गुरुद्वारा पहुंचे विधायक संजीव सरदार, मत्था टेके

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: पोटका विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत किताडीह गुरुद्वारा में बैसाखी उत्सव में विधायक संजीव सरदार शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने गुरु महाराज की हाजिरी में मत्था टेक कर प्रार्थना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। 327वें खालसा स्थापना दिवस के शुभ अवसर विशेष दीवान, कीर्तन और अरदास का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए । विधायक संजीव सरदार ने अपने संबोधन में कहा कि बैसाखी का पर्व हमें एकता, सेवा और समर्पण की भावना का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि गुरु परंपरा के आदर्शों पर चलकर समाज में भाईचारा और सौहार्द को और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को बैसाखी और खालसा स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीइस अवसर पर पूर्व जिला परिषद सदस्य किशोर यादव, गुरुद्वारा के प्रधान इंद्रजीत सिंह, पूर्व प्रधान जगजीत सिंह गांधी, चेयरमैन गुरविंदर सिंह, गुरदीप सिंह सोढ़ी, ओंकार सिंह, हरबिंदर सिंह बिल्ला, मनमोहन सिंह, अमनजोत सिंह, जसपाल सिंह गांधी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। वहीं स्त्री सत्संग सभा की प्रधान परमजीत कौर, सुखविंदर कौर, दलजीत कौर, सुरजीत कौर भी कार्यक्रम में शामिल रहीं।

एलआईसी डिविजनल कार्यालय में धूमधाम से मनाई गई डॉ. अंबेडकर की 135वीं जयंती

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार, को एलआईसी डिविजनल कार्यालय, जमशेदपुर में एससी/एसटी एलआईसी एम्प्लॉइज वेलफेयर एसोसिएशन, जमशेदपुर डिवीजन के तत्वावधान में एक भव्य एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कर्मचारियों और अधिकारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली, जिससे पूरा परिसर बाबा साहेब के विचारों और आदर्शों से गूंज उठा। समारोह की शुरूआत बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सीनियर डिविजनल मैनेजर ए बी रथ एसटीसी प्रिंसिपल कनहाई हंसदा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। एसोसिएशन की ओर से एआईपीपी श्री महेश प्रसाद, महासचिव श्री शिव प्रकाश एवं श्री सोहन लाल रजक समेत अन्य पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के जीवन, उनके संघर्षों और उनके द्वारा किए गए सामाजिक, आर्थिक एवं संवैधानिक योगदानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। समारोह में उपस्थित वक्ताओं ने कर्मचारियों से अपील की कि वे बाबा साहेब के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और समाज में समरसता एवं समानता स्थापित करने में अपनी भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के अंत में एसोसिएशन की ओर से सभी उपस्थित अतिथियों, अधिकारियों एवं सदस्यों को समारोह को सफल बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

नेशनल हाईवे पर भीषण सड़क हादसा: एक की मौत, 7 घायल

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : खरसावां जिले के चौका थाना अंतर्गत टाटा-रांची मार्ग पर मंगलवार सुबह एक मारुति स्विफ्ट डिजायर और बोलेरो के बीच हुई सीधी भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई, जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि दोनों वाहनों के परखचे उड़ गए और बोलेरो सड़क पर ही पलट गई। पुलिस के अनुसार, जमशेदपुर के साकची गुरुद्वारा बस्ती के चार युवक-युवती स्विफ्ट डिजायर (जेएच05सीएल 3072) से रांची की ओर जा रहे थे। मुखिया होटल के समीप कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर फांदते हुए विपरीत दिशा से आ रही बोलेरो (जेएच05डीटी4527) से टकरा गई। हादसे में कार पर सवार नवजोत सिंह (22 वर्ष) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। कार चला रहे एसडीएम संजय पांडे के पुत्र आशीष पांडे, शहर के प्रसिद्ध गायक संजीव बनर्जी की पुत्री दिशा बनर्जी, मनदीप सिंह, बोलेरो सवार अमरातून बीबी, एम.डी. इसराइल व अन्य घायल है सभी घायलों को तत्काल एंबुलेंस से जमशेदपुर भेजा गया। दिशा बनर्जी और अमरातून बीबी की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। दिशा के सिर में चोट के कारण टाटा मुख्य अस्पताल (टीएमएच) में उनका ऑपरेशन किया गया है। अन्य घायलों का उपचार एमजीएम और टीएमएच में जारी है। हादसे के बाद घटनास्थल पर अपरा तफरी मच गई। भारी भीड़ जमा हो गई। जिसकी वजह से यातायात काफी देर तक प्रभावित रहा।सूचना मिलते ही चौका और चांडिल पुलिस मौके पर पहुंची। यातायात को सामान्य कराया और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया है। जबकि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद पुलिस मामले की विस्तृत छानबीन कर रही है। बोलेरो सवार यात्री सरायकेला के कुकडू प्रखंड के निवासी बताए जा रहे हैं।

टाटा स्टील टिनप्लेट डिवीजन में क्रेच सुविधा का आधुनिकीकरण, कर्मचारियों के कल्याण को मिला नया आयाम

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: कर्मचारियों के कल्याण और समावेशी कार्यस्थल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए, टाटा स्टील टिनप्लेट डिवीजन ने अपनी क्रेच सुविधा का नवीनीकरण किया है। उन्नत एवं आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इस क्रेच का उद्घाटन मोइत्रेयी चक्रवर्ती की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर टाटा स्टील के वरिष्ठ नेतृत्व–जया सिंह पांडा (चीफ लर्निंग एंड डेवलपमेंट एवं चीफ डाइवर्सिटी ऑफिसर), डॉ. सौराज्योति डे (चीफ, टिनप्लेट) तथा राकेश्वर पांडेय (अध्यक्ष, टाटा टिनप्लेट वर्कर्स यूनियन)–भी उपस्थित रहे। क्रेच को बच्चों के लिए एक सुरक्षित, स्नेहपूर्ण और आकर्षक वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से पुनः डिजाइन किया गया है। उन्नत सुविधा की प्रमुख विशेषताओं में बच्चों के खेलने के लिए सुरक्षित क्षेत्र के साथ बेहतर सुरक्षा प्रबंध, अतिरिक्त सुरक्षा के लिए सीसीटीवी निगरानी, एक समर्पित नर्सिंग क्षेत्र तथा प्रारंभिक बाल विकास को समर्थन देने के लिए सुव्यवस्थित गतिविधि क्षेत्र शामिल हैं।इस सुविधा में प्रशिक्षित देखभालकताओं की नियुक्ति की गई है, जो प्रत्येक बच्चे को व्यक्तिगत ध्यान और देखभाल सुनिश्चित करते हैं। यह क्रेच सोमवार से शनिवार, सुबह 9:00 बजे से शाम 6:30 बजे तक संचालित होगा।

यह पहल टाटा स्टील के कर्मचारियों के लिए एक सहायक वातावरण विकसित करने के निरंतर प्रयास को रेखांकित करती है, जिससे वे अपने पेशेवर और व्यक्तिगत दायित्वों के बीच बेहतर संतुलन स्थापित कर सकें। क्रेच सुविधा का पुनः शुभारंभ टाटा स्टील की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो एक अधिक समावेशी और कर्मचारी-केंद्रित कार्यस्थल के निर्माण की दिशा में उसके सतत प्रयासों को दशार्ता है।

खलारी में डॉ. अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाई गई

बिभा संवाददाता

खलारी। सांइनगर बुकबुका में मंगलवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती अंबेडकर विचार मंच एवं सम्यक ज्ञान निकेतन के तत्वावधान में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोज भुइंया ने की,जबकि संचालन श्यामजी महतो ने किया।कार्यक्रम की शुरूआत बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इसके पश्चात उपस्थित लोगों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया और हमारा धर्म भारत, हमारी जाति भारत का संकल्प लिया। अध्यक्षीय संबोधन में मनोज भुइंया ने कहा डॉ. अंबेडकर विश्व के महान अहिंसा के अग्रदूत थे, जिन्होंने बिना रक्तपात के शिक्षा और लेखनी के बल पर सदियों की सामाजिक गुलामी को समाप्त किया तथा संविधान के माध्यम से मानवाधिकारों को सशक्त बनाया।वहीं, श्यामजी महतो ने अपने संबोधन में कहा कि आज हम जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उपयोग कर रहे हैं, वह बाबा साहेब के संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अंबेडकर को केवल पूजने के बजाय उनके विचारों को पढ़ें और उन्हें अपने जीवन में उतारें।इस अवसर पर प्रेम कुमार, सुरेंद्र चौहान, सतीश ठाकुर, पवन उरांव, शिबू तुरी, जितेंद्र सिंह, सरजू लोहरा, सरफराज अहमद, सुरेंद्र राम, छोटू राम, एलिस, कुसूम टोप्पो, दीपक, सोनू, चमन तुरी, रवीन्द्रनाथ चौधरी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में जुटी हजारों महिलाएं ,नारी शक्ति अधिनियम के लिए जताया पीएम मोदी का आभार

पंचायत से पार्लियामेंट तक निर्णय में शामिल होगी नारी : संजय सेठ

बिभा संवाददाता

रांची । नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर मंगलवार को रांची में भव्य सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें हजारों महिलाओं की सहभागिता रही। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर उपस्थित जनसमूह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार प्रकट किया। पंचायत से पार्लियामेंट तक, निर्णय में नारी, नव भारत की तैयारी थीम पर आधारित यह कार्यक्रम पूर्णतः नारी शक्ति को समर्पित रहा, जिसमें महिलाओं की अभूतपूर्व भागीदारी ने इसे उत्सव का स्वरूप प्रदान किया।

कार्यक्रम का आयोजन रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, रांची की महापौर रोशनी खलखो, रांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सरोज शर्मा, विनीता सिंघानिया (पूर्व अध्यक्ष, समर्पण संस्था), विजयश्री साबू (अध्यक्ष, महिला माहेश्वरी सभा) और राष्ट्रीय कवयित्री पुष्पा सहाय विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन उषा जालान ने किया।

सम्मेलन का शुभारंभ उपस्थित महिलाओं का पुष्पवर्षा कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। साथ ही, महिलाओं को दिए गए आरक्षण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

सम्मेलन में बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने विचार साझा किया।

सम्मेलन के बाद आर्यभट्ट सभागार से एक विशाल पदयात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों महिलाओं ने भाग लिया। यह पदयात्रा मोराबादी स्थित बापू वाटिका तक निकाली गई, जहां सभी ने राष्ट्रपिता को श्रद्धासुमन अर्पित कर नारी सशक्तिकरण के संकल्प को दोहराया गया।

मौके पर संजय सेठ ने कहा कि नवभारत की नारी को पंचायत से पार्लियामेंट तक निर्णय में भागीदारी देनी है। इस उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह अधिनियम लाया है। यह सिर्फ अधिनियम नहीं है, यह इस सपने के पूरा होने जैसा है जो आजादी के बाद हमारे देश की मातृशक्ति देखती थीं।

सेठ ने कहा कि यह आयोजन न केवल नारी शक्ति के सम्मान और सशक्तिकरण का प्रतीक बना बल्कि यह संदेश भी दिया कि विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व अत्यंत महत्वपूर्ण है। नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में हजारों महिलाओं की उपस्थिति रही।

अग्निशमन सेवा सप्ताह पर राज्यपाल संतोष गंगवार ने की जागरूकता बढ़ाने की अपील

बिभा संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को महानिदेशक, गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवाएं एम.एस. भाटिया ने लोक भवन, राँची में भेंट की तथा अग्निशमन सेवा सप्ताह के अवसर पर उन्हें बैज लगाया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने अग्निशमन सेवाओं की महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में अग्निशमन कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि ये कर्मी अपने कर्तव्यनिष्ठा, साहस एवं तत्परता से जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

राज्यपाल ने अग्निशमन सेवा सप्ताह के माध्यम से जन-सामान्य में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की तथा सभी से सुरक्षा उपायों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया।

राज्यपाल से नव नियुक्त कुलपति प्रोफेसर सरोज शर्मा ने की मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांची। राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को रांची विश्वविद्यालय की नवनियुक्त कुलपति प्रो. सरोज शर्मा ने लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

राज्यपाल ने कहा कि वे उच्च शिक्षा में गुणात्मक विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि रांची विश्वविद्यालय राज्य का सबसे पुराना विश्वविद्यालय है। उन्होंने यह भी कहा कि वे चाहते हैं कि राज्य में उच्च शिक्षा का ऐसा वातावरण स्थापित हो, जिससे अन्य राज्यों के विद्यार्थी भी यहां शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित हों तथा यहां के विश्वविद्यालयों की गणना राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट संस्थानों में हो।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ अनुशासन, शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करने पर भी बल दिया।

संक्षिप्त खबरें

राजनीतिक हथकंडा अपना रहे बाबूलाल, मंशा पूरी नहीं होगी : विनोद पांडेय

रांची(बिभा)। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी पर पलटवार किया है। उन्होंने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए दो टूक कहा कि बाबूलाल, मिशन-11 को पूरा करने के लिए जिस तरह से लगातार बेबुनियाद बयानबाजी और राजनीतिक हथकंडा को अपना रहे हैं। उनकी यह मंशा कभी पूरी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि एक पुलिस अधिकारी की ओर से अमर्यादित भाषा के प्रयोग पर राज्य सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे पदमुक्त कर दिया, जो प्रशासन की जवाबदेही को दर्शाता है। इसके बावजूद मरांडी द्वारा इस पर आपत्ति जताना उनके विरोध की राजनीति को उजागर करता है। पांडेय ने आरोप लगाया कि मरांडी केवल सुर्खियों में बने रहने के लिए अनावश्यक मुद्दे उठाते हैं। बार-बार राजभवन जाकर राजनीतिक माहौल बनाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के कार्यकर्ता भी उनके रवैये से असंतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को झारखंड में 24 सीटें मिली थीं, जो 2024 में घटकर 21 रह गईं। मरांडी के नेतृत्व में पार्टी उपचुनावों में भी सफल नहीं रही। और आगे भी यदि यही स्थिति रही तो भविष्य में भाजपा की सीटें और घट सकती हैं।

संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई

रांची(बिभा) : ग्राम लबगा स्थित मां पांच बहनी मंदिर परिसर में संविधान निमार्ता भारत रत्न भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर गांव लबगा एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और बाबा साहेब को पुष्प अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने बाबा साहेब के आदर्शों और उनके विचारों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस दौरान समाजसेवी श्री रामेश्वर गोप ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संविधान हम सभी को समान अधिकार प्रदान करता है और हमें आपसी भाईचारे एवं समानता के सिद्धांत पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनके बताए मार्ग पर चलकर ही एक सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। कार्यक्रम में लखन मुंडा, कैलाश मुंडा, वीरेंद्र मुंडा, सुरेश गोप सहित कई लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और बाबा साहेब के योगदान को याद किया। अंत में सभी ने एकजुट होकर सामाजिक समरसता और समानता बनाए रखने का संकल्प लिया।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा रातू का नया पंचायत भवन: उद्घाटन के साथ ही दरकने लगीं दीवारें

रातू(बिभा) : सरकारी धन की बंदरबांट और निर्माण कार्य में बरती गई घोर लापरवाही का एक सनसनीखेज मामला रातू प्रखंड की पूर्वी पंचायत में सामने आया है। यहाँ लगभग 98 लाख रुपये की भारी-भरकम लागत से बना नया पंचायत भवन अपनी मजबूती की पहली ही परीक्षा में फेल साबित हो रहा है। भवन का अभी ठीक से उपयोग शुरू भी नहीं हुआ है कि इसकी दीवारों में जगह-जगह गहरी दरारें पड़नी शुरू हो गई हैं, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों ने मिलीभगत कर घटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल किया है। ग्रामीणों ने बताया कि जब दीवारों में दरारें दिखने लगीं, तो उन्हें छिपाने के लिए आनन-फानन में घटिया दर्जे का रंग-रोगन (पेंट) करवा दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि ऊपर से चमक-धमक दिखाकर अंदर के खोखलेपन और भ्रष्टाचार को ढकने का प्रयास किया गया है, लेकिन दीवारों पर उभरती लकीरें हकीकत बयां कर रही हैं।

सीयूजे में खेलोत्सव अवार्ड समारोह का भव्य आयोजन 16 अप्रैल को

रांची(बिभा) : झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के स्पोर्ट्स विंग द्वारा 16 अप्रैल 2026 को खेलोत्सव अवार्ड समारोह 2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह समारोह सीयूजे ऑडिटोरियम, मानातू में आयोजित होगा, जिसमें राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित हस्तियां मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री प्रफुल्ल अकांत (प्रख्यात सामाजिक चिंतक) उपस्थित रहेंगे। वहीं समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सारंग मेढ़ेकर करेंगे। विशिष्ट अतिथियों में चंचल भट्टाचार्य, डॉ. अरुण कुमार उरांव, , अमासी बरला शामिल रहेंगे। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में डॉ. अनुराग लिंडा तथा डॉ. राजेश कुमार की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। इस अवसर पर खेलोत्सव 2026: इंटर स्कूल स्पोर्ट्स फेस्ट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। यह समारोह न केवल खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन का मंच बनेगा, बल्कि विश्वविद्यालय में खेल संस्कृति को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी साबित होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं आमंत्रित अतिथियों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

संविधान निर्माण में बाबा साहब के आदर्श सदैव रहेंगे प्रासंगिक : आदित्य

बिभा संवाददाता

रांची। भारत के संविधान निमार्ता, सामाजिक न्याय और समानता के पुरोधा भारत रत्न डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी सहित अन्य नेताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि बाबा साहेब ने न सिर्फ भारतीय संविधान के निर्माण में महती योगदान दिया, बल्कि स्वतंत्र भारत को लोकतांत्रिक और न्याय व्यवस्थित बनाया। उन्होंने संविधान के पन्नों पर देश की प्रगति और करोड़ों लोगों का उत्थान लिखा। मोदी सरकार आज उनके ही सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए देश के हर वर्ग के विकास को लेकर संकल्पित है। बाबा साहब का संघर्ष, उनके आदर्श और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग सदैव प्रासंगिक रहेंगे।

मौके पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भारत के संविधान निमार्ता डॉ भीमराव आंबेडकर ने समाज के वंचित और शोषित वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए आजीवन संघर्ष किया और एक न्यायपूर्ण व्यवस्था की नींव रखी। बाबासाहब के आदर्शों को आत्मसात कर हम एक ऐसे भारत के निर्माण का संकल्प लें, जिससे समानता, न्याय और बंधुत्व की भावना सुदृढ़ हो। बाबा साहब के समता, न्याय और मानवता के सिद्धांत देशवासियों के लिए सदा अनुकरणीय रहेंगे। संविधान के माध्यम से बाबा साहब ने देश के गरीब, वंचित समाज को ताकत देने का काम किया।

इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष यदुनाथ पांडेय, पूर्व विधायक किशुन दास, सूरज चौरसिया, प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव, कमाल खां, प्रेम मित्तल, दीनदयाल बरनवाल, संदीप वर्मा, शोभा यादव, रमेश सिंह, सुनील साहू, अरुण झा, उषा पांडे, राजश्री जयंती, चंद्रप्रकाश सहित अन्य लोग उपस्थित थे। वहीं डोरंडा अंबेडकर चौक स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, केंद्रीय मंत्री संजय सेठ, विधायक सीपी सिंह, विधायक नवीन जयसवाल, रांची महानगर अध्यक्ष वरुण साहू सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 'अग्निशमन सेवा सप्ताह' के अवसर पर दीं शुभकामनाएं, विभाग के कार्यों की सराहना की

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में पुलिस महानिदेशक गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा एमएस भाटिया ने भेंट की तथा 'अग्निशमन सेवा सप्ताह' के अवसर पर उन्हें बैज लगाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अग्निशमन सेवा सप्ताह की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने अग्निशमन विभाग के कार्यों की सराहना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 'अग्निशमन सेवा सप्ताह' के तहत राज्य में अग्नि सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक किया जाना एक सराहनीय कार्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्निशमन सेवा के जवान अपनी जान की परवाह किए बिना लोगों की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। आपदा के समय अग्निशमन सेवा कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। राज्य सरकार द्वारा अग्निशमन सेवा से जुड़े संसाधनों को निरंतर मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

सीसीएल मुख्यालय में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीसीएल के वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर बाबा साहेब को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के आयोजन में एससी/एसटी/बीसी कॉर्डिनेशन काउंसिल, CISTEA & OBC Council के पदाधिकारियों और सदस्यों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह, पवन कुमार मिश्रा, चंद्र शेखर तिवारी, अनुप हंजुरा तथा पंकज कुमार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके पश्चात मुख्यालय परिसर स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

अपने संबोधन में सीएमडी श्री निलेंदु कुमार सिंह ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने भारत को ऐसा संविधान प्रदान किया, जिसने प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, सम्मान और अवसर सुनिश्चित किया। उन्होंने कहा कि यह हम सभी के लिए गौरव का विषय है कि हम आज उनके आदर्शों को स्मरण करते हुए एकत्रित हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि बाबा साहेब का जीवन हमें शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है। किसी भी देश का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब उसके नागरिक शिक्षित, जागरूक और सशक्त हों। इस विचार को आत्मसात करते हुए हमें अपने कार्यों के माध्यम से समाज एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाबा साहेब के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लिया।

जेएसएससी उत्पाद सिपाही परीक्षा की हो सीबीआई जांच, भाजपा ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को राज्यसभा सांसद एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदित्य साहू के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल लोक भवन में मिला और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की ओर से आयोजित उत्पाद सिपाही भर्ती परीक्षा में कथित पेपर लीक प्रकरण के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि उक्त परीक्षा में व्यापक स्तर पर अनियमितताओं एवं प्रश्नपत्र लीक की आशंका व्यक्त की जा रही है। इस संदर्भ में विभिन्न समाचार माध्यमों में प्रकाशित तथ्यों एवं जांच के दौरान हुई गिरफ्तारियों तथा बरामद सामग्रियों का उल्लेख करते हुए मामले की गंभीरता की ओर ध्यान आकृष्ट कराया गया है।

राज्यपाल को शिष्टमंडल की ओर से ज्ञापन के माध्यम से उक्त प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराए जाने के लिए आवश्यक पहल करने का आग्रह किया गया है,ताकि तथ्य स्पष्ट हो सकें एवं दोषियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

डीएसपीएमयू में आंबेडकर की जयंती मनायी गई

बिभा संवाददाता

रांची : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के गांधी सभागार में कुलपति डॉ राजीव मनोहर की अध्यक्षता में भारतीय संविधान के निमार्ता डॉ भीमराव आंबेडकर की 135 वीं जयंती मनाई गई। विश्वविद्यालय के एनएसएस विंग के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ भीमराव आंबेडकर को स्मरण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कुलपति डॉ राजीव मनोहर ने उनके प्रति उदगार व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ भीमराव आंबेडकर को हम सभी एक राष्ट्रवादी चिंतक, समाज सुधारक और वंचितों के उद्धारक के रूप में स्मरण करते हैं। उनकी सबसे स्थाई विरासत संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उनकी भूमिका है। मौके पर विश्वविद्यालय की एनएसएस शाखा के पांच सदस्यों ने डॉ. आंबेडकर के जीवन, उनके संघर्षमय व्यक्तित्व तथा सामाजिक न्याय, समानता और मानवाधिकारों के प्रति उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। इसके उपरांत राष्ट्रीय सेवा योजना (महिला इकाई) की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. शमा सोनाली ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अभय कृष्ण सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर के सिद्धांत—न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व—आज भी हमारे समाज के मार्गदर्शक स्तंभ हैं। उन्होंने युवाओं से इन मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। इस अवसर पर सभी संकायों के शिक्षक, विद्यार्थी और एनएसएस के सदस्यों की सहभागिता ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह जानकारी पीआरओ डॉ राजेश कुमार सिंह ने दी।

सामाजिक सरोकारों में उत्कृष्ट योगदान के लिए संजय सर्राफ सम्मानित

बिभा संवाददाता

रांची : अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में मारवाड़ी भवन के सभागार में आयोजित एक गरिमामय सेमिनार कार्यक्रम में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता संजय सर्राफ को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों, मारवाड़ महोत्सव के सफल आयोजन तथा मीडिया क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. संजय हरलालका (कोलकाता) एवं पूर्व सांसद महेश पोद्दार ने संयुक्त रूप से संजय सर्राफ को अंगवस्त्र ओढ़ाकर, प्रतीक चिन्ह एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। संजय सर्राफ पिछले लगभग 20 वर्षों से रांची की विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभाते हुए निरंतर जनसेवा में समर्पित हैं। उन्होंने अपने कार्यों के माध्यम से समाज में जागरूकता, सेवा एवं संगठनात्मक मजबूती को बढ़ावा दिया है, जिससे झारखंड में उन्होंने एक विशिष्ट पहचान स्थापित की है।वर्तमान में वे श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट, विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग, झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन, राष्ट्रीय सनातन एकता मंच एवं पवित्रम सेवा परिवार में प्रांतीय प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी के रूप में कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त वे हिंदी साहित्य भारती के उपाध्यक्ष, अग्रवाल सभा, मारवाड़ी सहायक समिति सहित अनेक संस्थाओं में विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। इस अवसर पर झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल, महामंत्री विनोद कुमार जैन, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल, प्रमंडलीय उपाध्यक्ष सुभाष पटवारी, रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सज्जन पाड़िया, महामंत्री निर्मल बुधिया, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष विकास अग्रवाल, मारवाड़ी सहायक समिति के उपाध्यक्ष कौशल राजगढ़िया सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम का वातावरण सामाजिक एकता, सम्मान और प्रेरणा से ओत-प्रोत रहा, जिसने समाजसेवा के प्रति नई ऊर्जा का संचार किया।

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल अभियंता (IV)/हावड़ा, पूर्व रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा--711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के निष्पादन के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समतुल्य प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं अपेक्षित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **डीईएन/4/हावड़ा** के अधीन। **क्रमांक 1, ई-निविदा सं. 12_2026-27, दिनांक: 10.04.2026, कार्य का विवरण:** हावड़ा मंडल में मानसून के मौसम के लिए बैगनों में तथा जमीन पर स्टोन बोल्डर की आपूर्ति का आपातकालीन कार्य तथा अन्य विविध कार्य। **अनुमानित लागत :** रु. 2,71,50,707.05; **बयाना राशि :** रु. 5,43,000। **क्रमांक 2, ई-निविदा सं. 13_2026-27, दिनांक: 10.04.2026, कार्य का विवरण:** हावड़ा मंडल में मानसून के मौसम के दौरान आपातकालीन सामग्री के रूप में खदान के स्टोन डस्ट की आपूर्ति। **अनुमानित लागत:** रु. 1,86,70,800; **बयाना राशि :** रु. 3,73,400। **क्रमांक 3, ई-निविदा सं. 14 _2026-27, दिनांक: 10.04.2026, कार्य का विवरण:** हावड़ा मंडल में मानसून के मौसम के दौरान आपातकालीन सामग्री के रूप में बल्लाह/रेल पाइलिंग तथा अन्य विविध कार्य। **अनुमानित लागत :** रु. 1,58,27,135.10; **बयाना राशि :** रु. 3,16,600। **निविदा प्रपत्र की कीमत:** रु. 0.00 (प्रत्येक के लिए)। **समापन अवधि:** स्वीकृति पत्र के जारी किए जाने की तारीख से 04 (चार) महीने (प्रत्येक के लिए)। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 04.05.2026 को अपराह्न 2.00 बजे (प्रत्येक के लिए)। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। निविदाओं का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। ई-निविदा से संबंधित बयाना राशि जमा (ईएमडी) तथा निविदा दस्तावेज की कीमत का भुगतान ऊपर उल्लेखित वेबसाइट के जरिए सिर्फ नेट बैंकिंग अथवा पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई-टेंडर पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में फिक्स्ड डिपॉजिट रिसिप्ट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(HWH-21/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

छात्राओं के बीच पहुंचे उपायुक्त, साथ किया भोजन - बढ़ाया मनोबल

देश के लिए जीने का लें संकल्प - छात्राओं को दिखाई सफलता की राह

बिभा संवाददाता

बोकारो। मंगलवार को चास स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में उपायुक्त अजय नाथ झा समेत अन्य पदाधिकारियों ने छात्राओं के साथ भोजन किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से संवाद स्थापित कर उनके अनुभव, पढ़ाई और दैनिक जीवन से जुड़ी बातों को जाना।

विद्यालय जीवन की यादें साझा कर किया प्रेरित

उपायुक्त ने अपने विद्यालय जीवन की एक रोचक घटना साझा करते हुए बताया कि उनके स्कूल में एक बार माननीय मुख्यमंत्री का आगमन हुआ था। उस दौरान जब मा. मुख्यमंत्री ने उनसे किसी असुविधा के बारे में पूछा, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा था कि यहां एक ही असुविधा है कि यहां ज्यादा सुविधाएं हैं। इस प्रसंग के माध्यम से उन्होंने छात्राओं को बताया कि परिस्थितियां चाहे जैसी हों, संकल्प और मेहनत ही सफलता की कुंजी है।

विद्यालय के दिनों को याद कर दिया संदेश

उन्होंने बताया कि उनके समय में बिजली की सुविधा नहीं होती थी और वे अन्य छात्रों के साथ बारी-बारी से मोमबत्ती जलाकर पढ़ाई किया करते थे। आज के समय में उपलब्ध सुविधाओं को अवसर बताते हुए उन्होंने छात्राओं को अपने करियर पर ध्यान केंद्रित करने और जीवन में लक्ष्य निर्धारित करने का संदेश दिया।

देश के लिए कुछ करने का दिलाया संकल्प

उपायुक्त ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे संकल्प लें कि उन्हें केवल अपने लिए नहीं, बल्कि देश के लिए भी जीना है। उन्होंने कहा कि आप सभी में असीम संभावनाएं हैं, जिन्हें सही दिशा में प्रयास कर साकार किया जा सकता है।

इस दौरान उपायुक्त ने विद्यालय की बाल संसद के सदस्यों से बातचीत की और उनकी भूमिका एवं जिम्मेदारियों की जानकारी ली। उन्होंने छात्राओं को नेतृत्व क्षमता विकसित करने और सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया।

शिक्षिकाओं से भी किया संवाद झ्र सुनी बात

उपायुक्त ने विद्यालय की शिक्षिकाओं से भी संवाद किया और उनकी समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित मुद्दों के समाधान हेतु आवश्यक पहल का आश्वासन दिया।

बाट बिनोर चड़क पूजा में उमड़ा श्रद्धालुओ का सैलाब, शिवभक्त झुला झुले

बिभा संवाददाता

तलगडिया (बोकारो)। चंदनकियारी प्रखंड अंतर्गत बाट बिनोर में पौराणिक चड़क पूजा भोगता परब शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया।, रविवार को फोल्हार, सोमवार 13 अप्रैल निर्जला उपवास, व्रत, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने दंडवत सेवा किए। एकादशी के रात्रि सोलह आना कमिटी द्वारा आयोजित छौ नाच कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल पुरुलिया जिला के बामनिया गांव के छौ नृत्य पार्टी बिनाधर कुंभकार एवं सरायकेला खरसावां के परेश कुमार छौ नृत्य पार्टी द्वारा विभिन्न प्रकार के धार्मिक, सांस्कृतिक, देश भक्ति पाला, किरात नाच प्रस्तुत कर दर्शकों के मन मोह लिया। मंगलवार को शिवभक्त ने 50 फीट ऊंचाई लकड़ी की खंभा पर झुला धुलकर आस्था प्रकट किया।भोक्ता घुरकर परब का पारन किया। अनेक श्रद्धालुओं ने अपने शरीर कील, कांटा लगाकर करतब दिखाया, भोगता परब आस्था का लोकपर्व होने के हजारों की संख्याओं में उमड़े श्रद्धालुओ के सैलाब। पौराणिक परब में पुजारी नीगोपल दुबे, धूमल ढोलक में बिकास तुरी, नाई ठाकुर मिलन प्रामाणिक, पाटनी दुर्गाचरण सरकार, बापी सरकार, कांटा फूड़ा में नागेंद्र कर्मकार, छुटू कर्मकार, भरत गोराई, आदि ने अहम भूमिका निभाई,सोलह आना कमिटी द्वारा मेले में आए श्रद्धालुओं के लिए शरबत, फल का व्यवस्था किया गया, परब को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने में सोलह आना कमिटी परमेश्वर दास वैष्णव, तपन दुबे, सुधीर गोप, मुखिया रोबिन दास वैष्णव,रतिलाल कुंभकार, भजन सरकार, फणीफूसन दास, संतोष रवि दास, बिंदेश्वर महतो, जगन्नाथ पांडे, उत्तम सरकार, अरुण रबी दास, हीरालाल गोराई अबनी दास, देवू गोराई, गोलू कुंभकार आदि सहित सोलह आना कमिटी एवं स्थानीय ग्रामीण का सहयोग रहा।

आधुनिक भारत के निर्माता हैं बीआर अंबेडकर : शम्भु कुमार

बिभा संवाददाता

बोकारो। भारत रत्न बाबा साहब भीम राव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर बोकारो स्टील प्लांट और सेल एससी - एसटी इम्प्लाईज फेडरेशन, बोकारो यूनिट ने संयुक्त रूप से अंबेडकर जयंती समारोह का आयोजन किया। शम्भु कुमार बोकारो यूनिट अध्यक्ष - सह - केन्द्रीय कमिटी सदस्य के नेतृत्व में फेडरेशन ने नगर सेवा भवन के पास स्थित प्रतिमा स्थल से प्रभात फेरी निकालकर बोकारो शहर में स्थित बाबा साहब की प्रतिमाओ पर माल्यार्पण किया। अंजनी कुमार शरण, मुख्य महाप्रबंधक ने झण्डा दिखाकर प्रभात फेरी रवाना किया। सेक्टर - 4/डी स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर बीएसएल के प्रियरंजन निदेशक प्रभारी, राजश्री बनर्जी अधिसाशी निदेशक, मानव संसाधन सहित अन्य अधिशासी निदेशको ने फेडरेशन के पदाधिकारियों और सदस्यो के साथ माल्यार्पण किया। इस अवसर पर शम्भु कुमार ने कहा कि बाबा साहब आधुनिक भारत के निमार्ता हैं। उन्होने समाज में अपेक्षित, शोषित, पिछड़े, गरीब एवं महिलाओं को बराबरी का दर्जा दिलाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। हम सभी को उनके बताये मार्ग पर चले की आवश्यकता है। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष राकेश कुमार, महासचिव देवेश टुडू, कोषाध्यक्ष महेंद्र राम, उपाध्यक्ष आनंद कुमार रजक, माणिकराम मुंडा, मुकेश कुमार, ललित उराव, दिलीप कुमार, अनिल कुमार, प्रेमनाथ राम, सी के एस मुंडा, राजेश कुमार, विजय राम, संजय अंबेडकर, अशोक रजक, सुमन पासवान, मंतोष पासवान, अनिल कुमार रमन, दीपक रजक, राजकुमार भारती, रमेश कुमार, रवि टोप्पों, बाबुधन राम, कृष्णा दास, परमेश्वर पासवान, पिंटु भक्त, दिनेश बेसरा, बबलू राम, राकेश कुमार, बिरेन्द्र पासवान, अरविंद रजक, सुरेन्द्र पासवान, महाबीर पासवान, दिनेश राम, सुनील कुमार, बिनोद कुमार, जितेंद्र कुमार, सुनील कुमार के साथ सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

शिशु सृजन वाटिका में बाबासाहेब अंबेडकर को किया याद, मेष संक्रांति पर स्नेह मिलन

बोकारो(बिभा) । संकल्प सृजन संचालित संस्कार केंद्र चेन्नई शिशु सृजन वाटिका, घटवार टोला ओझाड़ीह, पिंडराजोरा में मेष संक्रांति एवं वैशाखी के अवसर पर बच्चों व बुजुर्गों का स्नेह मिलन आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलन से हुई। संविधान निमार्ता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए बच्चों को उनकी कृति व योगदान से रूबरू कराया गया। केंद्र संचालिका पार्वती कुमारी ने कहा कि संस्कार केंद्र से बस्ती का माहौल बदला है, बच्चे स्वयं संस्कारों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। अभिभावकों ने संस्था के प्रति आभार जताया। संस्था के सह-सचिव गौरीशंकर सिंह ने बताया कि बोकारो में 22 शिशु सृजन वाटिकाएं, 7 किशोरी केंद्र एवं 3 सिलाई प्रशिक्षण केंद्र समाज उत्थान में योगदान दे रहे हैं। विशेष अतिथि विक्रम कुमार महतो ने बच्चों के दोहा-कविता वाचन व प्रदर्शनों की सराहना की। संस्थापिका डॉ. साध्वी झा ने कहा कि सनातन संस्कृति से नई पीढ़ी को सींचकर श्रेष्ठ नागरिक तैयार करना उद्देश्य है। श्री कमलेश ने जादू दिखाकर मनोरंजन किया, जबकि दयाराम परमार ने योग का महत्व समझाया। बच्चों को स्वच्छता किट, पठन सामग्री व बिस्कुट भेंट किए गए। असहाय बुजुर्गों को पौष्टिक भोजन, मुंढी, ओआरएस जूस व साबुन वितरित किया। पार्वती ने संचालन व उषा झा ने धन्यवाद दिया।

बाबा साहेब की 135वीं जयंती पर सुकन्या फाउंडेशन ने 21 निर्धन कन्याओं के बीच चेक का किया वितरण

बोकारो(बिभा) : महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्यरत सामाजिक संस्था 'सुकन्या सामाजिक जन सहयोग फाउंडेशन ट्रस्ट' द्वारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 135वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। संस्था के प्रधान कार्यालय (कुंवर सिंह कॉलोनी, चास) में आयोजित इस कार्यक्रम में भारत रत्न और संविधान निमार्ता बाबा साहेब के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक सह सचिव अमल दास और एमपीजी ग्रुप के डायरेक्टर दिलीप कुमार नोनिया मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बाबा साहेब के विचारों को धरातल पर उतारते हुए संस्था ने बोकारो जिले के विभिन्न क्षेत्रों की 21गरीब कन्याओं के विवाह हेतु सहायता राशि प्रदान की। प्रत्येक कन्या के माता-पिता को 5,000 रुपये का चेक सौंपा गया, ताकि उनके विवाह कार्य में आर्थिक सहयोग मिल सके। श्रद्धांजलि सभा के पश्चात महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। एमपीजी ग्रुप के सहयोग से महिलाओं को 'मक्कुट' बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस मौके पर ट्रस्ट के संस्थापक अमल दास ने बताया कि इस प्रशिक्षण का लक्ष्य महिलाओं को घर बैठे स्वरोजगार से जोड़ना है, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। इस गरिमामय कार्यक्रम में जिला प्रभारी अशोक दास, श्रीकांत दास, ओम प्रकाश महतो, देवेंद्र नोनिया, ममता बाउरी, अनीता देवी, निशांत कुमार, सोनू कुमार, गणेश कुमार, रितिका जी सहित दर्जनों एसोसिएट और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बाबा साहब के आदर्शों को आत्मसात करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलिः मंटू यादव

बिभा संवाददाता

बोकारोःभारतीय संविधान के शिल्पकार और महान समाज सुधारक भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर आज सेक्टर 4 स्थित अंबेडकर चौक पर भव्य माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने बाबा साहेब की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मंटू यादव ने बाबा साहेब के मूल मंत्र को दोहराया। उन्होंने कहा बाबा साहेब ने हमें शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' का मार्ग दिखाया है। आज के समय में उनके विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। उनके द्वारा बनाया गया संविधान ही देश के हर नागरिक को समानता और न्याय का अधिकार देता है। मंटू यादव ने वंचितों और पिछड़ों के अधिकारों के लिए बाबा साहेब के आजीवन संघर्षों को याद किया। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण और समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी नेताओं और कार्यकताओं ने बाबा साहेब के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य विजय रजवार, फिर्दोष अंसारी, फैयाज आलम मनोज हेंब्रम, मिथुन मंडल, आलोक सिंह, राकेश सिन्हा, नैयर जमाल, चंदू सिंह मुंडा, लालमोहन हेंब्रम, प्रमोद तापड़िया, सदानंद गोप, दालो यादव, रामदयाल सिंह, रणधीर रजक, सोहन मुर्मू, सुमन वर्मा, सरकार घोष, अशोक हेंब्रम, संजय मुर्मू, विनोद मुर्मू, फिरोज अंसारी, प्रेम राय, अनवर अंसारी, अभिजीत सरकार, रूपेश केजरीवाल, सानिया बेगम, प्रिंस खालको, विवेक कुमार, पुनीत विश्वकर्मा, भारत यादव, पिंटू राजा उपस्थित थे।

आजसू पार्टी बोकारो अध्यक्ष ने बाबा साहेब को नमन किया, समानता के आदर्शों को अपनाने का संकल्प

बिभा संवाददाता

बोकारो : भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर आजसू पार्टी के बोकारो जिला अध्यक्ष श्री सचिन महतो ने उन्हें नमन करते हुए कहा कि बाबा साहेब का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है।

नगर सेवा भवन के समीप स्थापित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्री महतो ने कहा, उन्होंने समाज में समानता, न्याय और अधिकारों की जो अलख जगाई, वह आज भी पूरी तरह प्रासंगिक है। बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलकर ही एक सशक्त, समतामूलक और विकसित समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और सम्मान पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री महतो ने सभी से अपील की, हम सब मिलकर बाबा साहेब के विचारों को आगे बढ़ाएं और सामाजिक समरसता को मजबूत करें। इस अवसर पर आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव अश्विनी महतो, वरिष्ठ नेता प्रदीप महतो, जिला कार्यकारी अध्यक्ष अशोक महतो, जिला उपाध्यक्ष अनिल झा, अर्जुन महतो, युवा मोर्चा के मुन्ना ओझा, अमन सिंह, गौतम स्वर्णकार, नवीन सिंह, संदीप सिंह, प्रदीप ठाकुर, देव नंदन प्रसाद यादव, गुप्तेश्वर डे, सोनू कुमार, रमेश दास सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अम्बेडकर जयंती पर याद किये गए बाबा साहेब, बीएसएल की ओर से विशेष कार्यक्रम का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो। भारत रत्न एवं भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) द्वारा विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धा, सम्मान एवं सामाजिक समरसता का वातावरण देखने को मिला।

प्रातःकाल सेक्टर-4डी स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर बीएसएल के निदेशक प्रभारी श्री प्रिय रंजन ने अधिशासी निदेशकगण, मुख्य महाप्रबंधकों एवं अन्य वरीय अधिकारियों के साथ माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मियों ने बाबा साहेब के आदर्शों, विचारों एवं मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करने तथा सामाजिक न्याय, समानता एवं बंधुत्व की भावना को सुदृढ़ करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कार्यक्रम के दौरान निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने बाबा साहेब के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं उनके अमूल्य योगदानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षा, सामाजिक सुधार एवं संविधान निर्माण के क्षेत्र में उनके ऐतिहासिक योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि बाबा साहेब के विचार आज भी समाज को दिशा प्रदान करते हैं और उनके आदर्श एक सशक्त एवं समावेशी भारत के निर्माण के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं।

संध्या में बोकारो क्लब में एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भिलाई से आए समूह शिप्रा कम्युनिकेशन द्वारा बाबा साहेब के जीवन, संघर्ष एवं मूल्यों पर आधारित आकर्षक साउंड एंड लाइट शोह्व प्रस्तुत किया गया। इस प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से बाबा साहेब के जीवन के विभिन्न आयामों को जीवंत रूप में दशार्या गया, जिसे उपस्थित दर्शकों ने अत्यंत सराहा।

डीवीसी चंद्रपुरा प्रबंधन ने डॉ भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती मनाई

बिभा संवाददाता

चंद्रपुरा । दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई ।

इस अवसर पर यहां के मुख्य द्वार से सुबह प्रभात फेरी निकाला गया और रन फॉर इक्विटी के नारा के साथ ईडीसीएल कार्यालय स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एक समारोह का आयोजन किया गया ।

समारोह के संबोधन में मुख्य महाप्रबंधक और परियोजना प्रधान रामकुमार अनुभवी ने डॉ भीमराव अंबेडकर के कीर्ति की प्रशंसा की और कहा कि डॉ भीमराव की सकारात्मक सोच के कारण आज हमारा देश उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर है।

वरिष्ठ महाप्रबंधक परिचालन एवं अनुरक्षण अविजीत घोष ने समारोह के संबोधन में डॉ भीमराव अंबेडकर के मार्गदर्शन पर हम सभी भारतीयों को चलने की अपील की। डीवीसी प्रबंधन द्वारा अंबेडकर भवन के प्रांगण में अवस्थित डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर राजकुमार चौधरी, लखी हेंब्रम, रामजी रजक, अक्षय कुमार, अमूल्य सिंह सरदार,ललन प्रसाद गुप्ता, डॉ. माणिक माणिक मंडल, पवन कुमार , मनीष कुमार , दिनेश चौधरी ,अनिल मुंडा , प्रदीप तिर्की, सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

सहयोगिनी संस्था के 25 वर्ष पूरेः बाबा साहब के आदर्शों पर चलकर सामाजिक परिवर्तन की लिख रही नई इबारत

महिलाओं, लड़कियों और ग्रामीण वंचित वर्गों के बीच सहयोगिनी द्वारा किया जा रहा कार्य काबिले तारीफ :लंबोदर

बिभा संवाददाता

बोकारो । बोकारो के बहादुरपुर स्थित 'सहयोगिनी' संस्था के कार्यालय में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती और संस्था का 25वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दोहरे अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में गोमिया के पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और सामाजिक क्षेत्र में संस्था के योगदान की जमकर सराहना की।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. लंबोदर महतो ने कहा कि सहयोगिनी संस्था बाबा साहब के दिखाए मार्ग और संवैधानिक मूल्यों को आत्मसात करते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों की सेवा कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं, लड़कियों और ग्रामीण वंचित वर्गों के बीच सहयोगिनी द्वारा किया जा रहा कार्य काबिले तारीफ है। बाल विवाह, बाल तस्करी, कुपोषण और हिंसा जैसी सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध संस्था ने झारखंड में एक सशक्त पहचान बनाई है।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों ने संस्था के 25 वर्षों के सफर और जमीनी स्तर पर आए बदलावों को रेखांकित किया।

कसमार प्रखंड की प्रमुख नियुक्ति दे ने बताया कि संस्था खेल और अन्य माध्यमों से किशोरियों के भीतर नेतृत्व क्षमता विकसित कर रही है। साथ ही, सरकारी योजनाओं को आम जनमानस तक पहुँचाने में सेतु का कार्य कर रही है।

बोकारो मुख्यालय के डीएसपी अनिमेष कुमार ने पोक्सो एक्ट और सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में संस्था के प्रयासों को सराहा। उन्होंने आश्वासन दिया कि बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं को रोकने में पुलिस प्रशासन हमेशा संस्था के साथ खड़ा है।

संस्था की सचिव कल्याणी सागर ने जानकारी दी कि वर्तमान में 50 गांवों में किशोरियों के कौशल विकास और स्वावलंबन पर केंद्रित विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरणविद् गुलाबचंद, अमरेश कुमार महतो और सुचित्रा सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर की जीवनी और उनके संघर्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। मंच का कुशल संचालन कुमारी किरण और विकास कुमार गोस्वामी ने किया।

समारोह में मुख्य रूप से डॉ श्याम कुमार भारती, विजय कुमार, विनीता देवी, पुष्पा देवी, महेश्वर महतो, अमरिंदर अनुप, संजय कुमार महतो, सफरोज खान, मंजू देवी, रेखा देवी, रीता देवी, राधा कुमारी, महेश्वर महतो, रवि राय, तपन अड़ी, नीतू कुमारी, स्वाति कुमारी, पायल कुमारी, अनिल कुमार हेंब्रम, नेपाल महतो, कुमार गौरव, प्रकाश कुमार महतो, सहित सैकड़ों ग्रामीण एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

छोटी उम्र, बड़ा मंच - चिन्मय विद्यालय के अथर्व भारद्वाज बन रहे हैं झारखंड की नई पहचान

बिभा संवाददाता

बोकारो । झारखंडः फिल्म डिस्टेंट अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों में लगातार सराहना प्राप्त कर रही है। वर्ष 2026 में आयोजित कंचनजंगा इंटरनेशनल फिल्म महोत्सव में इस फिल्म को द्वितीय सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का सम्मान मिला है, वहीं क्रिटिक्स सोसायटी फिल्म महोत्सव में यह अंतिम चरण (फाइनलिस्ट) तक पहुँची है। इसके साथ ही अरावली अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव एवं दरभंगा अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भी इसका आधिकारिक चयन हुआ है।

इस फिल्म में चिन्मय विद्यालय, बोकारो (प्राथमिक शाखा) के छात्र एवं नन्हे कलाकार अथर्व भारद्वाज ने नील का किरदार निभाया है, जिसका स्वाभाविक, मासूम और भावनात्मक अभिनय दर्शकों तथा समीक्षकों को अत्यंत प्रभावित कर रहा है। अथर्व के दादा हरेंद्र चौबे समाजसेवी एवं शिक्षाविद हैं, जबकि उनके पिता रवि चौबे एक सक्रिय राजनेता एवं ट्रेड यूनियनिस्ट हैं, जो वर्तमान में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के जनरल सेक्रेटरी तथा इंटक यूथ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं।

कम उम्र में इस प्रकार का राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन न केवल अथर्व के परिवार, बल्कि पूरे बोकारो और झारखंड के लिए गर्व का विषय बन गया है।

अपनी इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए अथर्व ने फिल्म के निर्देशक देवेंद्र सिन्हा और पूरी टीम का आभार जताया। उन्होंने अपने विद्यालय, शिक्षकों, परिवार, मित्रों, समाज एवं बोकारो के सभी लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके स्नेह, सहयोग और आशीर्वाद के बिना यह संभव नहीं हो पाता।

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में उमड़ा जनसैलाब, कोडरमा से सशक्त भारत का संकल्प

बिभा संवाददाता

कोडरमा/झुमरी तिलैया: कोडरमा स्थित शिव वाटिका, झुमरी तिलैया में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में आयोजित भव्य नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री सह सांसद कोडरमा अन्नपूर्णा देवी ने भाग लेकर उपस्थित नारी शक्ति को संबोधित किया। इस अवसर पर कोडरमा विधायक नीरा यादव भी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में कोडरमा के विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं महिला मंडलों की व्यापक भागीदारी देखने को मिली, जिसने इसे सर्व समाज का साझा मंच बना दिया। चेंबर ऑफ कॉमर्स, इनर व्हील क्लब, मारवाड़ी युवा मंच (प्रेरणा शाखा), रोटरी क्लब, सामंतों काली महिला मंडल, गायत्री शक्ति पीठ, जय सिया राम सत्संग समिति, पतंजलि योग समिति, माहुरी मंडल, मारवाड़ी महिला मंडल, ब्रह्म कुमारी महिला मंडल, मोदी समाज महिला मंडल एवं जैन महिला मंडल सहित अनेक संस्थाओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

अपने संबोधन में अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि महिलाओं की सशक्त भागीदारी, उनका आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण में उनकी बढ़ती भूमिका नए भारत की पहचान बन चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण के लिए किए गए ऐतिहासिक प्रयास, विशेषकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम, देश को नई दिशा प्रदान कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह अधिनियम महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मील का पत्थर है, जिसने देशभर की मातृशक्ति को सम्मान और प्रतिनिधित्व का नया अवसर दिया है। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने समाज, राजनीति और अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी, उनके नेतृत्व और भविष्य की संभावनाओं पर विचार साझा किए।

कार्यक्रम में उपस्थित हजारों महिलाओं ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि वे इस अभियान का हिस्सा बनेंगी और सशक्त, आत्मनिर्भर एवं समावेशी भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेंगी। इस अवसर पर मंत्री ने महिलाओं से 9667173333 पर मिस्ड कॉल कर इस ऐतिहासिक पहल का समर्थन करने का आह्वान किया, जिस पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक अपनी भागीदारी दर्ज कराई।

इसके साथ ही, नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में आयोजित हस्ताक्षर अभियान में भी व्यापक सहभागिता देखी गई, जिसमें उपस्थित महिलाओं ने हस्ताक्षर कर अपना समर्थन व्यक्त किया।

कार्यक्रम में ह्लपंचायत से पार्लियामेंट तक, निर्णय में नारी, नव भारत की तैयारीह्व का संदेश प्रमुख रूप से उभरकर सामने आया, जो महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और नेतृत्व क्षमता का सशक्त प्रतीक है।

यह भव्य आयोजन उत्साह, गरिमा और अभूतपूर्व जनभागीदारी के साथ संपन्न हुआ, जिसमें कोडरमा की मातृशक्ति ने एकजुट होकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम का स्वागत करते हुए देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का संकल्प दोहराया।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उपायुक्त ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित किए

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: 14 अप्रैल डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर आज उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह ने डिस्ट्रिक्ट बोर्ड चौक, हजारीबाग स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष, समर्पण और सामाजिक न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया, जो आज भी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था का मजबूत आधार है। उन्होंने सभी नागरिकों से बाबा साहब के विचारों को आत्मसात करने तथा सामाजिक समरसता एवं समानता को बढ़ावा देने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान नगर आयुक्त ओम प्रकाश गुप्ता,अपर समाहर्ता संतोष कुमार सिंह, सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भी बाबा साहब को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

जयंती पर याद किये गये डॉ भीमराव अंबेडकर, डीसी ने किया माल्यापर्ण

बिभा संवाददाता

लातेहार : भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता द्वारा विवेकानंद पार्क, चन्दनदीह में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर उपायुक्त ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनके विचार आज भी समाज को समानता, न्याय और भाईचारे की दिशा में प्रेरित करते हैं। उपायुक्त ने उपस्थित लोगों से बाबा साहेब के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने तथा समाज में समरसता एवं भाईचारे को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा, जागरूकता एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान ही एक सशक्त और विकसित समाज की आधारशिला है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।इस मौके पर जिला प्रशासन के पदाधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

लॉर्ड कृष्णा स्कूल में धूमधाम से मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

हजारीबाग(बिभा): लॉर्ड कृष्णा स्कूल के प्रांगण में भारत के महान संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को सजाया गया और कार्यक्रम की शुरूआत बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर की गई। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक कृष्ण कुमार देव एवं सचिव अमिताभ नीरज की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने अपने संबोधन में डॉ. अंबेडकर के जीवन, उनके संघर्षों एवं संविधान निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके आदर्शों पर चलने और शिक्षा को जीवन का सबसे बड़ा हथियार बनाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षकगण–संदीप कुमार, जितेंद्र कुमार राय, जीवन कुमार यादव, देवव्रत प्रसाद, अनिल कुमार साहू, सुमंत कुमार उपाध्याय, अतार अहमद, सुमित कुमार, पंकज कुमार राय, प्रदीप यादव, सचिन कुमार, मिली कुमारी रानी, देवंती देवी, रेखा कुमारी, पूनम कुमारी, काजल कुमारी, दीपक कुमार रजक, विजय कुमार यादव, पायल अग्रवाल, एमडी जाफर, कोमन राज एवं शहनाज खातून–ने भी अपने विचार व्यक्त किए और विद्यार्थियों को सामाजिक समानता, शिक्षा एवं अधिकारों के महत्व के बारे में जागरूक किया।

संपूर्णता अभियान 2.0 के तहत अंबेडकर जयंती पर विद्यालयों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

लातेहार(बिभा): नीति आयोग के अंतर्गत संचालित आकांक्षी जिला कार्यक्रम एवं आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत आज दिनांक 14 अप्रैल 2026 को अंबेडकर जयंती के अवसर पर जिले के विभिन्न विद्यालयों में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के बीच संविधान, समानता, शिक्षा एवं सामाजिक न्याय से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों को डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन, उनके विचारों एवं योगदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही, निबंध लेखन, भाषण, चित्रकला एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों को उनके आदर्शों से प्रेरित किया गया।कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता, पोषण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष सत्र आयोजित किए गए। शिक्षकों द्वारा छात्रों को नियमित विद्यालय उपस्थिति, स्वच्छता अपनाने एवं संतुलित आहार के महत्व के बारे में बताया गया। जिला प्रशासन द्वारा सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है कि संपूर्णता अभियान 2.0 के तहत निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु समन्वय के साथ कार्य करते हुए अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करना सुनिश्चित करें।संपूर्णता अभियान 2.0 के माध्यम से जिले में समावेशी विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

रक्तदान शिविर बना मानवता का महोत्सव, 325 यूनिट रक्त संग्रह–पवन जैन ने जताया आभार

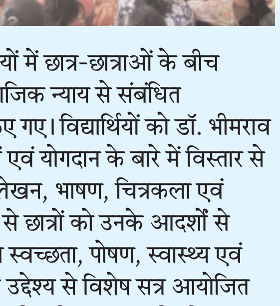

हजारीबाग(बिभा): हजारीबाग यूथ विंग एवं पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भव्य रक्तदान शिविर ने मानव सेवा की एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की। इस शिविर में युवाओं, महिलाओं और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिसके परिणामस्वरूप कुल 325 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया।शिविर के दौरान रक्तदाताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंदों के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आयोजन स्थल पर सुव्यवस्थित व्यवस्था, चिकित्सकीय टीम की सतर्कता और स्वयंसेवकों के सहयोग से पूरा कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। दिगंबर जैन पंचायत के पूर्व महामंत्री पवन जैन अजमेरा ने इस नेक कार्य के लिए सभी रक्तदाताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है, जो किसी के जीवन को बचाने का माध्यम बनता है। साथ ही उन्होंने हजारीबाग यूथ विंग एवं पुलिस प्रशासन को इस सराहनीय पहल के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में जागरूकता फैलाने के साथ-साथ मानवता की भावना को भी मजबूत करते हैं।यह शिविर न केवल एक सामाजिक आयोजन रहा, बल्कि यह लोगों को एकजुट कर सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता का संदेश देने वाला प्रेरणास्त्रोत भी बना।

राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस का आयोजन

बिभा संवाददाता

रामगढ़/रांची : राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस मनाया गया, जो वर्ष 1944 में हुए ऐतिहासिक बॉम्बे डॉक विस्फोट में शहीद हुए वीर अग्निशमन कर्मियों की स्मृति में आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम की शुरूआत फायर सर्विस ध्वज के ध्वजारोहण से हुई, जिसके पश्चात जिंदल स्टील, पतरातू में महाप्रबंधक सह फैक्ट्री प्रबंधक संतोष कुमार एवं विभागाध्यक्षों के साथ सभी कर्मचारियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। तत्पश्चात उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

हम उन सभी वीरों को अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने दूसरों की सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनका साहस, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

इस अवसर पर, राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह की थीमः सुरक्षित स्कूल, सुरक्षित अस्पताल एवं अग्नि सुरक्षा जागरूक समाज - अग्नि रोकथाम के लिए एक साथ के अनुरूप विभिन्न गतिविधियों की शुरूआत की गई।

आसपास के स्कूलों, अस्पतालों एवं आवासीय क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं तथा सह 20 अप्रैल तक जारी रहेंगे। ऐसे प्रयास वीर अग्निशमन कर्मियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि हैं।

अग्नि दुर्घटनाएँ एक छोटी सी चूक से हो सकती हैं, किंतु उनकी रोकथाम हमारी सजगता एवं अनुशासन से संभव है। हमें सदैव सुरक्षा नियमों का पालन करना चाहिए, अग्निशमन उपकरणों की जानकारी रखनी चाहिए तथा आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए तैयार रहना चाहिए।

इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने यह संकल्प लिया कि वे अपने कार्यस्थल एवं समाज में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे तथा "Zero Harm" के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना पूर्ण योगदान देंगे।इस अवसर पर एच आर प्रमुख मीनू सिंह,आर डी शर्मा, रूपेश कुमार, अशोक कुमार सिंह, अंबुज महतो, रत्नेश कुमार, सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

झारखंड से 11 मई को चलेगी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन, श्रद्धालुओं को कराएगी ज्योतिर्लिंग व शिरडी दर्शन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : आईआरसीटीसी ने श्रद्धालुओं के लिए एक विशेष धार्मिक यात्रा की घोषणा की है। भारत गौरव पर्यटक ट्रेन के तहत यह यात्रा 11 मई 2026 से झारखंड से शुरू होगी, जिसमें यात्रियों को देश के प्रमुख ज्योतिर्लिंगों और शिरडी धाम के दर्शन कराए जाएंगे। आईआरसीटीसी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह यात्रा 11 रात और 12 दिन की होगी। इस दौरान श्रद्धालु उज्जैन (महाकालेश्वर), सोमनाथ, द्वारका-नागेश्वर, शिरडी, नासिक (त्र्यंबकेश्वर) और औरंगाबाद (घृष्णेश्वर) जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों का दर्शन करेंगे। यात्रा का उद्देश्य धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना और श्रद्धालुओं को एक संगठित एवं सुविधाजनक अनुभव प्रदान करना है।वही किराया और सुविधा के लिए यात्रा के लिए तीन श्रेणियां निर्धारित की गई हैं

इकोनॉमी क्लास: 23,315 प्रति यात्र, **स्टैंडर्ड क्लास:** ?41,570 प्रति यात्री, **कम्फर्ट क्लास:** 50,410 प्रति यात्री

इन पैकेजों में ट्रेन यात्रा, होटल में ठहराव, शाकाहारी भोजन, स्थानीय परिवहन एवं दर्शनीय स्थलों का भ्रमण शामिल है। इकोनॉमी क्लास में स्लीपर कोच की सुविधा होगी, जबकि स्टैंडर्ड और कम्फर्ट क्लास में एसी कोच और बेहतर ठहराव की व्यवस्था दी जाएगी।यह ट्रेन झारखंड और बिहार के विभिन्न स्टेशनों जैसे रांची, मुरी, बोकारो, हजारीबाग, कोडरमा, गया, पटना, बक्सर और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन (डीडीयू) से होकर गुजरेगी, जहां से यात्री सवार हो सकेंगे। आईआरसीटीसी अधिकारियों के अनुसार, यह पहल देखो अपना देश और एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत की जा रही है, जिससे देश के धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों को बढ़ावा मिल सके।

अंबेडकर जयंती पर गूंजा सामाजिक न्याय का संदेश, पूर्व प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने कई कार्यक्रमों में लिया भाग

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : भारत रत्न भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने हजारीबाग जिले के विभिन्न हिस्सों में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेकर बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। मंगलवार को अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत उन्होंने सबसे पहले शहर के डिस्ट्रिक्ट मोड़ स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जय भीम और सामाजिक समानता के नारों के बीच वातावरण भावपूर्ण बना रहा। इसके पश्चात वे नवाबगंज स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर जिला कल्याण छात्रावास में आयोजित जयंती समारोह में शामिल हुए। यहां उन्होंने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उपस्थित लोगों के साथ केक काटकर उनका जन्मदिवस मनाया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय लोगों ने भी बाबा साहेब के जीवन और योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। अपने संबोधन में मुन्ना सिंह ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, त्याग और सामाजिक न्याय के लिए अटूट संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से देश को समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का मजबूत आधार दिया, जिसे हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह सुरक्षित और सशक्त बनाए रखे। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में जब समाज में विभाजनकारी ताकतें सक्रिय हैं, तब बाबा साहेब के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। कांग्रेस पार्टी हमेशा से उनके सिद्धांतों–समानता, शिक्षा, अधिकार और सामाजिक न्याय–को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध रही है और आगे भी इसी दिशा में कार्य करती रहेगी। मुन्ना सिंह जी ने उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा कि हमें बाबा साहेब के विचारों को केवल कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने दैनिक जीवन में उतारकर एक समतामूलक समाज के निर्माण के लिए प्रयास करना चाहिए। इसी क्रम में उन्होंने मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए कटकमसांडी प्रखंड के चट्टी गांव का दौरा किया, जहां हाल ही में पानी में डूबने से दिवंगत हुए सुनील साव के पुत्र के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस असहनीय दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इसके बाद वे कटकमसांडी प्रखंड में आयोजित एक अन्य अंबेडकर जयंती समारोह में भी शामिल हुए, जहां बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का संघर्ष आज भी देश के करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनके विचार समाज को नई दिशा प्रदान कर रहे हैं। अंत में वो जिला कांग्रेस कार्यालय, कृष्ण वल्लभ आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बरका-सयाल क्षेत्र ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में रचा नया इतिहास, उत्पादन से लेकर सतत विकास तक हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के बरका-सयाल क्षेत्र ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में अपने स्थापना काल से अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कोयला उत्पादन, ओबीआर (डइफ) और डिस्पैच (रैक डिस्पैच सहित) में नई ऊँचाइयाँ हासिल की हैं। इस दौरान कोयला उत्पादन 87.43 लाख टन रहा, जो अअढ लक्ष्य का 97% है तथा पिछले वर्ष (81 लाख टन) की तुलना में 8% वृद्धि दशार्ता है। ओबीआर 236.79 लाख क्यूबिक मीटर रहा, जो लक्ष्य का 146% है और इसमें 38% की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं कंपोजिट उत्पादन 292.75 लाख क्यूबिक मीटर (133%) तथा डिस्पैच 80.4 लाख टन (5% वृद्धि) रहा। कुल 2063 रैक डिस्पैच दर्ज किए गए, जो पिछले वर्ष 1725 की तुलना में 20% अधिक है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि श्रमिकों के अथक परिश्रम, उनके समर्पण और प्रबंधन की दूरदर्शी योजना एवं सुदृढ़ कार्यनिष्ठा का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

बरका-सयाल क्षेत्र ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 16.2 मिलियन क्यूबिक मीटर ओबी हटाने के वार्षिक लक्ष्य को 16 दिसंबर, 2025 को ही, 105 दिन पहले प्राप्त कर लिया। 14 दिसंबर, 2025 को एक दिन में 1.0 लाख क्यूबिक मीटर ओबी हटाने का रिकॉर्ड भी स्थापित किया गया, जो स्थापना काल से अब तक का सर्वोच्च है।

नॉर्थ उरीमारी CHP-SILO, जो सीसीएल का एकमात्र परिचालित FMC प्रोजेक्ट है, ने भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। FY 25-26 में CHP-SILO डिस्पैच 47.02 लाख टन रहा, जो पिछले वर्ष 29 लाख टन की तुलना में 62% अधिक है। वहीं रैक की संख्या 1193 रही, जो 755 से बढ़कर 58% की वृद्धि दर्शाती है। बिरसा/नॉर्थ उरीमारी प्रोजेक्ट की EC/CTO क्षमता 4.5 MTY से बढ़ाकर 6 MTY करना भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही।

सतत विकास की दिशा में भी बरका-सयाल क्षेत्र ने सराहनीय पहल की है। FMC (CHP-SILO) के माध्यम से पर्यावरण-अनुकूल कोयला परिवहन को बढ़ावा देते हुए सड़क परिवहन और वाहन उत्सर्जन में कमी लाई गई है। बलकुदरा ओबी डंप पर इको-पार्क का निर्माण पूर्ण कर इसे एक हरित मनोरंजन स्थल के रूप में विकसित किया गया है, जो कर्मचारियों और स्थानीय समुदाय के लिए सुकून भरा वातावरण प्रदान करेगा।

नॉर्थ उरीमारी CHP-SILO को झारखंड के पहले औपचारिक माइनिंग टूरिज्म केंद्र के रूप में विकसित किया गया है, जो Jharkhand Tourism Development Corporation, झारखंड सरकार और सीसीएल के बीच हुए MoU के तहत स्थापित हुआ है। यहां देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों का स्वागत किया जा रहा है, जिससे खनन क्षेत्र की नई पहचान बन रही है। इसके साथ ही, सौंदा बी साइडिंग के पास झारखंड सरकार की मत्स्य पालन परियोजना में सक्रिय सहयोग करते हुए औद्योगिक विकास के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन , आजीविका और महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों की दिशा में 5 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र, बलकुदरा में सफलतापूर्वक स्थापित कर ग्रिड से जोड़ा गया है, जो हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सीएसआर के अंतर्गत उरीमारी पंचायत, बड़कागांव (हजारीबाग) में 2 अमृत सरोवर परियोजनाओं का सफल निर्माण किया गया है, जो जल संरक्षण और सामुदायिक विकास का उत्कृष्ट उदाहरण है।

सीसीएल के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह के नेतृत्व में बरका-सयाल क्षेत्र ने न केवल उत्पादन के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक विकास और सतत भविष्य की दिशा में भी मजबूत कदम बढ़ाए हैं। यह उपलब्धियां दशार्ती हैं कि जब श्रमिकों का समर्पण, प्रबंधन की दूरदर्शिता और टीम भावना एक साथ आगे बढ़ती है, तो विकास की राह और भी सशक्त हो जाती है।

कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण वातावरण में परीक्षा संपन्न कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता:डीसी

बिभा संवाददाता

लातेहार: झारखण्ड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा 2025 के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। उक्त परीक्षा दिनांक 19 अप्रैल 2026 (रविवार) को दो पालियों में आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली पूर्वाह्न 10:00 बजे से मध्याह्न 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 03:00 बजे से 05:00 बजे तक निर्धारित है। जिले में परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन हेतु कुल 13 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

इसी क्रम में आज उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता द्वारा शिशु विद्या मंदिर एवं गांधी इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्रों पर उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया।उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा को कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

साथ ही, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि परीक्षा के दौरान विधि-व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने सभी केंद्राधीक्षकों एवं संबंधित कर्मियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने एवं समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।जिला प्रशासन द्वारा परीक्षार्थियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय से पूर्व अपने-अपने परीक्षा केंद्र पर पहुंचें तथा परीक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का अनुपालन करें।मौके पर डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार अजय कुमार रजक, जिला शिक्षा पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

सूरों की आशा बनकर गूंजती रहेगी आशा भोसले

ललित गर्ग

आशा भोसले की आवाज में केवल स्वर नहीं, बल्कि एक दिव्य स्पंदन, एक अदृश्य करिश्मा और साधना की सिद्धि निहित थी। वह स्वर कभी श्रृंगार की मधुरता बनकर मन को मोह लेता, तो कभी विरह की वेदना बनकर आत्मा को छू जाता। उन्होंने अपने गायन के माध्यम से भारतीय संगीत को केवल सरस और मनोरंजक ही नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण, भावपूर्ण, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी बनाया। उनके गीतों में जीवन का दर्शन, संवेदना की गहराई और आत्मिक स्पर्श एक साथ विद्यमान रहता था।

भारतीय संगीत का आकाश आज कुछ अधिक मौन, कुछ अधिक रिक्त प्रतीत होता है। स्वर की वह चंचल चिड़िया, जन-जन को चमत्कृत करने वाली आवाज जिसने दशकों तक हर हृदय में मधुरता के बीज बोए, आज भले ही भौतिक रूप से हमारे बीच न हो, पर उसकी गूंज अनंत में विलीन होकर भी अमर बनी हुई है। आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, वे भारतीय आत्मा की वह स्वर-लहरी थीं, जो हर संस्कृति, हर भावना और हर युग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही। वे एक बेमिसाल गायिका, अनगिनत लोगों की आशा एवं अभिलाषा की करिश्माई आवाज बनकर करीब 12000 गीतों का सृजन कर विश्व रिकार्ड बनाया। हृदयाघात के कारण उनका जाना केवल एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि भारतीय संवेदना के एक पूरे युग का अवसान है, परंतु यह अवसान भी किसी अंत का नहीं, बल्कि उस अमरत्व का संकेत है जहाँ कलाकार अपने शरीर से परे होकर अपनी कृति में जीवित रहता है। 'अभी न जाओ छोड़ कर' जैसे गीत आज करोड़ों हृदयों की सच्ची पुकार बन गए हैं। जिनकी आवाज ने विरह को भी मधुर बना दिया, आज उन्हीं के बिछोह में संसार भाव-विह्वल है। आशा जी की आवाज में एक अद्भुत जीवंतता थी, वह कभी किशोरी की चंचलता बन जाती तो कभी विरहिणी की करुण पुकार। उनके गीतों में जीवन की सम्पूर्णता समाहित थी-हंसी, आंसू, प्रेम, पीड़ा, श्रृंगार और भक्ति का ऐसा समन्वय जो दुर्लभ है। यही कारण है कि उनकी गूंज केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि विश्व के अनेक देशों में लोग उनके गीतों को गुनगुनाते रहे। यदि भारतीय संगीत को एक महासागर माना जाए तो आशा भोसले उसमें बहती वह नदी थीं, जिसने हर शैली को अपने भीतर समेट लिया। क्लासिकल से लेकर पॉप, जैज से लेकर गजल और कव्वाली तक, उन्होंने हर विधा में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी। यह मानना कठिन है कि एक ही स्वर इतनी विविधताओं को इतनी सहजता से व्यक्त कर सकता है, पर आशाजी ने इसे संभव कर दिखाया। वे केवल गाती नहीं थीं, वे हर गीत को जीती थीं और यही कारण है कि उनके गीत केवल ध्वनि नहीं बल्कि अनुभूति बन जाते थे।

8 सितंबर 1933 को जन्मी आशाजी ने संगीत को साधना के रूप में जिया। लता मंगेशकर जैसी विराट प्रतिभा की छाया में अपनी अलग पहचान बनाना सरल नहीं था। अनेक प्रतिभाएँ उस छाया में दबकर गुमनामी में खो गईं, पर आशाजी ने संघर्ष को अपनी शक्ति बनाया। पिता दीनानाथ मंगेशकर से मिली संगीत की विरासत को उन्होंने अपने परिश्रम और साहस से विस्तार दिया। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक दबाव और प्रतिस्पर्धा के बीच भी उन्होंने अपने स्वर की लौ को कभी मंद नहीं होने दिया। ओ.पी. नैयर जैसे संगीतकारों के साथ उनका जुड़ाव उनके करियर का निर्णायक मोड़ बना और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी उपलब्धियाँ केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहीं। ग्रेमी अवार्ड से सम्मानित होना, पद्म विभूषण प्राप्त करना और गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में सर्वाधिक गीत गाने का रिकॉर्ड दर्ज कराना, यह सब उनकी दीर्घ साधना और असाधारण प्रतिभा के प्रमाण हैं। परंतु इन सबसे बढ़कर उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि वह प्रेम है, जो उन्हें श्रोताओं से मिला और जो आज भी उनके गीतों के माध्यम से जीवित है।

आशा जी के गीतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समय की सीमाओं को लांघ जाते हैं। 'पिया तू अब तो आजा', 'दम मारो दम', 'चुरा लिया है तुमने', 'दिल चीज क्या है' जैसे अनगिनत गीत आज भी उतने ही ताजगी भरे लगते हैं जितने अपने समय में थे। उनके गीतों में केवल संगीत नहीं, बल्कि एक जीवंत आत्मा थी, जो हर शब्द को अर्थपूर्ण बना देती थी और उसे कालजयी बना देती थी। संगीत उनके लिए केवल कला नहीं, जीवन का श्वास था। जैसे बिना सांस के जीवन असंभव है, वैसे ही बिना संगीत के जीवन नीरस और अर्थहीन हो जाता है। उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से यह सिद्ध किया कि संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मा का पोषण है। उनके हर गीत में कहीं न कहीं ईश्वर की स्तुति, जीवन की सार्थकता और भावनाओं की पवित्रता का स्पर्श मिलता है।

आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं, तो यह अनुभव होता है कि उनका जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का समापन है। मो. रफी, मुकेश और किशोर कुमार के बाद आशा भोसले का जाना भारतीय संगीत की उस स्वर्णिम परंपरा के एक और दीप का बुझना है, जिसने इस देश की आत्मा को सुरों में पिरोया था। फिर भी यह भी उतना ही सत्य है कि ऐसे कलाकार कभी समाप्त नहीं होते, वे अपनी कृतियों में जीवित रहते हैं, अपने स्वरों में सांस लेते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों के हृदय में गूंजते रहते हैं। मोहन भागवत द्वारा व्यक्त श्रद्धांजलि इस सत्य को और गहराई देती है कि आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक थीं। उनका योगदान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से भारतीयता, संवेदनशीलता और जीवन के उत्सव को अभिव्यक्त किया। उनका जाना निस्संदेह एक अपूरणीय क्षति है, पर उनकी आवाज, उनकी लय, उनकी जीवंतता और उनकी आत्मा इस देश की माटी में सदैव गूंजती रहेगी। यही उनकी सच्ची अमरता है और यही हमारे लिए उनकी सबसे बड़ी विरासत है।

आशा भोसले का व्यक्तिगत जीवन जितना संघर्षमय रहा, उतना ही अदम्य साहस, जीवटता और आत्मविश्वास से भरा हुआ भी था। एक संगीत-साधक परिवार में जन्म लेकर उन्होंने बचपन से ही कठिन परिस्थितियों का सामना किया, परंतु हर चुनौती को उन्होंने अपनी शक्ति में रूपांतरित किया। लता मंगेशकर जैसी विराट विभूति की छाया में रहते हुए भी अपनी स्वतंत्र पहचान बनाना उनके असाधारण व्यक्तित्व का प्रमाण है। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक आलोचनाओं और पारिवारिक जटिलताओं के बीच उन्होंने कभी अपने आत्मबल को क्षीण नहीं होने दिया। उनकी जिंदादिली, बेबाकी, हाजिरजवाबी और जीवन के प्रति उत्सवधर्मी दृष्टिकोण उन्हें केवल एक कलाकार नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रेरणा बनाते हैं। वे हर परिस्थिति में मुस्कराते हुए आगे बढ़ने की उस दुर्लभ कला की प्रतीक थीं, जो साधारण मनुष्यों को असाधारण बना देती है। आशाजी की प्रतिभा को तीन मुख्य संगीतकारों ने निखारा एवं संवारा, जिनमें ओ.पी.नैय्यर, रवि और आर.डी. बर्मन मुख्य है। उनका एक गीत मेरा कुछ सामान तुम्हारे पास पड़ा है, बहुत ही लोकप्रिय है, इसके लिये उन्हें नेशनल अवार्ड मिला था।

आशा भोसले की आवाज में केवल स्वर नहीं, बल्कि एक दिव्य स्पंदन, एक अदृश्य करिश्मा और साधना की सिद्धि निहित थी। वह स्वर कभी श्रृंगार की मधुरता बनकर मन को मोह लेता, तो कभी विरह की वेदना बनकर आत्मा को छू जाता। उन्होंने अपने गायन के माध्यम से भारतीय संगीत को केवल सरस और मनोरंजक ही नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण, भावपूर्ण, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी बनाया। उनके गीतों में जीवन का दर्शन, संवेदना की गहराई और आत्मिक स्पर्श एक साथ विद्यमान रहता था। उन्होंने हर शब्द में प्राण फूँककर उसे कालजयी बना दिया, जिससे संगीत केवल सुनने का विषय नहीं, बल्कि जीने का अनुभव बन गया। वास्तव में, आशा भोंसले वह अनंत स्वर-धारा थीं, जिन्होंने भारतीय संगीत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाकर उसे वैश्विक चेतना में प्रतिष्ठित किया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बना दिया।

संपादकीय

श्रमिक अशांति

कोरोना संकट के बाद पटरी पर लौटती वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को दुनिया के कई भागों में जारी युद्ध व संघर्ष ने फिर पटरी से उतार दिया है। महाशक्तियों की महत्वाकांक्षा मानवता और आम आदमी के जीवन पर भारी पड़ी है। यूक्रेन युद्ध ने दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं और यूरोप की ऊर्जा आपूर्ति को बाधित जरूर किया, लेकिन उसका असर उतना व्यापक नहीं था, जितना खाड़ी युद्ध का रहा है। जाहिरा तौर पर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से आम आदमी के जीवन पर बहुत नकारात्मक असर पड़ा है। बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की जीवन शैली व थाली पर गहरा प्रभाव डाला है। अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों और इस्राइल की आक्रामकता से उपजे खाड़ी संकट ने एशिया ही नहीं, बल्कि यूरोप, अफ्रीका व अमेरिका की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को संकट में डाल दिया है। संयुक्त राष्ट्र की विफलता के चलते आज दुनिया में ह्यजिसकी लाठी, उसकी भैंसह्ल वाली कहावत चरितार्थ हुई है। जिसका सीधा असर महंगाई वृद्धि के रूप में सामने आया है। एक ओर ईंधन संकट और उससे बुरी तरह प्रभावित जनजीवन आक्रोश का कारक बना है। विडंबना यह है कि इस महंगाई के बीच कामगारों के वेतन सिकुड़ने लगे हैं। जीवनयापन कठिन होते और कोई समाधान न निकलते देख श्रमिकों का आक्रोश सड़क तक पहुंचने लगा है। सोमवार को उत्तर प्रदेश के नोएडा में फैक्ट्रियों के श्रमिकों द्वारा किया गया हिंसक प्रदर्शन इस संकट की परिणति ही है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा की औद्योगिक नगरी मानेसर में भी पुलिस व श्रमिकों के बीच हिंसक झड़पों की खबरें आई हैं। ये टकराव भारतीय औद्योगिक तंत्र की विसंगतियों की ही याद दिलाते हैं। इस तरह के हिंसक संघर्ष हमारी कानून-व्यवस्था की विफलता को भी उजागर करते हैं। वहीं बताते हैं कि श्रमिक वर्ग, उद्योग और राज्य सरकार के बीच कहीं न कहीं संवाद की कमी है। यही वजह है कि वेतन बढ़ाने की मांग के समर्थन में शुरू हुआ मार्च कालांतर आगजनी, तोड़फोड़ व यातायात बाधित करने में तब्दील हो गया। निश्चित तौर पर समय रहते इस श्रमिक असंतोष को भांपते हुए बेहतर ढंग से संवाद किया जाता तो शायद टकराव की स्थिति पैदा न होती। दरअसल, सरकारों की तरफ से तो कहा जा रहा है कि देश में ईंधन व गैस आपूर्ति में कोई व्यवधान नहीं है, लेकिन जमाखोरी व प्रशासन की उदासीनता से इसकी कालाबाजारी जारी है। श्रमिक वर्ग जो छोटे गैस सिलेंडरों से जीवन-यापन करता था, उसमें व्यवधान पैदा हो गया। नियंत्रित गैस आपूर्ति से छोटे गैस सिलेंडर भरने का धंधा ठप हो गया। शायद सरकारों को भी इस बात का अहसास नहीं था कि कितना बड़ा श्रमिक वर्ग छोटे गैस सिलेंडरों को भरने के काले धंधे पर निर्भर है। यही वजह है कि हिमाचल समेत कई राज्यों में खाना पकाने के संकट के चलते श्रमिकों के घर लौटने के मामले प्रकाश में आए हैं।

चिंतन-मनन

वीरत्व की अलंकृति है क्षमा

क्षमा वीरत्व की अलंकृति है। दुर्बल और विवश व्यक्ति द्वारा उद्गीत क्षमा का माहात्म्य उतना प्रखर नहीं हो सकता। ज्ञान की स्फुरणा में मौन की सार्थकता है। शक्ति-संपन्नता में क्षमा की सार्थकता है और त्याग-भावना में आत्मगोपन या अप्रशस्ति की सार्थकता है। शक्ति के अभाव में स्वीकृत का कवच व्यक्ति को कई अवांछनीय परिस्थितियों से त्राण तो दे सकता है, पर उससे क्षमा का वर्चस्व धुंधला हो जाता है। मन के प्रतिकूल परिस्थिति उत्पन्न होने पर संभावित प्रोध को शांति से प्रतिहत करने वाला व्यक्ति अपनी क्षमा को तेजस्वी बनाता है। क्षमा के स्वरूप और उसकी क्रियान्विति के संबंध में कोई निश्चित सिद्धांत नहीं बन सकता। अपराध करने वलों और क्षमाशील रहने वालों की अनेक भूमिकाएं हैं। एक मुनि, अपराधी व्यक्ति को क्षमा नहीं करता है तो उसका मुनित्व संदिग्ध हो जाता है। भगवान महावीर के साधना काल में कितनी बार प्रतिकूल परिस्थितियां पैदा की गई, पर महावीर का महावीरत्व उनकी क्षमाशीलता में ही पल्लवित हुआ। राजधर्म क्षमा को ऐकांतिक महत्व नहीं देता। दुष्ट व्यक्ति को दंडित करना राजधर्म के अनुसार विहित है। दंडनीय को दंड न देना राजधर्म का लोप माना जाता है। इससे अराजकता को प्रोत्साहन मिलता है और अपराधी तत्व निरंकुश हो जाते हैं। दंडसंहिता की सारी धाराएं अपराधों का प्रतिकार करने के लिए हैं। समाज के साथ अपराध और अपराधों के साथ दंड-पद्धति का सृजन स्वाभाविक माना जाता है। किंतु यह लोक-व्यवस्था या राज्य-व्यवस्था का सिद्धांत है। अध्यात्म की भूमिका इससे भिन्न है। इसमें अपराधी व्यक्ति स्वयं अपराध-शोधन के लिए प्रायश्चित स्वीकार करता है। अपराधी को बलात दंडित करने या उसके प्रति प्रोध प्रदर्शित करने की बात क्षमा-धर्म द्वारा संभव नहीं है। साधना के पथ पर अग्रसर साधकों के लिए क्षमा के अतिरिक्त दूसरा मार्ग ही नहीं हैं। क्षमा का प्रभाव अप्रतिहत होता है, पर क्षमा-धर्म की साधना है बहुत कठिन।

कैनवास पर जिंदगी: जब कला और नवाचार बनते हैं बदलाव की भाषा

दिलीप कुमार पाठक

कहते हैं कि कोरे कागज पर जब पहली बार कोई टेढ़ी-मेढ़ी लकीर खींची जाती है, तो वह महज एक आकृति नहीं होती, बल्कि इंसान के भीतर पल रहे एक विचार का पहला भौतिक जन्म होता है। वह पहली लकीर गवाह होती है उस छटपटाहट की, जो कुछ नया रचने के लिए हमारे भीतर हमेशा मचलती रहती है। आज का समय केवल सूचनाओं का नहीं, बल्कि उन सूचनाओं को खूबसूरती से पेश करने और उनसे नए रास्ते तलाशने का है। कला और नवाचार, ये दो ऐसे शब्द हैं जो सुनने में तो अलग-अलग क्षेत्रों के लगते हैं, लेकिन असल में ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कला जहाँ हमें संवेदनाओं से भरती है, वहीं नवाचार उन संवेदनाओं को समाधान में बदल देता है।

भारतीय परिदृश्य में देखें तो कला कभी भी केवल दिखाने या सजाने की वस्तु नहीं रही, बल्कि यह हमारे जीवन जीने का एक अभिन्न ढंग रही है। हमारे देश के गाँवों की कच्ची दीवारों पर जब कोई महिला बिना किसी औपचारिक डिग्री के अपनी उंगलियों से मधुबनी या वरली के जरिए सदियों का इतिहास उकेर देती है, तो वह उसकी रचनात्मकता का शिखर होता है। दक्षिण के मंदिरों की वह बारीक नक्काशी हो या बनारस के घाटों पर सुबह की पहली किरण के साथ गूँजती शास्त्रीय बंदिशें, हमारी हर परंपरा में एक इनोवेशन छिपा रहा है। हमने मिट्टी से घड़ा बनाया तो वह हमारी जरूरत थी, लेकिन उसी घड़े को जब एक खास शक्ल दी गई ताकि पानी शीतल रहे और देखने वाले की आँखों को भी सुकून मिले, तो वह कला और विज्ञान का अद्भुत संगम बन गया। दुनिया भर में हर साल 15 अप्रैल को विश्व कला दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो महान खोजी और कलाकार लियोनार्डो दा विंची की याद दिलाता है। दा विंची एक ऐसे शख्सियत थे जिन्होंने सदियों पहले यह साबित कर दिया था कि एक कलाकार के भीतर ही एक वैज्ञानिक और एक इंजीनियर छिपा होता है। भारत में भी आज इसी सोच को नए सिरे से परिभाषित करने की जरूरत है। आज जब पूरी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी मशीनी दिमाग के बढ़ते प्रभाव से सहमी हुई है, तब मानवीय संवेदनाओं वाली कला की अहमियत और बढ़ गई है। मशीनें करोड़ों आंकड़े जुटा सकती हैं, वे गणना कर सकती हैं, लेकिन वे उस एहसास को जन्म नहीं दे सकतीं जो एक कलाकार की मौलिक सोच से उपजता है। मशीन कभी भी उस दर्द, उस संघर्ष या उस निस्वार्थ मुस्कान को कैनवास पर वैसे नहीं उतार सकती, जैसा एक इंसान अपनी जिंदगी के अनुभवों से निचोड़कर लाता है।

बदलते भारत में अब कला और तकनीक का एक नया और गहरा रिश्ता बनता दिख रहा है। यह बदलाव की एक नई भाषा है। आज का युवा अपनी पारंपरिक विरासत को छोड़ नहीं रहा, बल्कि उसे तकनीक के पंख लगा रहा है। जब एक बुनकर सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का सहारा लेकर अपनी साड़ियों के डिजाइन सीधे वैश्विक बाजार तक पहुँचाता है, तो वह अपनी विरासत को नया जीवन दे रहा होता है। यह नवाचार ही है जो हमारी मरती हुई कलाओं को ऑक्सीजन दे रहा है। हमें यह समझना होगा कि नयापन या इनोवेशन कोई रॉकेट साइंस नहीं है, बल्कि यह अपने पुराने काम को थोड़े अलग और बेहतर तरीके से करने का साहस है। शिक्षा के क्षेत्र में भी हमें इसी नजरिए की दरकार है। अक्सर हम बच्चों को तयशुदा ढर्रे पर चलाने की होड़ में उनके भीतर के सृजनात्मक पक्ष को नजरअंदाज कर देते हैं। हम उन्हें डॉक्टर या इंजीनियर तो बनाना चाहते हैं, लेकिन एक रचनात्मक इंसान बनाना भूल जाते हैं। हमें ऐसे समाज और ऐसी शिक्षा पद्धति की जरूरत है जहाँ लीक से हटकर सोचने को न केवल स्वीकार किया जाए, बल्कि उसे प्रोत्साहित भी किया जाए। यदि कोई बच्चा गणित के उलझे हुए सवालों को किसी धुन या चित्र के जरिए हल करता है, तो वह भविष्य के एक बड़े नवाचारी बनने की राह पर है।

अंततः, हमें कला को केवल दीघाओं या ड्राइंग रूम की सजावट तक सीमित नहीं रखना चाहिए। चाहे आप एक शिक्षक हों, खेत में पसीना बहाता किसान हों, घर संभालती गृहणी हों या कंप्यूटर पर कोडिंग करता सॉफ्टवेयर इंजीनियर-अपने काम को करने का आपका जो अपना मौलिक और बेहतर तरीका है, वही आपकी असली कला है। भारत की असली ताकत यहाँ के लोगों के हुनर और उनकी सांस्कृतिक विविधता में है। जब हम अपनी इस कलात्मक सोच को आधुनिक तकनीक और नए विचारों से पूरी तरह जोड़ देंगे, तभी एक ऐसे समाज का निर्माण होगा जहाँ हर हाथ में कौशल होगा और हर दिमाग में एक नया विचार। आइए, इस रचनात्मकता के सप्ताह को अपनी जिंदगी के कोरे कैनवास पर नए रंग भरने और समाज में एक सार्थक बदलाव लाने की शुरूआत बनाएं।

धोखा फरेब नाकामी की पटकथा रही इस्लामाबाद वार्ता

मनोज कुमार अग्रवाल

करीब डेढ़ महीने से से अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुई इस्लामाबाद वार्ता बेनतीजा खत्म हो गई। 21 घंटे की चर्चा के बावजूद ईरान और अमेरिका में आपसी सहमति नहीं बन पाई तो अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने लाव-लश्कर के साथ अमेरिका वापस लौट गए और जाते-जाते कह गए कि यह ईरान के लिए बुरी खबर है कि कोई समझौता नहीं हुआ। लेकिन जो ईरान 28 फरवरी को अपने सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई की शहादत से लेकर मिनाब में डेढ़ सौ बच्चियों की जान जाने तक कई बुरी खबरों को झेलकर भी अपनी शर्तों पर टिका हुआ है, उसे अमेरिका भला एक वार्ता के विफल होने से क्या हिला पाएगा। असल में तो इस्लामाबाद वार्ता की असफलता अमेरिका के लिए बुरी खबर है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य की चाबी अब भी ईरान के हाथ में ही है और इससे भी बढ़कर उसके पास सिर न झुकाने का जो जज्बा है, वो अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के पास नहीं है। ट्रंप नेतन्याहू की मर्जी से युद्ध छेड़ते हैं और समझौता भी नहीं कर पाते, क्योंकि नेतन्याहू ऐसा नहीं चाहते।

आपको बता दें बीते दिनों न्यूयार्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें बताया गया कि बेंजामिन नेतन्याहू 11 फरवरी को अमेरिका में थे, जहां उन्होंने ट्रंप के सामने एक पूरी रणनीति बताई थी कि ईरान पर हमला करना चाहिए, क्योंकि वह अभी कमजोर है। इससे ईरान में सत्ता बदली जा सकती है और उसके संसाधनों पर कब्जा भी किया जा सकता है। नेतन्याहू ऐसे ही प्रस्ताव पहले बराक ओबामा, जो बाइडेन और जार्ज बुश को भी दे चुके थे, लेकिन इन तीनों राष्ट्रपतियों ने अपने कार्यकाल में ऐसा कोई फैसला नहीं लिया। यह खुलासा पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने हाल ही में किया है। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप नेतन्याहू की बात मानने को मजबूर हो गए। क्या इसके पीछे एपस्टीन फाइल्स के खुलासे हैं, इस सवाल का जवाब अभी मिलना बाकी है। बहरहाल, यह वार्ता बेनतीजा रही, क्योंकि एक तरफ इजरायल लेबनान पर अपने हमले नहीं रोक रहा था, जबकि ईरान की 10 शर्तों में यह एक अहम शर्त थी कि लेबनान पर हमले रुकने चाहिए। दूसरी तरफ अमेरिका ने भी अपने रुख में इंच भर का बदलाव नहीं दिखाया।

अमेरिका-ईरान वार्ता बिना नतीजे के खत्म हो गई. लेकिन बातचीत के नाम पर असली फायदा डोनाल्ड ट्रंप ने उठाया है. अमेरिका ने होर्मुज में माइंस हटाने वाले जहाज भेज दिए हैं. वहीं पाकिस्तान ने भी सऊदी अरब में जेट भेजे हैं. इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या बातचीत के नाम पर ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति अपनाई गई. कहीं बातचीत में उलझाकर उसे फिर से धोखा तो नहीं दिया गया। क्योंकि बातचीत के बीच ही अमेरिका ने माइंस हटाने के लिए अपने दो सैन्य जहाजों को होर्मुज के पार ईरान के पास भेज दिया है. करीब 21 घंटे तक चली मैराथन बातचीत के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को खाली हाथ लौटना पड़ा. वेंस ने साफ कहा कि अमेरिका ने अपनी ह्यरेड लाइनह्ल बता दी थी, लेकिन ईरान ने उन्हें मानने से इनकार कर दिया. दूसरी तरफ ईरान का आरोप है कि अमेरिका ने जरूरत से ज्यादा शर्तें थोप दीं और बातचीत को संतुलित नहीं रखा.

यहां यह भी गौरतलब है कि दोनों पक्षों के बीच 5 अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य, परमाणु कार्यक्रम, युद्ध की भरपाई, ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाना और ईरान के खिलाफ तथा पूरे क्षेत्र में चल रहे युद्ध को पूरी तरह खत्म करने जैसे विषय शामिल रहे। लेकिन इन मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई। अमेरिका न ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाने के लिए तैयार हुआ, न उसने होर्मुज पर अपना रुख साफ किया। दरअसल पिछले दस दिनों में ही ट्रम्प दो बिल्कुल अलग-अलग बातें कह चुके हैं। पहले उन्होंने कहा था कि होर्मज में अमेरिका की कोई खास दिलचस्पी नहीं है, अमेरिका को वहां से गुजरने वाले तेल की जरूरत नहीं है। फिर कुछ ही दिनों बाद उन्होंने कहा कि यह अमेरिका की मांगों का सबसे जरूरी हिस्सा है, और अगर इसे खुला नहीं रखा गया तो कोई बातचीत नहीं हो सकती। वैसे यह तय है कि होर्मुज बनारसमध्य पर अमेरिका अपना कब्जा चाहता है, क्योंकि ईरान ते इस पर न केवल नाकेबंदी की है, बल्कि अब शुल्क चिनेको एरुआत भी कर दी है और ट्रंप इससे बुरी तरह गए हैं। ईरानी संसद से मंजूरी मिलने के बाद अब नामिरिखोलूश्यनरी गाईस कॉर्पस को होर्मुज से गुजरने पाहा से शुल्क वसूलने का अधिकार मिल गया है। एक बेरल तेल पर एक डॉलर ईरान वसूलेगा, साथ ही क्रिप्टो करेंसी में भुगतान की व्यवस्था भी होगी, ताकि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का कोई असर न पड़े। ईरान की इस रणनीति से उसे आर्थिक मजबूती मिलेगी, अमेरिका को इस बात का अहसास हो चुका है। इसलिए अब उसने फिर से अपने पत्ते फेंटने शुरू किए हैं, ताकि युद्ध को जायज ठहरा सके।

हालांकि इस युद्ध ने एक तरफ ईरान और खाड़ी देशों समेत पूरी दुनिया में घोर तबाही मचाई है, वहीं एक नयी वैश्विक व्यवस्था भी तैयार की है, जिसमें ईरान निस्संदेह एक आदर्श की तरह उभरा है। ईरान ने संदेश दे दिया है कि महाशक्ति की अवधारणा और उसके हौव्वे को आत्मबल से कैसे तोड़ा जा सकता है। अब अन्य देशों को भी यह प्रेरणा मिली है कि वे अमेरिकी शर्तों के आगे झुकने से इंकार करने की हिम्मत दिखाएं। पाकिस्तान ने सऊदी अरब में अपने फाइटर जेट तैनात कर दिए. यह तैनाती दोनों देशों के रक्षा समझौते के तहत की गई, लेकिन इसे ईरान के लिए एक सख्त संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है. यह अमेरिका की दोहरी रणनीति थी ताकि एक तरफ बातचीत के जरिए समाधान का दिखावा किया जाए, दूसरी तरफ सैन्य दबाव बनाकर अपनी शर्तें मनवाई घटनाक्रम की तुलना 28 फरवरी की उस घटना से भी की जा रही है, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला किया था. यह हमला ऐसे समय में किया गया था जब दोनों देशों के बीच बातचीत चल रही थी. जब किसी को हमले की उम्मीद नहीं थी तब ईरान पर अटैक हुआ, जिसमें सुप्रीम लीडर अली खामेनेई मारे गए. इस बात का खतरा पहले से था कि कहीं अमेरिका बातचीत के बीच धोखा न दे दे वही हुआ अब ईरान को और मजबूती से खड़े होने की जरूरत होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कार्डियोलॉजिस्ट बनकर रखें लोगों के दिलों का ख्याल

एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। हृदय हमारे शरीर का एक बेहद महत्वपूर्ण आंतरिक अंग है और एक हेल्दी लाइफस्टाइल जीने के लिए जरूरी है कि आप इसका पूरी तरह ख्याल रखें।

आमतौर पर लोग अपने दिल का ख्याल रखने के लिए खानपान से लेकर अन्य कई उपाय अपनाते हैं, लेकिन फिर भी कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति में व्यक्ति को कार्डियोलॉजिस्ट को कंसल्ट करने की जरूरत पड़ती है। कार्डियोलॉजी चिकित्सा का एक प्रभाग है जो हृदय विकारों से संबंधित निदान और उपचार से संबंधित है। दिल के विकारों से निपटने वाले चिकित्सा चिकित्सकों को आमतौर पर कार्डियोलॉजिस्ट या हृदय रोग विशेषज्ञ कहा जाता है। चिकित्सा विज्ञान की इस शाखा का बेहद महत्व है और अगर आप चाहें तो इस दिशा में अपना कदम बढ़ा सकते हैं–

क्या होता है काम

एक हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय, धमनियों और नसों का डॉक्टर है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय की विफलता, जन्मजात हृदय दोष और कोरोनरी धमनी रोग का निदान और उपचार प्रदान करते हैं। इसमें धमनियों के संकीर्ण होने, हृदय के वाल्व में समस्याएं, मांसपेशियों के ऊतकों को नुकसान और पेरिकार्डियम के विकार के कारण प्रतिबंधित परिसंचरण के कारण होने वाली समस्याएं शामिल हैं।

स्किल्स

एजुकेशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए अनुशासन, धैर्य, उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास का होना भी उतना ही आवश्यक है। उनके पास जीवन की खतरनाक स्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। कैरियर कोच कहते हैं कि हृदय रोग विशेषज्ञ को भी आहार और व्यायाम विशेषज्ञ भी होना चाहिए।

योग्यता

एक कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमबीबीएस की डिग्री के अलावा कई सालों की प्रैक्टिस, लाइसेंस व बोर्ड सर्टिफिकेशन होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमडी/एमएस या डीएनबी की डिग्री लेने के बाद इस क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन के लिए डीएम इन कार्डियोलॉजी की डिग्री लेनी होगी। इस डिग्री की अवधि लगभग तीन साल की होती है।

अवसर

कॅरियर काउंसलर के अनुसार, एक प्रोफेशनल कार्डियोलॉजिस्ट के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप सरकारी या प्राइवेट हास्पिटल में बतौर डॉक्टर काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप कार्डियक रिहैबिलेशन सेंटर या क्लीनिक टेस्टिंग सेंटर्स में भी काम कर सकते हैं। वहीं आप खुद की प्रैक्टिस भी शुरू कर सकते हैं और खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं। जो कार्डियोलॉजिस्ट पढ़ाना पसंद करते हैं, वे मेडिकल कॉलेजों में बतौर लेक्चरर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आमदनी

एक कार्डियोलॉजिस्ट की आमदनी उसके अनुभव व भौगोलिक स्थान पर मुख्य रूप से निर्धारित होती है। जो कार्डियोलॉजिस्ट शहर में काम करते हैं, उन्हें अपेक्षाकृत अधिक सैलरी मिलती है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आमदनी का स्तर कम हो सकता है। हालांकि अगर आप किसी सरकारी अस्पताल में बतौर फ्रेशर काम शुरू करते हैं, तब भी शुरुआती दौर में आप 25000 रूपए आसानी से कमा सकते हैं। जबकि निजी अस्पतालों में वेतन अधिक हो सकता है। वहीं कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी लाखों में हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- गोविंद वल्लभ पंत इंस्टीट्यूटी ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, नई दिल्ली
- रविन्द्रनाथ टैगोर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियक साइंस, कोलकाता
- मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, नई दिल्ली
- आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे
- संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, लखनऊ

फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में कॅरियर कैसे बनाएं? कोर्स, जॉब और सैलरी

फॉरेंसिक साइंस की फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

फॉरेंसिक साइंस का इस्तेमाल आपराधिक मामलों की जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए किया जाता है। फॉरेंसिक साइंस में केमिस्ट्री, बायोलॉजी, फिजिक्स, जियोलोजी, साइकोलॉजी, सोशल साइंस, इंजीनियरिंग आदि फील्ड्स शामिल होती हैं। इस फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

कोर्स

फॉरेंसिक साइंस में करियर बनाने के लिए 12पद्ध में साइंस होनी जरूरी है। आप फोरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी या फॉरेंसिक साइंस एंड लॉ में एक वर्षीय डिप्लोमा कर सकते हैं। आप फॉरेंसिक साइंस 3 साल की बीएससी, 2 साल की एमएससी भी कर सकते हैं। इस फील्ड में स्पेशलाइजेशन और रिसर्च करने के इच्छुक हों तो फॉरेंसिक साइंस में पीएचडी और एमफिल भी कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को जिज्ञासु होना चाहिए और साहसिक कार्यों में दिलचस्पी होनी चाहिए। इस फील्ड में हर कदम पर चुनौती है इसलिए आपको दिमागी तौर पर मजबूत होना जरूर है। इसके साथ ही आपके अंदर मजबूत कम्युनिकेशन स्किल्स होना भी बेहद जरूरी है। एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को कई तरह की टेस्ट रिपोर्ट लिखनी होती हैं इसलिए आपकी राइटिंग स्किल्स भी अच्छी होनी चाहिए। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को सबूतों की जाँच करनी होती है इसलिए आपको एकाग्रता और सतर्कता के साथ काम करना आना चाहिए।

कहां मिलेगी नौकरी

इस फील्ड में सरकारी और प्राइवेट जॉब्स की भरमार है। फॉरेंसिक साइंस में डिग्री हासिल करने के बाद आपको पुलिस, लीगल सिस्टम, इंवेस्टिगेटिव सर्विस जैसी जगहों पर जॉब मिल सकती है। वहीं, कोई प्राइवेट एजेंसी भी आपको बतौर फॉरेंसिक साइंटिस्ट्स जॉब ऑफर कर सकती है। अगर आप में योग्यता है तो आपको फॉरेंसिक साइंटिस्ट इंटेलि ?जेंस ब्यूरो और सीबीआई में भी नौकरी का अवसर प्राप्त हो सकता है। इसके अलावा आप किसी फॉरेंसिक साइंस शिक्षण संस्थान में टीचर के रूप पढ़ा कर अच्छी सैलरी कमा सकते हैं।

सैलरी

योग्यता के आधार पर आपको शुरुआत में 20–50 हजार रुपये प्रतिमाह तक सैलरी मिल सकती है। समय के साथ अनुभव होने पर आप 6 से 8 लाख रुपये तक महीना कमा सकते हैं।

विदेशों में स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

विदेशों से हायर एजुकेशन प्राप्त करना कई लोगों की टू–डू लिस्ट में शामिल होता है। कई लोग इसे प्राप्त कर लेते हैं और कई लोग इसे प्राप्त करने से वंचित भी रह जाते हैं। विदेशों से हायर एजुकेशन की पढ़ाई करने पर जीवन में कई अवसर मिलते हैं। हालांकि हायर एजुकेशन जितने बेहतर अवसर देता है उतना ही खर्चीला भी है। विदेशों में पढ़ाई करने के लिए एक बेहतर प्लानिंग की आवश्यकता तो होते ही है साथ ही आवश्यकता होती है नॉलेज की। उसी नॉलेज और प्लानिंग में से एक है स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करना। जब स्कॉलरशिप की बात आती है तो हमें कई बातों को ध्यान में रखना पड़ता है। आइए जानते हैं कुछ महत्वपूर्ण बातों को जिन्हें स्कॉलरशिप प्राप्त करने से पहले ध्यान में रखना पड़ता है।

स्ट्रांग प्रोफाइल बनाएं

हालांकि स्कॉलरशिप के लिए एकेडमिक स्ट्रेन्थ आवश्यक है। अगर मास्टर्स करने का आप प्लान बना रहे हैं तो आपका जीपीए 70 से अधिक है तो स्कोर बेहतर माना जाता है। लेकिन केवल इतना ही आवश्यक नहीं है। स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग होना चाहिए। इसके लिए आप इसमें एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटी जैसे स्पोर्टस, म्यूजिक, ड्रामा इत्यादि की डिटेल जरूर लिखें। इससे आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग बनेगा।

यूनिवर्सिटी स्कॉलरशिप से आगे बढ़कर सोचें

ध्यान रखें कि विदेशों में पढ़ने के लिए केवल यूनिवर्सिटी ही नहीं बल्कि कई संस्था स्कॉलरशिप प्रदान करती है। ये स्कॉलरशिप सरकारी के साथ–साथ प्राइवेट संस्थाओं द्वारा भी दिया जाता है। अगर आप भारत में हैं तो कई संस्था जैसे टाटा आपको विदेश में पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप देगी। इसके साथ ही अगर आप विदेश में हैं तो वो देश भी विदेशों छात्रों के लिए कई स्कॉलरशिप प्लान पर कार्य करता है। इन स्कॉलरशिप के बारे में दोनें देशों के एजुकेशन डिपार्टमेंट से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कोर्स से पहले कर दें अप्लाई

आप जो कोर्स करना चाहते हैं उसके शुरू होने से 18 महीने पहले आप अप्लाई करने की प्रक्रिया शुरू कर दें। ऐसा इसलिए क्योंकि आवेदन करने के बाद डॉक्यूमेंट सबमिशन और वेरिफिकेशन में काफी वक्त लगता है। ऐसे में आपको समय पर स्कॉलरशिप भी मिल जाएगा और कोर्स में भी कोई समस्या नहीं होगी।

एप्लीकेशन का कराएं रिव्यू

एप्लीकेशन फार्म भरने के बाद यह सबसे बेहतर आइडिया है कि उसका रिव्यू करा लिया जाए। रिव्यू कराने से एप्लीकेशन की कमियां सामने आएगी और उसके बाद सुधार किया जा सकेगा। अपना एप्लीकेशन और डॉक्यूमेंट लें और उसे किसी प्रोफेशनल के पास ले जाएं। ये प्रोफेशनल आपके शिक्षक या कोई अन्य एक्सपर्ट भी हो सकते हैं। इससे आपको रिव्यू मिलेगा और आप एप्लीकेशन में सुधार कर पाएंगे।

अधिक से अधिक रियल रहने का प्रयास करें

जब एप्लीकेशन लिखे तो ज्यादा से ज्यादा रियल रहने का प्रयास करें। यूनिवर्सिटी में आप खुद को निखारने और खुद को बेहतर बनाने के लिए जाते हैं इसी कारण एप्लीकेशन में खुद को ज्यादा बढ़ा–चढ़ा कर ना लिखें। जो हैं वह ईमानदारी के साथ लिखें और अपने स्किल, पैशन और इंटरेस्ट आदि के विषय में लिखें।

पेंट टेक्नोलॉजिस्ट बनकर कॅरियर को दें एक रंगीन दिशा

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। रंगों का जीवन से एक गहरा नाता है। रंगों के बिना दुनिया की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कपड़ों से लेकर घर तक हर जगह तरह-तरह के रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन क्या आपने कभी इन्हीं रंगों में अपना करियर बनाने की सोची है। अगर नहीं, तो अब आप इस क्षेत्र में भी अपना भविष्य बना सकते हैं। जी हां, पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा ही क्षेत्र है। अगर आप भी चाहें तो इस क्षेत्र में अपना सफल भविष्य बना सकते हैं। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में

क्या है पेंट टेक्नोलॉजी

पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें पेंट बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले विभिन्न इंग्रीडिएंट जैसे रॉल, पॉलिमर व पिगमेंट आदि के बारे में अध्ययन किया जाता है। पेंट टेक्नोलॉजी में, विभिन्न प्रकार के पेंट, उनके निर्माण, विभिन्न प्रकार के पेंट के उपयोग और पेंट के अनुप्रयोग के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों के बारे में अध्ययन किया जाता है। इस विषय क्षेत्र में स्नातक करने वालों को पेंट टेक्नोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है।

क्या होता है काम

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग–अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। उनके काम में पेंट के नए रंग और बनावट विकसित करना, पेंट एप्लीकेशन के लिए नई तकनीक को विकसित करना आदि शामिल हैं। सरल भाषा में, वे नए उत्पादों को विकसित करने के साथ–साथ उन उत्पादों के गुणों को बढ़ाने और उन्नत करने के लिए जिम्मेदार हैं जो पहले से ही विकसित किए गए हैं।

पर्सनल स्किल्स

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को रंगों से बेहद प्यार होना चाहिए। साथ ही उसमें कई तरह के एक्सपेरिमेंटल स्किल्स भी होने चाहिए, ताकि वह नए रंगों के साथ–साथ उनके टेक्टचर को भी बेहतर बना सके। एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को मेहनती होना चाहिए। इसके अलावा, आपमें अच्छी संचार कौशल और टीम भावना होनी चाहिए, क्योंकि आपको इस उद्योग में अन्य पेशेवरों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता होगी। साथ ही विभिन्न विभागों में टीमों का नेतृत्व करने के लिए पेंट टेक्नोलॉजिस्ट में प्रबंधकीय कौशल भी आवश्यक है।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपको बीटेक इन पेंट टेक्नोलॉजी करना होगा। बीटेक के बाद आप एमटेक कर सकते हैं। अधिकांश संस्थानों द्वारा पेंट इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को केमिकल इंजीनियरिंग में एक विषय के रूप में भी पेश किया जाता है।

संभावनाएं

पेंट उद्योग के विभिन्न विभागों में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है। वे पेंट निर्माण कंपनियों के किसी भी विभाग में काम पा सकते हैं। पेंट उद्योग मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट उद्योग पर निर्भर है। कई बड़ी–बड़ी पेंट मैन्युफैक्चिरिंग कंपनियों जैसे एशियन पेंट्स इंडिया लिमिटेड, शालीमार पेंट्स, बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड, नेरोलैक पेंट्स लिमिटेड आदि में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की हमेशा ही जरूरत होती है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, होम फर्निशिंग इंडस्ट्री आदि में भी कार्य कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में वेतन आपके अनुभव और उस सेक्टर पर निर्भर करता है, जिसके लिए आप काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र में शुरुआत करने वाले व्यक्ति प्रारंभ में 1,25000 रूपए से 2,00000 रूपए प्रति वर्ष कमा सकते हैं। इसके अलावा अगर आप किसी प्रतिष्ठित ब्रांड के साथ काम कर रहे हैं तो आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है। वहीं, अनुभव बढ़ने के साथ–साथ आपका वेतन भी बढ़ता जाता है।

प्रमुख संस्थान

हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय, कानपुर
यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, जलगांव, महाराष्ट्र
गार्वेयर इंस्टीट्यूट ऑफ कॅरियर एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, सांताक्रूज, महाराष्ट्र
लक्ष्मीनारायण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर

जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में सुबह-सुबह लगे भूकंप के झटके, प्रशासन अलर्ट पर

श्रीनगर (एजेंसी)। देश के पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में मंगलवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि दोनों ही क्षेत्रों से अभी तक किसी भी प्रकार के जान-माल के बड़े नुकसान की कोई आधिकारिक सूचना प्राप्त नहीं हुई है। भूकंप की जानकारी मिलते ही संबंधित जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन इकाइयां तुरंत सक्रिय हो गईं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले की भदेरवाह घाटी और उसके आसपास के इलाकों में सुबह 4:55 बजे भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 2.9 दर्ज की गई है। डोडा जिले के लिए इस तरह की हलचलें चिंता का विषय बनी हुई हैं, क्योंकि इससे पहले 12 अप्रैल को भी यहां 4.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप महसूस किया गया था, जिसका समय सुबह 04:32 बजे दर्ज हुआ था। इतना ही नहीं, मार्च की शुरुआत में भी क्षेत्र ने 4.2 तीव्रता के झटके झेले थे। लगातार आ रहे इन झटकों ने घाटी के लोगों को डरा दिया है। दूसरी ओर, उत्तराखंड के सीमावर्ती जिले पिथौरागढ़ में भी मंगलवार सुबह 7:07 बजे धरती कांपी। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.4 मापी गई है। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन ने स्थिति का जायजा लेने के लिए भूकंप केंद्र और संवेदनशील इलाकों का निरीक्षण किया। गनीमत रही कि वहां भी स्थिति सामान्य है और संपत्तियों को कोई क्षति नहीं पहुंची है। भूकंप की यह सक्रियता केवल उत्तर भारत तक ही सीमित नहीं रही है। हाल ही में महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र, विशेषकर हिंगोली जिले में भी 4.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। हिंगोली के जिलाधिकारी के अनुसार, पांगरा शिंदे गांव में कुछ घरों और सामुदायिक केंद्रों की दीवारों में दरारें देखी गई थीं। देश के विभिन्न हिस्सों में बार-बार आ रहे ये झटके भूकंपीय संवेदनशीलता को दर्शाते हैं, जिसके चलते प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की है।

बीजेपी विधायक संजय गुप्ता सड़क हादसे में घायल, डॉक्टरों की टीम कर रही निगरानी

पटना (एजेंसी)। बीजेपी के कुम्हरार से विधायक संजय गुप्ता सड़क हादसे में घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक संजय गुप्ता पश्चिम बंगाल में चुनावी कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद सिलीगुड़ी से पटना लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनका वाहन हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना कितनी गंभीर थी, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन बताया जा रहा है कि हादसे में उन्हें सीने में चोट लगी है। हादसे के तुरंत बाद उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डॉक्टरों द्वारा जांचें की जा रही हैं ताकि किसी अंदरूनी चोट की स्थिति का सही आकलन किया जा सके। इधर, घटना की खबर मिलते ही बीजेपी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में चिंता का माहौल है। पार्टी के कई नेता और करीबी अस्पताल पहुंचकर उनका हालचाल जान रहे हैं। साथ ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भी उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

पटना में 78 हजार नशीले इंजेक्शन बरामद, चार गिरफ्तार, 7 पर मामला दर्ज

पटना (एजेंसी)। पटना में औषधि नियंत्रण प्रशासन ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार को रानीगंज स्थित एक गोदाम से भारी मात्रा में नशीले इंजेक्शन जब्त किए गए। अधिकारियों ने 39 कार्टन में रखे करीब 78 हजार नशीले इंजेक्शन बरामद किए। इसकी कीमत 27.30 लाख है। इस मामले में सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिनमें से चार आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया है। औषधि नियंत्रण प्रशासन के अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक पिकअप वाहन से नशीले इंजेक्शन की बड़ी खेप शहर में लाई जा रही थी। सूचना मिलते ही टीम ने पिकअप वाहन को रोका और शुरुआती खेप बरामद की। पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर रानीगंज इलाके के गोदाम पर छापेमारी की गई। सोमवार सुबह करीब 11 बजे गोदाम की तलाशी ली गई। इस दौरान भारी मात्रा में इंजेक्शन के कार्टन मिले। अधिकारियों के मुताबिक कुल 39 कार्टन में करीब 78 हजार इंजेक्शन थे, जिनकी कीमत लाखों रुपए बताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक औषधि नियंत्रण प्रशासन ने इसे अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई बताया है। जांच में पता चला है कि जब्त किए गए इंजेक्शन का उत्पादन नारोडियन फार्मासिस्ट नामक कंपनी ने किया था। इसकी मार्केटिंग क्विक फार्मा एजेंसी के जरिए की जा रही थी। दोनों कंपनियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने इसे जांच का अहम पहलू बताया।

पुणे के रेस्क्यू फाउंडेशन से 13 बांग्लादेशी युवतियां फरार, केयरटेकर को बंधक बनाकर रची साजिश

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां हडपसर इलाके के मोहम्मदवाड़ी रोड पर स्थित रेस्क्यू फाउंडेशन से 13 बांग्लादेशी युवतियां केयरटेकर पर हमला कर फरार हो गईं। यह घटना 23 मार्च की है, लेकिन इसका खुलासा करीब 20 दिन बाद 12 अप्रैल को हुआ। फरार हुई इन सभी युवतियों को मानव तस्करी के चंगुल से छुड़ाया गया था और हाल ही में उन्हें वापस बांग्लादेश भेजने के अदालती आदेश जारी हुए थे। पूरी वारदात संस्थान के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना वाले दिन सुबह करीब 6:30 बजे, जब परिसर में सफाई चल रही थी, एक युवती ने पेट दर्द का बहाना बनाया। जैसे ही केयरटेकर लक्ष्मी कांबले दवा लेकर कमरे में पहुंचीं, युवतियों ने उन पर हमला कर दिया। एक लड़की ने उन्हें पीछे से पकड़ा, जबकि अन्य ने उन्हें पीटा और उनके हाथ-पैर बांध दिए। केयरटेकर के मुंह में कपड़ा ठूंसकर उन्हें कमरे में बंद कर दिया गया। सफाई कार्य के कारण उस समय मुख्य द्वार खुला रह गया था, जिसका लाभ उठाते हुए ये युवतियां बाहर की ओर भागीं। रास्ते में जब सुरक्षा गार्ड ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो युवतियों ने उसे भी नहीं बख्शा; उसे घसीटा गया और उसके हाथ पर दांत से काट लिया गया। इस अफरातफरी के बीच सभी 13 युवतियां परिसर से बाहर निकलने में कामयाब रहीं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया और अब तक सैयद नगर व हडपसर इलाके से दो लड़कियों को बरामद कर लिया गया है, जबकि 11 अब भी लापता हैं।

बंगाल चुनाव: विधानसभाओं में गूंज रहा हृदय माझे काबा और नयने मदीना...गाना

-मुस्लिम वोटरों को लुभाने में जुटी टीएमसी, बीजेपी ने बताया तुष्टीकरण

कोलकाता (एजेंसी)। हृदय माझे काबा और नयने मदीना...यानी दिल में काबा और आंखों में मदीना...पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बीच यह गाना विधानसभाओं में गूंज रहा है। यह गीत टीएमसी की सभाओं में उसकी सांसद सायनी घोष गा रही हैं। इस गीते की रील सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है तो वहीं रैलियों में वह खुद पूरा गीत गाकर मुस्लिम वोटरों का भरोसा जीतने में जुटी हैं। वहीं बीजेपी का कहना है कि यह मुस्लिम तुष्टीकरण है।

बता दें सायनी घोष टीएमसी सांसद हैं और पेशे से अभिनेत्री भी हैं। उन्होंने कई बांग्ला फिल्मों और सीरियल्स में काम किया। सायनी घोष ने बांग्ला टेलीफिल्म इच्चे दाना से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह 2021 में टीएमसी में आई थीं और फिर 2024 में जादवपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ी और जीत हासिल की। हालांकि इससे पहले 2021 में उन्हें आसनसोल दक्षिण विधानसभा सीट से हार का सामना करना पड़ा था। इस चुनाव के बाद ही जून 2021 में उन्हें टीएमसी की यूथ विंग का अध्यक्ष बनाया था। उन्होंने अभिषेक बनर्जी की जगह ली थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक की जगह उन्होंने यूथ टीएमसी की जिम्मेदारी संभाली थी। इससे समझा जा सकता है कि ममता की वह कितनी करीबी हैं। सायनी घोष का नाम विवादों में भी जुड़ता रहा है। कई बार उनके बयान चर्चा में रहे हैं तो वहीं एक घोटाले में भी उनका नाम आया था। कम उम्र में ही बड़ी राजनीतिक सफलता पाने वालीं सायनी घोष अब अपनी गाने की क्षमता का इस्तेमाल राजनीतिक मंच पर कर रही हैं। वहीं बीजेपी इसे मुस्लिम तुष्टीकरण बता रही है।

बीजेपी समर्थकों की ओर से कई रील शेयर किए गए हैं और लिखा जा रहा है कि आखिर एक सांसद कैसे मंच से इस तरह का गाना गा सकती है। सायनी घोष को बीजेपी पर तीखे हमलों के लिए जाना जाता है। हाल ही में उनका दिया एक नारा भी चर्चा में रहा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि बंगाल दिखाएगा- ममता की क्षमता। माना जा रहा है कि मुस्लिम बहुल इलाकों में इस गाने के जरिए टीएमसी माहौल बनाना चाहती है।

मुंबई में लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान ड्रग ओवरडोज से 2 छात्रों की मौत, एक युवती की हालत गंभीर

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के पश्चिमी उपनगर गोरेगांव में आयोजित एक लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान ड्रग्स के ओवरडोज से दो लोगों की मौत का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। मृतकों में एक युवक और एक युवती शामिल हैं, जो दोनों उच्च शिक्षित एमबीए छात्र बताए जा रहे हैं। जबकि एक युवती की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया गया है कि मृतक दक्षिण मुंबई के एक प्रतिष्ठित मैनेजमेंट कॉलेज में पढ़ाई कर रहे थे। दोनों अपने 15 दोस्तों के समूह के साथ कॉन्सर्ट में शामिल हुए थे। जांच में सामने आया है कि दोनों छात्रों ने कॉन्सर्ट से पहले और उसके दौरान एक्स्टेसी टैबलेट्स का सेवन किया था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 11 अप्रैल को गोरेगांव इलाके में नेस्को एक्ज़ीबिशन सेंटर में आयोजित एक लेट-नाइट टेक्नो म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान यह घटना हुई। वहां एक बड़े स्तर पर लाइव कॉन्सर्ट आयोजित किया गया था, जिसमें लगभग 3 से 4 हजार युवक-युवतियां शामिल हुए थे। संगीत और पार्टी के माहौल में शराब के साथ-साथ ड्रग्स के इस्तेमाल की भी जानकारी सामने आई है। कार्यक्रम के दौरान कुछ युवाओं ने कथित तौर पर अधिक मात्रा में ड्रग्स का सेवन कर लिया, जिससे उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। दो युवतियों को तुरंत हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे ट्रॉमा केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि एक युवक को लाइफ लाइन अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान लाइफ लाइन अस्पताल में भर्ती युवक की मौत हो गई। वहीं ट्रॉमा केयर अस्पताल से डिस्चार्ज के बाद दोनों युवतियों को आगे के इलाज के लिए निजी अस्पताल में शिफ्ट किया गया, जहां सोमवार दोपहर एक युवती ने दम तोड़ दिया। दूसरी युवती की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है। इस मामले में वनराई पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है और पुलिस जांच कर रही है। इस मामले में पुलिस ने लापरवाही और सदोष मनुष्यवध का मामला दर्ज करते हुए आयोजक सनी जैन, अन्य इवेंट आयोजकों और मृत छात्रों के दो मित्र को आरोपी बनाया है। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों के खून के नमूने फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद यह स्पष्ट होगा कि किस प्रकार के ड्रग्स का सेवन किया गया था।

एयरपोर्ट पर सुरक्षा कतार लांघ गई अभिनेत्री करीना, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी कोई फिल्म नहीं बल्कि मुंबई एयरपोर्ट का एक वीडियो है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में करीना कपूर सुरक्षा जांच (सिक्योरिटी चेक) के दौरान लंबी कतार को छोड़कर सीधे सिक्योरिटी गेट की ओर जाती दिख रही हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद इंटरनेट पर सेलिब्रिटी प्रिविलेज यानी मशहूर हस्तियों को मिलने वाले विशेषाधिकारों को लेकर एक नई बहस शुरू हो गई है।

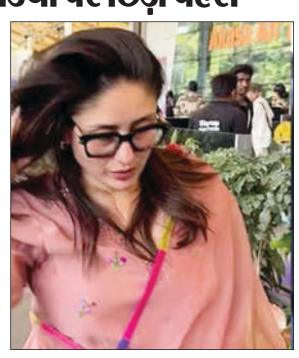

वीडियो वायरल होते ही माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कई उपयोगकर्ताओं ने करीना के इस व्यवहार पर नाराजगी जताई और इसे आम नागरिकों के साथ नाइंसाफी करार दिया। एक यूजर ने पोस्ट करते हुए लिखा कि करीना कपूर ने कतार तोड़कर सीधे गेट पर पहुंचकर नियमों का उल्लंघन किया है। यूजर ने सवाल उठाया कि सेलिब्रिटी को यह विशेषाधिकार किसने दिया, जबकि अन्य यात्रियों की उड़ानें भी उतनी ही जरूरी होती हैं। कुछ लोगों ने इसे अहंकार बताया और सरकारी अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए।

हालांकि, बहस के बीच कई लोग करीना कपूर के बचाव में भी उतरे। सोशल मीडिया पर एक वर्ग ने स्पष्ट किया कि अधिकांश अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर पेड वीआईपी सर्विस (सशुल्क वीआईपी सेवा) उपलब्ध होती है। इस सेवा के तहत कोई भी यात्री एक निश्चित शुल्क (जैसे 6,000 रुपये) देकर एक्सप्रेस सुरक्षा जांच और त्वरित क्लियरेंस की सुविधा प्राप्त कर सकता है। समर्थकों का तर्क है कि यह कोई फ्री कल्चर नहीं बल्कि एक वैध व्यवसायिक सेवा है, जिसे करीना ने संभवतः खरीदा होगा। कुछ उपयोगकर्ताओं ने यह भी कहा कि जब राजनेताओं या क्रिकेटरों को ऐसी सुविधाएं मिलती हैं, तब कोई विरोध नहीं होता, लेकिन एक अभिनेत्री के मामले में समानता की बात उठाना गलत है।

इस विवाद ने देश में कतार संस्कृति और सेलिब्रिटी सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। कुछ समर्थकों का मानना है कि सेलिब्रिटी अक्सर भीड़ और सुरक्षा कारणों से आम कतारों से बचते हैं। फिलहाल इस पूरे विवाद पर करीना कपूर खान की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यह घटना एक बार फिर भारत में सार्वजनिक स्थलों पर मिलने वाली विशेष सुविधाओं और आम जनता की उनके प्रति धारणा के बीच के बड़े अंतर को उजागर करती है।

महिला आरक्षण विधेयक: कांग्रेस ने जारी किया निर्देश, सभी रहें विशेष सत्र में उपस्थित

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण विधेयक में परिसीमन समेत अन्य सियासी मसाला लपेटने की कोशिश अगर चुनावी बेला में सरकार की तरफ से की जाएगी तो विपक्ष अपनी लामबंदी से घेरने को तैयार है। इसको ध्यान में रखते कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा में अपने सभी सांसदों के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। इस व्हिप के तहत पार्टी के सभी लोकसभा सदस्य 16, 17 और 18 अप्रैल (गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार) को सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे और पार्टी के रुख के अनुसार मतदान करेंगे।

उल्लेखनीय है कि महिला आरक्षण विधेयक राज्यसभा से यूपीए सरकार के समय ही पारित हो गया था। लोकसभा में साथी दलों समेत अन्य दलों के विरोध के चलते पारित नहीं कराया जा सका था। राजद, सपा, जदयू समेत विरोध करने वाले दलों के नेता महिला आरक्षण में एससी, एसटी, ओबीसी महिलाओं के आरक्षण की मांग को लेकर बेहद मुखर थे। अब विधेयक का प्रारूप क्या होगा, विपक्षी दलों की रणनीति उसी आधार पर फ्लोर टेस्ट में बदलेगी।

कांग्रेस संसदीय दल के चीफ व्हिप से जारी निर्देश में स्पष्ट कहा गया है कि इन तीन दिनों के विशेष सत्र के दौरान लोकसभा में महिला आरक्षण समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा और मतदान प्रस्तावित है। ऐसे में सभी सांसदों की उपस्थिति सुनिश्चित करना पार्टी के लिए अत्यंत आवश्यक है। व्हिप में सांसदों को सुबह 11:00 बजे से सदन की कार्यवाही शुरू होने से लेकर स्थगन तक मौजूद रहने के लिए कहा गया है। पार्टी नेतृत्व ने अपने निर्देश में यह भी रेखांकित किया है कि किसी भी परिस्थिति में अनुपस्थित रहने की अनुमति नहीं होगी और सभी सांसदों को बिना किसी चूक के पार्टी लाइन का समर्थन करना होगा। इस निर्देश को अत्यंत महत्वपूर्ण श्रेणी में रखा गया है, जो इसकी गंभीरता को दर्शाता है। इस घटनाक्रम के बाद लोकसभा की आगामी कार्यवाही पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं, जहां महिला विधेयक और प्रस्तावों पर तीखी बहस और निर्णायक मतदान होने की संभावना है।

क्या होता है तीन लाइन का व्हिप?

तीन लाइन का व्हिप संसद में जारी होने वाला सबसे सख्त निर्देश माना जाता है। इसके तहत संबंधित पार्टी के सांसदों के लिए सदन में उपस्थित रहना और पार्टी के निर्देशानुसार मतदान करना अनिवार्य होता है। यदि कोई सांसद इसका उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है, जिसमें सदस्यता समाप्ति तक की कार्रवाई शामिल हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि तीन लाइन व्हिप का जारी होना इस बात का संकेत है कि सदन में होने वाले मतदान बेहद अहम हैं और सरकार तथा विपक्ष दोनों के लिए राजनीतिक रूप से निर्णायक साबित हो सकते हैं। ऐसे में पार्टी अपने सांसदों की पूर्ण उपस्थिति और एकजुटता सुनिश्चित करना चाहती है।

कल्याण में भीषण सड़क हादसा : डंपर और कार की सीधी भिड़ंत में मरने वालों की संख्या हुई 11

मुंबई। महाराष्ट्र के कल्याण इलाके में सोमवार को हुए एक हृदयविदारक सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। अस्पताल में उपचार के दौरान दो और घायलों द्वारा दम तोड़ने के बाद प्रशासन ने इस आंकड़े की पुष्टि की। यह भीषण दुर्घटना कल्याण-मुरबाड मार्ग पर रायता पुल के पास सुबह करीब 11 बजे हुई, जब एक तेज रफ्तार कार और मिक्सर डंपर के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, कार कल्याण से मुरबाड की ओर जा रही थी, जिसमें क्षमता से अधिक कुल 12 यात्री सवार थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और घायलों को मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, इलाज के दौरान तीन अन्य लोगों ने भी दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों का कुल आंकड़ा 11 पहुंच गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि नेशनल हाईवे 61 पर हुआ यह हादसा बेहद दुखद है। उन्होंने आश्वासन दिया कि स्थानीय प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और घायलों को बेहतर उपचार प्रदान किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, घटना की सूचना मिलते ही टिटवाला पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और यातायात बहाल कराने के साथ ही शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

तमिलनाडु चुनाव प्रचार में एआई का इस्तेमाल, डिजिटल अवतार में वोट मांग रहे विजय

-चुनाव आयोग ने चार दिनों तक इस टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल की दी इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार जोरों शोरों से जारी है। इस बीच चुनाव प्रचार में एक उम्मीदवार ने एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया, जिसकी चर्चा पूरे देश में हो रही है। दरअसल कुंभकोणम में तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के एक उम्मीदवार ने होलोग्राफिक एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके, चुनावी रैलियों में पार्टी अध्यक्ष विजय की असली जैसी बड़ी और जीवंत छवि दिखाई, जिससे कई कार्यक्रमों में उनकी गैर-मौजूदगी की भरपाई हो जा रही है। राज्य में विधानसभा चुनावों के लिए 23 अप्रैल को मतदान होना है, और विजय कई चुनावी कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो पा रहे हैं, ऐसे में उम्मीदवार मतदाताओं का जुड़ाव बनाए रखने के लिए दूसरे तरीके ढूंढ रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बीच टीवीके के तंजावुर पूर्वी जिले के सचिव और कुंभकोणम से चुनाव लड़ रहे 32 साल के विनोद रवि ने इस एआई टेक्नोलॉजी हैक का इस्तेमाल किया। जानकारी के मुताबिक यह सिस्टम उन्होंने कामा टेक्नोलॉजीज से लिया है, जिसका रोजाना का किराया 50,000 रुपए है। रवि ने कहा कि चुनाव आयोग ने मुझे चार दिनों तक इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने की इजाजत दी है। इससे मुझे बहुत ज्यादा जोश और आत्मविश्वास महसूस होता है, मानो हमारे थलापति मेरे ठीक बगल में खड़े होकर सीधे लोगों से बात कर रहे हों।

बता दें चुनावी वाहन पर लगा यह सिस्टम दृष्टि की निरंतरता के सिद्धांत पर आधारित होलोग्राफिक प्रोजेक्शन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करता है। इसमें एक प्रोजेक्शन फैन डिस्प्ले, तेज रफ्तार वाली मोटरें और एक सिंक्रोनाइज्ड ऑडियो सिस्टम लगा है, जिसे वाहन का जेनरेटर बिजली देता है।

यह सेटअप विजय की सिर से लेकर पैर तक की एक बहुत ही असली जैसी 3डी छवि बनाता है। इसे देखकर लगता है कि वे वाहन की छत से बाहर खड़े होकर लोगों की भीड़ को सीधे संबोधित कर रहे हैं। यह सिस्टम विजय के पुराने भाषणों की ऑडियो के साथ सिंक्रोनाइज्ड होता है, जिससे लगता है कि वे चुनावी वाहन से सीधे भाषण दे रहे हैं।

नोएडा हिंसा विकास को बाधित करने की साजिश, इसमें हो सकता है पाक कनेक्शन : राजभर

अराजकता और उग्र प्रदर्शन किसी भी समस्या का समाधान नहीं

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने सोमवार को नोएडा में हुई श्रमिक हिंसा को राज्य के विकास को बाधित करने की एक सुनियोजित साजिश बताया है। यह बवाल वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हुआ था, जहां आगजनी और पथराव से सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा गया। हाल ही में मेरठ और नोएडा से पकड़े गए चार संदिग्ध आतंकियों के तार पाकिस्तान से जुड़े होने के कारण एजेंसियां अब इस हिंसा में बाहरी ताकतों की भूमिका की जांच कर रही है। सीएम के निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर बातचीत के जरिए स्थिति को सामान्य बनाने और मजदूरों की समस्याओं को सुलझाने में जुटे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कहा है कि यह घटना महज एक विरोध प्रदर्शन नहीं है। हाल के दिनों में मेरठ और नोएडा से चार संदिग्धों की गिरफ्तारी हुई है, जिनके हैंडलर पाकिस्तान में बैठे थे। इस पृष्ठभूमि में राज्य में अस्थिरता पैदा करने की साजिश की आशंका को बल मिलता है। मंत्री ने अंदेशा जताया कि इस अशांति का मकसद मुजफ्फरनगर में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में बाधा डालना भी हो सकता था।

बता दें वेतन वृद्धि की मांग कर रहे फैक्ट्री मजदूरों का प्रदर्शन देखते ही देखते हिंसक हो गया था। नोएडा के फेज-2, सेक्टर 60, 62 और 84 में उपद्रवियों ने वाहनों को आग के हवाले कर दिया और जमकर तोड़फोड़ की। पत्थरबाजी की घटनाओं के कारण प्रमुख रास्तों पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। राजभर ने स्पष्ट किया कि अराजकता और उग्र प्रदर्शन किसी भी समस्या का समाधान नहीं हैं और सरकार मजदूरों की हर जायज बात सुनने को तैयार है। मंत्री ने श्रमिकों से किसी भी तरह के बहकावे या उकसावे में न आने की अपील की है।

होर्मुज संकट के बीच चीन ने श्रीलंका को दिया दगा, भारत ने की आपातकालीन मदद

-भारत को पीएलसी में 51फीसदी नियंत्रक की हिस्सेदारी देकर अहसान चुका रहा श्रीलंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। होर्मुज संकट में जब चीन ने ईरान के साथ दोस्ती का ढोंग रचा और श्रीलंका से दगा किया तब भारत ने श्रीलंका का हाथ थाम लिया। ईंधन की कमी, आर्थिक दबाव और ऊर्जा संकट से जूझ रहे श्रीलंका को भारत ने आपातकालीन मदद पहुंचाई। अब श्रीलंका इस अहसान का बदला चुकाने जा रहा है। भारत की प्रमुख रक्षा शिपयार्ड मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने श्रीलंका के सबसे बड़े शिपयार्ड कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी में 51 फीसदी नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल कर ली है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह सौदा एमडीएल का पहली अंतरराष्ट्रीय अधिग्रहण है, जिसकी कीमत 26.8 मिलियन डॉलर यानी करीब 249.5 करोड़ रुपए है। मुंबई स्थित इस डिफेंस पीएसयू ने 9 अप्रैल को जारी बयान में कहा था कि इस डील से श्रीलंका का सबसे बड़ा शिपयार्ड अब उसके परिचालन नियंत्रण में आ गया है। यह सौदा जापान की ओनोमिची डॉकयार्ड से शेयर खरीदकर पूरा हुआ है। यह अधिग्रहण सिर्फ व्यापारिक नहीं, बल्कि जियो पॉलिटिक्स के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है।

चीन श्रीलंका में हम्बनटोटा बंदरगाह पर 99 साल का पट्टा ले चुका है और कोलंबो में नियमित रूप से अपने नौसैनिक जहाज खड़े कर रहा है। भारतीय हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती पैठ को देखते हुए दिल्ली इस अधिग्रहण को अपने समुद्री विस्तार रणनीति का हिस्सा बता रही है। रिपोर्ट के मुताबिक एमडीएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर (रिटायर्ड) कैप्टन जगमोहन ने कहा कि एमडीएल द्वारा सीडीपीएलसी का अधिग्रहण हमारे दोनों संगठनों के लिए ही नहीं, बल्कि भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री सहयोग के लिए मील का पत्थर है।

ईरान की अमेरिका-इजराइल से जंग के दौरान होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। श्रीलंका जैसे छोटे देश ईंधन संकट, महंगाई और आर्थिक दबाव से जूझ रहे थे, जबकि चीन ने ईरान के साथ संबंधों का दावा किया, लेकिन व्यावहारिक रूप से श्रीलंका को तत्काल राहत नहीं दी। इसके उलट भारत ने श्रीलंका को डीजल और अन्य ईंधन की इमर्जेंसी सप्लाई की। पड़ोसी पहले सिद्धांत के तहत नई दिल्ली ने श्रीलंका का साथ दिया, जिससे कोलंबो में आर्थिक स्थिरता बनी रही। अब यह अधिग्रहण उस सहायता का प्रत्युत्तर माना जा रहा है।

यह डील भारत की समुद्री अमृत काल विज़न 2047 के अनुरूप है, जिसके तहत देश को वैश्विक समुद्री शक्ति बनाने का लक्ष्य है। एमडीएल जैसी कंपनियां अब विदेशों में पैर पसार रही हैं, जिससे भारतीय जहाज निर्माण और रिपेयर क्षमता बढ़ेगी। विश्लेषकों का मानना है कि मुख्य शिपिंग रूट्स पर कोलंबो डॉकयार्ड की रणनीतिक स्थिति भारत को हिंद महासागर में मजबूत पकड़ देगी और चीन की 'स्ट्रिंग ऑफपर्ल्स' रणनीति को प्रभावी चुनौती मिलेगी। श्रीलंका के लिए भी यह फायदेमंद साबित होगा।

विधायक ने किया अनुमंडलीय अस्पताल की चारदीवारी का शिलान्यास व फेरीघाट में यात्री शेड का उद्घाटन

बिभा संवाददाता

राजमहल । राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने मंगलवार को राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल के चारदिवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। कहा 61.56 लाख की लागत से बनने वाले चारदिवारी निर्माण कार्य किया जाना है। उपरांत अनुमंडलीय अस्पताल का निरीक्षण किए। निरीक्षण के दौरान मरीज को मिलने वाली सुविधा से अवगत हुए। महिला मरीज के लिए उपलब्ध होने वाली स्वास्थ्य सुविधा से संतुष्ट हुए उन्होंने कहा कि पूर्व के अनुपात बेहतर सुविधा हो रही है और महिला एवं प्रसूता को इसका लाभ मिल रहा है निश्चित ही आगे और भी इसका लाभ मिलेगा। वही रक्त जांच में भी वृद्धि हुई है कई नए-नए जांच भी शुरू हुए हैं जिससे क्षेत्र के लोग लाभान्वित हो रहे हैं। साथ ही उन्होंने प्रभारी उपाधीक्षक डॉ उदय टुडू को मरीजों के लिए और भी बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मौके पर अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक डॉ उदय टुडू, नपं अध्यक्ष केताबुददीन शेख, विधायक प्रतिनिधि सह नपं उपाध्यक्ष मो मारूफ उर्फ गुड्डू, सहायक अभियंता प्रेम कुमार, झामुमो नगर अध्यक्ष मो आजाद, प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान, काजू मल्लिक, घीसु शेख, अब्दुल कादिर, एकलाकुर रहमान, मो अयुब, राजीव बर्मन, पवन साहा, मो शहनवाज, रोहित कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

विधायक निधि के योजनाओं का उद्घाटन

राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने विधायक निधि से निर्मित तीन योजनाओं का उद्घाटन किया। राजमहल फेरीघाट स्थित यात्री शेड, हाटपाडा गैस गोदाम के समीप व राजवाड़ा में कब्रिस्तान के समीप निर्मित पीसीसी सड़क का उद्घाटन किए. माननीय विधायक जी ने कहा कि जनहित से जुड़े योजनाओं का क्रियान्वयन कराया जा रहा है ताकि क्षेत्र की जनता इससे लाभान्वित हो सके।

गोद लिए 10 टीबी मरीजों को 6 माह पोषण आहार दिए विधायक

टीबी उन्मूलन अभियान के तहत निक्ष्य मित्र में विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने राजमहल एवं उधवा प्रखंड के 10 मरीजों को इलाज के दौरान पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के लिए गोद लिए थे। मंगलवार को अंतिम महीना का पौष्टिक आहार मरीज के बीच विधायक के हाथों वितरण किया गया। सभी मरीजों को सफलतापूर्वक 6 माह तक लगातार पौष्टिक आहार मिला। मैरिज एवं अस्पताल प्रबंधन ने विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया है।

भक्ति और आस्था के साथ संपन्न हुई शिव पूजा, लोगों में दिखा उत्साह

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में मंगलवार को दो दिवसीय शिव (भोला) पूजा भक्ति और आस्था के साथ संपन्न हो गया है। इससे दो दिनों तक पूरे गांव में भक्तिमय का माहौल बना रहा। जिससे लोगों में काफी उत्साह देखा गया। जानकारी के अनुसार प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत भुदेव मंडल टोला, जंगलपाड़ा, बोतलुटोला, फुदकीपुर नौघरिया, बेगमगंज, कटहलबाड़ी, आतापुर,राधानगर सहित अन्य इलाकों में भगवान शिव की प्रतिमा स्थापित की गई। वहीं श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक,बेलपत्र और विशेष मंत्रोच्चारण के साथ भगवान भोलेनाथ की आराधना किया।यह आयोजन भक्तों के लिए मन की शांति और मनोकामना पूर्ति का एक पावन अवसर बना रहा। दो दिनों तक मंदिरों में भगवान शिव की पूजा अर्चना की गई। जिसके बाद भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। मान्यता है कि इन विशेष तिथियों पर की गयी पूजा से मनोकामनाएं पूरी होती है।

संक्षिप्त खबरें

भागवत कथा की तैयारी को लेकर बैठक

तालझारी (बिभा)। तालझारी प्रखंड क्षेत्र के मस्कलैया गांव में आगामी 23 अप्रैल से 29 अप्रैल तक अयोजित श्रीमदभागवत ज्ञान कथा के भव्य अयोजन की तैयारी को लेकर एक बैठक आयोजित कि गई। वहीं बैठक कि अध्यक्षता नरेश मंडल ने किया। वहीं भागवत कथा का संचालन सुचारू रूप से चले इसके लिए लोगों ने बैठक के दौरान विचार विमर्श किया। बैठक के दौरान आयोजन समिति ने बताया कि 23 अप्रैल को कथा स्थल से गंगा घाट तक भव्य कलश यात्रा के साथ संगीत मय कथा का शुभारंभ होगा। कहा भागवत कथा वृंदावन से आये कथावाचक दिवाकर कृष्ण शास्त्री के मुखारविंद से प्रतिदिन संधियां 07 बजे से रात्रि 11 बजे तक किया जाएगा। कहा आयोजन को लेकर पूरे मस्कलैया सहित आसपास के क्षेत्रों में काफी उत्साह देखा जा रहा हैं। साथ ही कहा कि सात दिनों तक मस्कलैया गांव सहित आस पास के ग्रामीण भक्ति के रस में गोते लगाएंगे। बैठक में आयोजन समिति नरेश मंडल, मिथुन मंडल, पिताम्बर मंडल, गोकुल मंडल, बिरला मंडल, पप्पू शर्मा, चमरू मंडल सहित ग्रामीण मौजूद थे।

महिला से छेड़खानी करने के आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

तालझारी (बिभा)। तालझारी थाना पुलिस ने महिला के साथ छेडछाड करने के आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है। जिसकी जानकारी तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय ने दिया उन्होंने बताया कि थाना क्षेत्र के महराजपुर निवासी महिला ने आवेदन देकर नयाटोला महराजपुर निवासी चंदन कुमार महतो के उपर घर में घुसकर छेडखानी करने का आरोप लगया है।कहा महिला के आवेदन के अधार पर थाना में कांड संख्या 52 /26 के तहत धारा 331(4)/74/76 बीएनएस एक्ट के तहत कांड दर्ज कर प्राथमिकी अभियूक्त चन्दन कुमार महतो को गिरफ्तार कर मंगलवार को पुछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

दहेज प्रताड़ना मामले में एक प्राथमिकी आरोपी गिरफ्तार

राधानगर/उधवा (बिभा)। राधानगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर दहेज प्रताड़ना मामले में एक प्राथमिकी आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी रबीउल मोमिन को पुलिस ने मंगलवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इस संदर्भ में थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि राधानगर थाना में दर्ज थाना कांड संख्या 148/24 के प्राथमिकी आरोपी पश्चिम बंगाल के मालदा जिला के कालियाचक थाना क्षेत्र अंतर्गत महेशपुर निवासी रबीउल मोमिन के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज है। वे लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से फरार चल रहा था। वहीं राधानगर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर उक्त कांड के प्राथमिकी आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

राहे में बाबा साहेब अंबेडकर प्रतिमा का अनावरण

रांची(बिभा)। अंबेडकर विचार मंच के तत्वावधान में भारत रत्न संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती मंगलवार को राहे में धूमधाम से मनाई गई। मौके पर मंच की ओर से राहे चौक में बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस अवसर पर पूर्व कुलपति डॉ सत्यनारायण मुंडा ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर दबे-कुचले, शोषित, वंचितों के आवाज थे। बाबा साहेब आंबेडकर के समतामूलक समाज के विचार को जन जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है। मौके पर झारखंड लोकक्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के केन्द्रीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो ने कहा कि यह केवल पत्थर की प्रतिमा नहीं है बल्कि शिक्षित बनने, संगठित रहने और संघर्ष करने के संकल्प की प्रतिमा है। इसके पूर्व गोमदा मोड़ में शहीद भगत सिंह और खुदीराम मुंडा को माल्यार्पण कर संविधान प्रस्तावना पढ़ी गई और सद्भावना गीत प्रस्तुत कर राहे चौक तक शोभा यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम का संचालन कालीचंद चंद्र भोक्ता और होटलो मुखिया संतोष मुंडा ने किया। मौके पर डॉ प्रमेश्वर लाल, डॉ रतन लाल सिंह मुंडा, डॉ सुभाष मुण्डा, उपप्रमुख उमेश महतो, हुमटा मुखिया द्रोपदी मुंडा, अधिवक्ता रंजित महतो, अनिल महतो, मतवार स्वांसी सहित अन्या लोग मौजूद थे।

अंबेडकर जयंती पर राजमहल में श्रद्धा की बयार

सिंघी दलान में जनप्रतिनिधियों ने चढ़ाए श्रद्धा-सुमन, निकली भव्य बाइक रैली

बिभा संवाददाता

राजमहल । बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती के अवसर पर शहर के सिंघी दलान स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर श्रद्धा और उल्लास का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों एवं नगर पंचायत के पदाधिकारियों ने अलग-अलग समय पर पहुंचकर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वही कार्यक्रम की शुरूआत में राजमहल के विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एम.टी. राजा, विधायक प्रतिनिधि सह नपं अध्यक्ष मो. मारूफ उर्फ गुड्डू, नपं अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख एवं डॉ. उदय टुडू सहित नगर पंचायत के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। वहीं झारखंड मजदूर संघ (प्रजातांत्रिक) के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव के नेतृत्व में संगठन के कार्यकताओं ने भी पहुंचकर बाबा साहब को नमन किया। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नगर अध्यक्ष दीपक चंद्रवंशी ने भी अपने कार्यकताओं के साथ माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। वही इस मौके पर वार्ड पार्षद अमीर मंडल, राजू सरकार, उज्जवल हालदार, कार्तिक साहा, शेखर बर्मन, सिंटू यादव, सुदर्शन पासवान एवं मो. आजाद सहित काफी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।गाजे-बाजे के साथ निकली बाइक रैली, गूंजे जय भीम के नारे दिन के दूसरे पहर जिला अनुसूचित जाति कल्याण समिति के जिला अध्यक्ष लक्ष्मण रविदास के नेतृत्व में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन हुआ। समिति के कार्यकताओं ने बड़ी संख्या में सिंघी दलान पहुंचकर विधिवत माल्यार्पण किया। इसके उपरांत गाजे-बाजे एवं डीजे की धुन पर उत्साहित कार्यकताओं ने हाथों में 'जय भीम' के नीले झंडे थामे एक भव्य बाइक रैली निकाली। यह रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए भ्रमण करती रही और पुनः सिंघी दलान पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान कार्यकर्ता बाबा साहब के जीवन से जुड़े जोशीले नारे लगाते नजर आए। संविधान निमार्ता के बताए मार्ग पर चलने का लिया संकल्प माल्यार्पण उपरांत विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों एवं वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर की जीवनी पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने उनके संघर्ष, शिक्षा के महत्व और सामाजिक समानता के सिद्धांतों को याद करते हुए उनके बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। सभी ने एक स्वर में कहा कि बाबा साहब के दिखाए 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' के मूल मंत्र को आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

उधवा में धूमधाम से मनाई गयी बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड सह अंचल आवासीय परिसर में मंगलवार को संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान बीडीओ सह अंचलाधिकारी जयंत कुमार तिवारी ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के तैल्य चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। वहीं पंचायत सचिव संतोष कुमार सुमन,सत्यनारायण रजवार, मोनिका मुर्मू,महिला पर्यवेक्षिका सुशीला हेंब्रोम, अंचल लिपिक मो. सेराजुल हक,कनीय अभियंता मनोज मंडल,पश्चिमी उधवा दियारा पंचायत के मुखिया जियाउल हक उर्फ शास्त्री आदि ने बारी-बारी से बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के तैल्य चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान बीडीओ सह सीओ श्री तिवारी ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन केवल संविधान निर्माण तक सीमित नहीं था। बल्कि उन्होंने समाज में समानता,न्याय और अधिकारों की एक नई चेतना जगाई। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बताए मार्गों पर हम सभी को चलना चाहिए।

झारखंड राज्य चांय विकास समिति की बैठक आयोजित

बिभा संवाददाता

राधानगर/उधवा । उधवा प्रखंड क्षेत्र के राधानगर पंचायत सचिवालय में मंगलवार को झारखंड राज्य चांय विकास समिति की एक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता समिति के संस्थापक सदस्य नरेश चंद्र मंडल ने किया। इस दौरान सर्वप्रथम संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर लोगों ने तैल्य चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अगली बैठक झारखंड राज्य चांय विकास समिति की स्थापना दिवस के अवसर पर आगामी 31 मई 2026 को मंगलहाट क्षेत्र में आयोजित किया जाय। साथ ही 31 मई को संगठन का पुनर्गठन किया जाएगा। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि चांय जाति को अनुसूचित जाति का दर्जा दिलाने हेतु एक शिष्टमंडल का गठन किया जाय। इसके अलावा सर्वसम्मति से कई प्रस्ताव लिए गए। मौके पर दीपनारायण मंडल, रमेश मंडल, अशोक कुमार मंडल, राजेश मंडल, विश्वजीत मंडल, वरूण मंडल, अनिल सरकार, नरेश चंद्र मंडल, हरिदास मंडल आदि मौजूद थे।

श्री सूक्तम पाठ करके यज्ञ में आहुति दी जा रही ताकि शहर धन धान्य से परिपूर्ण रहे : महामंडलेश्वर

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । 25 पुरोहित संयुक्त रूप से श्री सूक्तम पाठ कर रहे ओर मुख्य जजमान यज्ञ मंडप में आहुति दे रहे है, ताकि साहिबगंज में लक्ष्मी की कृपा बनी रहे, शहर धन्य धान्य से परिपूर्ण रहे उक्त बाते महामंडलेश्वर श्री अयोध्या दास जी महाराज ने कही। शहर के साक्षरता चौक काटरगंज दुर्गा पूजा समिति की ओर से दुर्गा मंदिर परिसर में आयोजित श्री श्री 1008 श्री 11 कुंडात्मक श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के छठे दिन मंगलवार की सुबह काशी के आचार्य डॉ हरेंद्र द्विवेदी के सानिध्य में 25 सदस्यी पुरोहितो ने वैदिक मंत्रोचारण के साथ 33 कोटि देवी देवताओं का आह्वाहन करके यज्ञ मंडप का पूजन व हवन किया। सुबह, दोपहर व संध्या बेला में पूजन किया ओर आरती किया गया। वही देश के विभिन्न क्षेत्रों से साधु संत महात्मा ओर नागा साधु का आगमन प्रति दिन महायज्ञ परिसर में हो रहा है। महामंडलेश्वर श्री अयोध्या दास जी महाराज ने बताया कि यज्ञ मंडप की परिक्रमा करने प्रतिदिन हजारों की संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालु आ रहे ओर पूजन करके देवी देवताओं का पूजन करके साधु संत महात्मा का आशीर्वाद ले रहे है। वही वैदिक मंत्रोचारण से पूरा क्षेत्र शुद्ध पवित्र भक्तिमय हो गया है। शहर भक्ति के रंग में डूबा हुआ है। महायज्ञ परिसर में देर रात्रि तक महिला पुरुष बच्चे बुजुर्ग श्रद्धालु पहुंचकर कथा, रासलीला, भंडारा स्वरूप प्रसाद ओर मेला का आनंद उठा रहे है। मेला में श्रद्धालुओं के सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है, पुलिस बल तैनात है और स्वास्थ्य विभाग की टीम भी तैनात है। वही नागा साधु ने कहा कि संसार के सभी प्राणी सुखी हो, सभी रोगमुक्त कष्टमुक्त रहें, सभी का जीवन मंगलमय हो और कोई भी दुःख का भागी न बने ये हम नागा साधु संत महात्मा प्रार्थना करते है।

काटरगंज यज्ञ मेला में फायरिंग, खिलौना दुकानदार को लगी गोली, हालत गंभीर

साहेबगंज (बिभा)। जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के काटरगंज में लगे लक्ष्मी नारायण यग मेला में सोमवार की रात करीब एक बजे अज्ञात बदमाशों ने गोली बारी कि घटना को अंजाम दिया है। वहीं घटना में एक खिलौना दुकानदार को गोली लग गई है। वहीं गोली चलने के बाद मेला में अफरा तफरी मच गई। वहीं गोली चलने के उपरांत बदमाश घटनास्थल से फरार हो गया। इधर घायल खिलौना दुकानदार को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं घायल कि पहचान जिरवाबाड़ी चानन निवासी महेश मंडल का पुत्र शिव कुमार के रूप में हुई। वहीं घायल ने बताया कि रोजाना की तरह वे मेला में अपना खिलौना का दुकान चल रहा था। रात करीब एक बजे दुकान बढ़ाकर यज्ञ स्थल के नजदीक अन्य दुकानदार के साथ खाना खा रहा था। इसीबीच अचानक गोली चलने गई। कहा गोली कहा से चली कौन चलाया इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। घायल ने बताया कि उसके साथ किसी को कोई दुश्मनी नहीं है। वही गोली से घायल के टुड्डी के एक तरफ लगी और दूसरे तरफ से निकल गई। इधर डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि गोली एक तरफ से गई और दूसरे तरफ से निकल गई है। लेकिन इसमें टुड्डी पूरी तरह फ्रैक्चर हो गया है। घायल को प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। इधर घटना के बाद पुलिस पहुंच कर मामले की जांच में जुटी गई है।

रांची की कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित गुरुद्वारे में मनाया गया 'खालसा सजना दिवस', 18-19 अप्रैल को कीर्तन दरबार का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के रातु रोड स्थित कृष्णा नगर कॉलोनी के गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा में मंगलवार को खालसा साजना दिवस श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विशेष दीवान सजाया गया, जिसकी शुरूआत सुबह हजूरी राजी जत्था भाई महिपाल सिंह जी द्वारा आसा दी वार के कीर्तन से हुई।

कीर्तन के दौरान उन्होंने ह्लखालसा मेरो रूप है खासङ्घ्ह्व, ह्लदेह सिवा बरु मोहि इहैङ्घ्ह्व और ह्लवाहो वाहो गोबिंद सिंह आपे गुर चेलाङ्घ्ह्व जैसे शबदों का गायन कर संगत को गुरबाणी से जोड़ा। पूरे कार्यक्रम के दौरान वातावरण भक्तिमय बना रहा और संगत ने श्रद्धापूर्वक कीर्तन का श्रवण किया।

गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी जिवेन्दर सिंह जी ने कथा वाचन करते हुए बताया कि वर्ष 1699 में बैसाखी के दिन श्री केशगढ़ साहिब, आनंदपुर में दशमेश पिता श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। उन्होंने पांच प्यारों को अमृत छकाकर खालसा की नींव रखी और स्वयं भी उनसे अमृत ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि यह घटना सिख इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है।

कार्यक्रम के अंत में श्री आनंद साहिब के पाठ, अरदास, हुकुमनामा और कढ़ाह प्रसाद के वितरण के साथ विशेष दीवान का समापन हुआ। सत्संग सभा के अध्यक्ष अर्जुन देव मिड्ढा और सचिव सुरेश मिड्ढा ने संगत को खालसा साजना दिवस की बधाई दी। मंच संचालन मनीष मिड्ढा ने किया।

गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा और गुरु नानक सेवक जत्था के संयुक्त तत्वावधान में बैसाखी एवं श्री गुरु अंगद देव जी महाराज के प्रकाश पर्व के अवसर पर 18 और 19 अप्रैल को दसवां महान कीर्तन दरबार आयोजित किया जाएगा।

इससे पहले 17 अप्रैल को कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा साहिब से दर्शन दिउड़ी गेट तक भव्य नगर कीर्तन निकाला जाएगा। इसमें पांच निशानची और पांच प्यारों की अगुवाई में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की सवारी पूरे क्षेत्र में भ्रमण करेगी। नगर कीर्तन के दौरान कीर्तन मंडली शबद गायन करेगी और विभिन्न स्थानों पर संगत द्वारा स्वागत किया जाएगा।

18 अप्रैल की रात और 19 अप्रैल की सुबह विशेष दीवान सजाए जाएंगे, जिनमें पटना साहिब से आए प्रसिद्ध कीर्तनी जत्था भाई सरबजीत सिंह जी संगत को शबद कीर्तन से निहाल करेंगे।

19 अप्रैल को गुरु नानक सेवक जत्था द्वारा गुरुद्वारा परिसर के बेसमेंट में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर भी लगाया जाएगा। दोनों दीवानों के बाद गुरु का अटूट लंगर भी चलाया जाएगा। इस अवसर पर द्वारका दास मुंजाल, मोहन काठपाल, अशोक गेरा, नरेश पपनेजा, अमरजीत गिरधर, अश्विनी सुखीजा सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना सं0
EL/Proj/DNR/ETEN/01/26-27

(1) कार्य का नाम एवं स्थान: "Design, Supply, Erection, Testing and Commissioning Of 2x25 KV OHE modification Works to meet 3000MT loading target for UP & DN Line of Garhwa Road-Kumandih Section of Dhanbad Division under E.C.Railway (Total 89/267 RKM/TKM)" (2) कार्य का अनुमानित लागत: रूपये. 1014462832.57/—(3) निविदा फार्म की किमत: रुपये. 0.00 (4) आवश्यक बयाना राषि: रूपये—20289300.00/— (5) निविदा प्रस्ताव जमा करने एवं निविदा खुलने की तारीख एवं समय: निविदा प्रस्ताव जमा करने की प्रारंभिक तारीख दिनांक—11.05.2026 निविदा खुलने की तारीख एवं समय—दिनांक 25.05.2026 को 15:00 बजे। (6) बेवसाइट विवरण, नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ पात्रता मानदंड एवं अन्य षर्ते व विवरण की जानकारी प्राप्त की जा सकती है: पात्रता मानदंड एवं अन्य शर्ते व विवरण निविदा प्रपत्र में है जिसे www.ireps.gov.in वेवसाइट पर देखा जा सकता है (7) पता एवं अन्य जानकारी: मुख्य विद्युत अभियंता/रेल परियोजना/दानापुर कार्यालय जगजीवन स्टेडियम के निकट, खगौल, पोस्ट—खगौल, जिला—पटना, पिन—801105.

उप मुख्य विद्युत अभियंता/रेल परियोजना, दानापुर
पीआर/0066/प्रोजेक्ट/डीएनआर/ईएलईसीटी/टी/26–27/36

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और सुपर जायंट्स में मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। (ईएमएस)। आईपीएल में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा। इस मैच में जहां आरसीबी अपने घरेलू मैदान में जीत दर्ज करना चाहेगी। वहीं सुपरजायंट्स भी जीत के लिए पूरा प्रयास करेगी। आरसीबी का इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन रहा है। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। उसके पास विराट कोहली, फिल साल्ट, रजत पाटीदार और टिम डेविड जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं। टीम ने अभी तक के मैचों में 200 से अधिक रन बनाये हैं। वह अंक तालिका में भी तीसरे स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर, लखनऊ सुपर जायंट्स का अब तक का प्रदर्शन सामान्य रहा है। पिछले मैच में उसे गुजरात टाइटन्स के खिलाफ हार मिली थी। टीम के कप्तान ऋषभ पंत भी अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं1 टीम में निरंतरता की भी कमी है। अब सुपर जायंट्स का लक्ष्य किसी भी प्रकार से ये मैच जीतकर

अपनी लय हासिल करना होगा। बेंगलुरु के मशहूर चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच पर बड़े स्कोर बनते हैं। ऐस में इस मैच में रोमांचक मुकाला होना तय है। अब तक दोनो टीमों के बीच 6 मैच खेले गये हैं जिसमें से आरसीबी ने 4 जबकि सुपर जायंट्स ने 2 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

विराट कोहली, फिल साल्ट, रजत पाटीदार (कप्तान), ऋुणाल पंड्या, टिम डेविड, जितेश शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, मंगेश यादव। भुवनेश्वर कुमार, जैकब डफी, सुयश शर्मा

इम्पैक्ट प्लेयर- देवदत्त पडिक्कल

लखनऊ सुपर जायंट्स

मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, जॉर्ज लिंडे, मोहम्मद शमी, अवेश खान, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव

इम्पैक्ट प्लेयर- आयुष बडोनी

धोनी फिट हुए, 19 अप्रैल को सनराइजर्स के खिलाफ मैच से कर सकते हैं वापसी

मुम्बई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी फिट हो गये हैं और उनके 19 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद से होने वाले मैच से वापसी की संभावनाएं हैं। धोनी के नहीं होने से सीएसके काफी कठिन हालातों से गुजर रही है। उसे शुरुआती तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में धोनी के प्रशंसक चाहते हैं कि वह शीघ्र वापसी करें। प्रशंसकों को उम्मीद थी वह वह मंगलवार को केकेआर के खिलाफ मैच में उतरेंगे पर प्रबंधन ने इससे इंकार करते हुए कहा था कि वह धोनी की फिटनेस को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता।

44 साल के धोनी 2026 सत्र की शुरुआत से ही पिंडली की चोट परेशान रहे हैं। उनके बाहर होने से सीएसके टीम में नेतृत्व क्षमता और फिनिशिंग की कमी दिखी। इसी कारण सीएसके इस बार अंक तालिका में भी काफी नीचे हैं। उनके नहीं होने से विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संजू सैमसन निभा रहे हैं।

सीएसके की मेडिकल टीम धोनी को जल्दबाजी में पूरी समय मैदान पर उतारने का खतरा मोल नहीं लेना चाहती है। एमएस धोनी 19 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिाफ खेल सकते हैं पर ये तय है कि वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर ही उतरेंगे। वैसी भी धोनी पिछले आईपीएल सत्र से ही अंतिम ओवरों में उतरने के बाद भी मैच का रुख बदल देते हैं।

सैमसन को मिला आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को मार्च महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) प्लेयर ऑफ द मंथ का अवार्ड मिला है। सैमसन का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में शानदार रहा है। उन्होंने मार्च में टी20 विश्व कप 2026 में भी भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सैमसन को पहली बार ये खिताब मिला है। सैमसन ने टी20 विश्वकप में लगातार तीन अर्धशतक लगाये थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ प्लेऑफ में उन्होंने 97 रनों की शानदार पारी खेलकर भारतीय टीम को बड़े अंतर से जीत दिलायी थी। इसके बाद सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 89 रन बनाए। वहीं फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने 89 रनों की पारी खेली थी।

सैमसन ने आईसीसी अवार्ड मिलने पर खुशी जताते हुए कहा है कि ये उनके लिए एक सुखद अनुभव है। साथ ही कहा कि टी20 विश्व कप की जीत में योगदान देना मेरा सपना था जो पूरा हुआ है। इस अवॉर्ड की दौड़ में सैमसन के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और दक्षिण अफ्रीका के कॉनर एस्टरहुइज़न भी शामिल थे।

टीम इंडिया में वैभव सूर्यवंशी की एंट्री तय

–सचिन तेंदुलकर का 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ने की दहलीज पर 15 वर्षीय युवा सनसनी, आयरलैंड दौरे पर कर सकते हैं ऐतिहासिक डेब्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के उभरते हुए सितारे वैभव सूर्यवंशी अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतिहास रचने के बेहद करीब हैं। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति आईपीएल 2026 में उनके विस्फोटक प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें आगामी जून में होने वाले आयरलैंड दौरे के लिए सीनियर टीम में शामिल करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। यदि वैभव इस दौरे पर पदार्पण करते हैं, तो वह मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के 16 साल की उम्र में डेब्यू करने के ऐतिहासिक रिकॉर्ड को तोड़कर भारत के सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बन जाएंगे। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार, चयनकर्ता राजस्थान रॉयल्स के इस प्रतिभाशाली बल्लेबाज को सीधे सीनियर टीम में परखना चाहते हैं।

वैभव सूर्यवंशी पहली बार तब चर्चा में आए थे जब आईपीएल 2025 की नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा था। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मात्र 35 गेंदों में शतक जड़कर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का लोहा मनवाया था। इतना ही नहीं, अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में इंग्लैंड के विरुद्ध 80 गेंदों में 175 रनों की अविश्वसनीय पारी ने उन्हें रातों-रात वैश्विक स्तर पर सुर्खियों में ला दिया। उनकी इसी निरंतरता और प्रतिभा को देखते हुए आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने भी उन्हें कम उम्र में भारत के लिए डेब्यू करने का हकदार बताया है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की रणनीति स्पष्ट है कि आयरलैंड जैसी टीम के खिलाफ वैभव को मौका देकर उनके कौशल को अंतरराष्ट्रीय दबाव में आजमाया जाए। चयनकर्ताओं का मानना है कि वैभव की बल्लेबाजी शैली आधुनिक टी20 क्रिकेट के अनुकूल है और उन्हें लंबा इंतजार कराने के बजाय अनुभव प्रदान करना टीम के भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। 'द इंडियन एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक, वैभव का नाम शॉर्टलिस्ट किया जा चुका है और यदि वे फिटनेस

मानकों पर खरे उतरते हैं, तो आगामी सीरीज में वे नीली जर्सी में बल्लेबाजी करते नजर आ सकते हैं।

बीसीसीआई ने रॉल्यल्स के मैनेजर रोमी को नोटिस दिया, डगआउट के अंदर मोबाइल के उपयोग पर मांगा जवाब

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार रोधी ईकाई ने डगआउट के अंदर फोन का प्रयोग करने के मामले में राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को नोटिस भेजकर एक दिन में जवाब मांगा है। रोमी को गुवाहाटी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पिछले मैच में डगआउट में मोबाइल का प्रयोग करते हुए देखा हुआ था जबकि इसपर प्रतिबंध है। मोबाइल का उपयोग केवल ड्रेसिंग रुप में ही किया जा सकता है। गुवाहाटी में रोमी की मोबाइल का प्रयोग करते हुए की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर आई थी जिसके बाद से ही उनपर कार्रवाई किये जाने की मांग हो रही थी। इस दौरान वैभव सूर्यवंशी भी उनके साथ ही बैठे हुए थे। आईपीएल प्रोटोकॉल में साफ तौर पर कहा गया है कि टीम मैनेजर मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर सकते हैं पर डगआउट में नहीं, ऐसा करना नियमों के खिलाफ हैं। भ्रष्टाचार रोधी इकाई ने रोमी से 24 घंटे के अंदर यह बताने को कहा है कि उन्होंने मोबाइल का इस्तेमाल क्यों किया। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि रोमी ने मेडिकली इमरजैंसी के कारण मोबाइल का इस्तेमाल किया था। इसका कारण है कि उनके फेफडे हो गये हैं जिसके कारण वह पिछले दिनों वेंटिलेशन पर भी थे। इस मामले की जांच अभी भी जारी है।

बेंगलुरु या न्यू चंडीगढ़ में खेले जा सकते हैं आईपीएल प्लेऑफ

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ के लिए अभी मैच स्थल घोषित किये जाने हैं। इसके लिए बेंगलुरु और न्यू चंडीगढ़ सबसे आगे माने जा रहे हैं। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल अंतिम चरण की मेजबानी के लिए कई बातों पर विचार कर रही है। कई राज्यों में विधानसभा चुनावों को देखते हुए कार्यक्रम की घोषणा में भी देर हो रही है। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु और न्यू चंडीगढ़ प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे हैं हालांकि अंतिम फैसला कई बातों को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। इसमें लॉजिस्टिक्स, यात्रा की व्यवस्था, ब्रॉडकास्ट की जरूरतें आदि भी इसमें शामिल हैं। आईपीएल के इस सत्र में कुल 74 मैच खेले जाने हैं। जिसमें 70 मैच 13 अलग–अलग स्थलों पर होंगे। इनमें मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, जयपुर, न्यू चंडीगढ़, लखनऊ, अहमदाबाद, गुवाहाटी, रायपुर और धर्मशाला शामिल हैं। अब तक बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कुल पांच लीग मैच हुए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इस बार अपने दो घरेलू मैच रायपुर में खेलेगी। वहीं पंजाब किंग्स को अपने चार मैच घरेलू मैदान मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) में खेलने हैं।

प्रफुल्ल हिंगे ने आईपीएल डेब्यू में तीन विकेट झटक कर रचा इतिहास

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज प्रफुल्ल हिंगे सोमवार आईपीएल पर्दापण में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले ही ओवर में दो रन देकर तीन विकेट झटकर इतिहास रच दिया। वह आईपीएल में यह कारनामा करने वाले पहले गेंदबाज बन गये है। आज यहां खेले गये मुकाबले में प्रफुल हिंगे ने अपने आईपीएल करियर के पहले ही ओवर में तीन विकेट लेकर इतिहास रच दिया। इसके बाद अपने दूसरे ओवर में रियान पराग को आउटकर अपना चौथा विकेट लिया। प्रफुल हिंगे अपनी दूसरी ही गेंद पर युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बिना खाता खोले ही शिकार कर लिया। अगली 4 गेंदों के भीतर ही ध्रुव जुरेल और लुआन ड्री प्रिटोरियस भी आउट कर दिया। तीनों बल्लेबाजो को खाता भी नहीं खेल सके। प्रफुल हिंगे इतिहास में ऐसे पहले गेंदबाज हैं, जिन्होंने आईपीएल मैच की किसी पारी के पहले ही ओवर में 3 विकेट झटके है। वह पारी के पहले ओवर में 2 रन देकर तीन विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज हैं।

अभिषेक, दीप्ति सहित छह भारतीय क्रिकेटरों को मिले विजडन अवार्ड

लंदन (एजेंसी)। अभिषेक शर्मा और दीप्ति शर्मा सहित छह भारतीय क्रिकेटरों ने विजडन अल्मनैक 2026 पुरस्कारों में 9 में से 7 पुरस्कार जीते हैं। अभिषेक शर्मा को वर्ष का टी20 पुरुष क्रिकेटर। वहीं दीप्ति को वर्ष की महिला क्रिकेटर का अवार्ड मिला है। अभिषेक ने साल 2025 के सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया। इस सत्र में उन्होंने 21 मैचों में 193 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 859 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 5 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं दीप्ति ने पिछले साल आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप में 22 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस ऑलराउंडर के शानदार प्रदर्शन से भारतीय महिला टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला खिताब जीता था।

दीप्ति ने 9 मैचों में 3 अर्धशतकों की मदद से 215 रन भी बनाए थे। इसके अलावा भारत के शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज, ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा को भी इंग्लैंड में हुई टेस्ट सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के लिए विजडन के वर्ष के पांच क्रिकेटरों में शामिल किया गया है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क विश्व के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुने गये हैं। उनके अलावा इंग्लैंड के बल्लेबाज हसीब हमीद थे को भी चार भारतीय खिलाड़ियों के साथ वर्ष के पांच सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में भी जगह मिली है। शुभमन को पिछले साल टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड दौरे पर सबसे अधिक 754 रन बनाए और पांच मैचों की सीरीजको 2-2 से ड्रॉ कराने में अहम भूमिका के लिए पुरस्कार दिया गया। जड़ेजा ने भी पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। जडेजा ने सीरीज में 5 अर्धशतक भी लगाये थे, जिसमें मैनचेस्टर में खेली गई उनकी शतकीय पारी भी शामिल है। उन्होंने 86 के औसत से 516 रन बनाए थे। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इस सीरीज में सबसे अधिक 23 विकेट लिए जबकि ऋषभ ने 479 रन बनाए थे।

ईरान की महिला फुटबॉल कप्तान जहरा गनबरी को कोर्ट से राहत, जब्त संपत्ति लौटाई गई

तेहरान। ईरान की अदालत ने महिला फुटबॉल टीम की कप्तान जहरा गनबरी को बड़ी राहत देते हुए उनकी जब्त संपत्ति वापस करने का आदेश दिया है। यह फैसला उनके आचरण में बदलाव और मामले में निर्दोष पाए जाने के बाद लिया गया। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कोर्ट ने गनबरी की संपत्ति लौटाने का निर्णय हालिया समीक्षा के बाद सुनाया। इससे पहले उनकी संपत्ति एक विवाद के चलते जब्त कर ली गई थी, जो उस समय शुरू हुआ था जब उन्होंने और कुछ अन्य खिलाड़ियों ने विदेश में शरण लेने की कोशिश की थी। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित एशियन कप के दौरान, जो क्षेत्रीय तनाव के शुरुआती दौर में हुआ था, गनबरी उन खिलाड़ियों में शामिल थीं जिन्होंने शरण मांगी थी। इस कदम ने उस समय काफी विवाद खड़ा कर दिया था और इसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की गई थी। हालांकि, बाद में जहरा गनबरी समेत पांच खिलाड़ी और एक स्टाफ सदस्य ईरान लौट आए थे। 19 मार्च को तेहरान पहुंचने पर उनका स्वागत भी किया गया, जिससे संकेत मिला कि स्थिति में कुछ नरमी आई है। यह फैसला ईरान के भीतर खेल और सामाजिक मामलों में बदलते रुख का संकेत हो सकता है। गनबरी के मामले में कोर्ट का यह कदम खिलाड़ियों और खेल समुदाय के लिए एक सकारात्मक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर खिलाड़ियों की स्वतंत्रता, सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के दौरान उनकी स्थिति को लेकर बहस को जन्म दिया है। आने वाले समय में इस तरह के मामलों में नीति और रुख किस दिशा में जाते हैं, यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

मुंबई इंडियंस के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद अभी भी बरकरार

मुम्बई। मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अच्छा नहीं रहा है और वह अब तक चार में से एक ही मैच जीती है। उससे लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में प्रशंसक आशंकित हैं कि पांच बार की विजेता इस बार प्लेऑफ में पहुंच पायेगी या नहीं। टीम 4 मैच में तीन हार के बाद अब अंक तालिका में 8वें नंबर नजर आ रही है हालांकि उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी भी बरकरार है। उसे पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत की थी पर इसके बाद से ही वह लगातार हार रही है। टूर्नामेंट में सभी टीमों को 14–14 मैच खेलने हैं। ऐसे में मुंबई इंडियंस के पास प्लेऑफ में क्वालीफाई करने का अब भी अवसर है। उसे अभी दस मैच खेलने हैं। प्लेऑफ में प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए मुंबई इंडियंस को अंक तालिका में शीर्ष चार में जगह बनानी होगी। अंतिम चार में पहुंचने के लिए उसे कुल 16 अंक चाहिये। वहीं अभी उसके 2 अंक ही हैं। ऐसे में टीम को बचे हुए 10 में से सात मैच जीतने होंगे। तभी वह शीर्ष चार में पहुंच सकती है। पहले सत्र में भी मुंबई इंडियंस ने शुरुआती झटकों के बाद वापसी करते हुए प्लेऑफ में जगह बनायी थी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने कार्लोस क़्वीरोज़ को बनाया मुख्य कोच

अकरा (घाना)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने बड़ा फैसला लेते हुए पुर्तगाल के अनुभवी मैनेजर कार्लोस क़्वीरोज़ को अपनी राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। घाना फुटबॉल एसोसिएशन (जीएफए) ने सोमवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। 73 वर्षीय क़्वीरोज़ लगातार पांचवें वर्ल्ड कप में कोच के रूप में हिस्सा लेने जा रहे हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने पिछले महीने ओमान के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था, जब टीम वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई। वर्ल्ड कप शुरू होने से महज 72 दिन पहले घाना की टीम बिना कोच के रह गई थी, जब ऑस्ट्रिया और जर्मनी के खिलाफ मार्च में हुए फ्रेंडली मुकाबलों में हार के बाद ओटो अडो से रास्ते अलग कर लिए गए थे। जीएफए ने अपने बयान में कहा, 'कार्यकारी परिषद ने सभी प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर कार्लोस क़्वीरोज़ को सीनियर राष्ट्रीय टीम 'ब्लैक स्टार्स' का मुख्य कोच नियुक्त किया है।' क़्वीरोज़ का कोचिंग करियर बेहद शानदार रहा है। उन्होंने 2010 वर्ल्ड कप में पुर्तगाल को प्री-क्वार्टरफाइनल (राउंड ऑफ 16) तक पहुंचाया था। इसके बाद उन्होंने ईरान की टीम को लगातार तीन वर्ल्ड कप में कोचिंग दी, जहां टीम ने 13 मैचों में 3 जीत दर्ज की। मोज़ाम्बिक में जन्मे क़्वीरोज़ पूर्व गोलकीपर भी रह चुके हैं। उन्होंने अपने करियर में मिस्र, जापान, कोलंबिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों को भी कोचिंग दी है, जबकि 1990 के दशक की शुरुआत में पुर्तगाल टीम का भी नेतृत्व किया। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में घाना को ग्रुप एल में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला क्रोएशिया, इंग्लैंड और पनामा जैसी मजबूत टीमों से होगा। अब क़्वीरोज़ के अनुभव के दम पर घाना टीम बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है।

आईपीएल में इस बार विकेटों के लिए तरस रहे बुमराह

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अब तक अच्छा नहीं रहा है। बुमराह की गेंदों को खेलना अच्छे-अच्छे बल्लेबाजों के लिए भी कठिन रहा है पर इस सत्र में वैभव सूर्यावंशी जैसे उभरते हुए बल्लेबाज ने भी उनपर जमकर चौके छक्के लगा दिये हैं। पिछले चार मैचों मैचों से बुमराह विकेट के लिए तरस रहे हैं। ये पहली बार है जब बुमराह इतने कठिन दौर से गुजर रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ खेले मैच में भी बुमराह ने विकेट के लिए पूरा जोर लगा दिया पर असफल रहे। इस मैच में बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला।

आरसीबी के खिलाफ टक्कर से पहले बुमराह को पहले तीन मैचों में भी विकेट नहीं मिला था। पहला मैच मैच कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हुआ था जिसमें बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर विकेट नहीं ले पाये। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 4 ओवर में 21 दिये और वह इस मैच में भी विकेट नहीं निकाल पाये।

तीसरे मैच में बुमराह ने राजस्थान के खिलाफ तीन ओवर की गेंदबाजी की और 32 रन दिए पर इस बार भी उन्हें विकेट नहीं मिला। ऐसे में कहा जा रहा है कि आईपीएल में लगता है बुमराह का जादू समाप्त हो गया है। उनके असफल होने से मुम्बई भी लगातार तीन मैचों से हार रही है। आईपीएल में इससे पहले के सत्रां की बात करें तो बुमराह का प्रदर्शन बेहद अच्छा रहा है। साल 2013 में डेब्यू के बाद से ही उन्होंने अब तक 149 मैचों में 183 विकेट लिए हैं। आईपीएल में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 10 रन देकर 5 विकेट लेने का रहा है।

ये भी कहा जा रहा है कहीं वह अपनी फिटनेस से समझौता तो नहीं कर रहे। कोलकाता नाइट राइडर्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उनके गेंद की रफ्तार थोड़ी कम दिखी। जिसे लग रहा है कि वह अपनी पूरी ताकत से गेंदबाज़ी नहीं कर रहे थे। ऐसे में सवाल बड़ा ये है कि क्या बुमराह चोट छिपाकर खेल रहे है या फ्रेंचाइजी के दबाव में फिट ना होने के बावजूद मैदान पर उतर रहे हैं1 धीमी रफ्तार से गेंदबाज़ी। बुमराह ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ज्यादा समय बिताया था। वह मुंबई इंडियंस के साथ उनके पहले मैच से ठीक पहले ही जुड़े थे। ऐसे में वह अपने को थोड़ा बचाकर गेंदबाज़ी कर रहे थे जिससे भी कई सवाल उठ रहे हैं।

सरकार ने देश में ईंधन की 100 फीसदी आपूर्ति सुनिश्चित की : पेट्रोलियम मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट और वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति के बीच केंद्र सरकार ने घरेलू रसोई गैस (एलपीजी), घरेलू पीएनजी और सीएनजी (परिवहन) की 100 फीसदी आपूर्ति सुनिश्चित की है। सरकार ने अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को वाणिज्यिक एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता दिया है। साथ ही प्रवासी श्रमिकों को 5 किलोग्राम एफटीएल की आपूर्ति दोगुनी कर दी है।

पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस मंत्रालय के मुताबिक 23 मार्च से अब तक पांच किलोग्राम के 14.3 लाख से अधिक एफटीएल सिलेंडर की बिक्री की गई है। मार्च से अब तक लगभग 4.40 लाख पीएनजी कनेक्शनों में गैस की आपूर्ति की गई, जबकि 4.88 लाख अतिरिक्त ग्राहकों ने नए कनेक्शनों के लिए पंजीकरण कराया है। देशभर में बंदरगाहों पर संचालन सामान्य रूप से जारी है और किसी भी प्रकार की भीड़भाड़ की सूचना नहीं है। विदेश मंत्री ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर कुवैत, इजराइल, सिंगापुर और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों के साथ चर्चा की है।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि आपूर्ति और मांग दोनों को युक्तिसंगत बनाने के लिए कई उपाय पहले ही लागू कर दिए गए हैं, जिनमें तेलशोधक कारखानों में उत्पादन बढ़ाना, शहरी क्षेत्रों में बुकिंग अंतराल को 21 से बढ़ाकर 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन तक करना और आपूर्ति के लिए क्षेत्रों को प्राथमिकता देना शामिल है। एलपीजी की मांग पर दबाव कम करने के लिए केरोसिन और कोयले जैसे वैकल्पिक ईंधन उपलब्ध कराए गए हैं।

मंत्रालय ने कहा कि इसके अलावा कोयला मंत्रालय ने कोल इंडिया और सिंगरेणी कोलियरीज को छोटे और मध्यम उपभोक्ताओं को वितरण के लिए राज्यों को अतिरिक्त कोयले की आपूर्ति करने का निर्देश दिया है। राज्यों को घरेलू और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए नए पीएनजी कनेक्शन की सुविधा प्रदान करने की सलाह दी गई है। मंत्रालय ने बताया कि एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए देशभर में प्रवर्तन संबंधी कार्रवाइयां भी जारी हैं। 13 अप्रैल को देशभर में 2,950 से अधिक छापे मारे गए हैं।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि भारतीय मिशन और दूतावासों की ओर से भारतीय नागरिकों के लिए चौबीसों घंटे हेल्पलाइन और सक्रिय सहायता प्रदान करना जारी है। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे घबराहट और जल्दबाजी में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की खरीदारी करने से बचें, क्योंकि सरकार पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

मंत्रालय ने एलपीजी उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि वे डिजिटल बुकिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करें और वितरकों के पास जाने से बचें। मंत्रालय ने नागरिकों को वैकल्पिक ईंधन जैसे, पीएनजी और इलेक्ट्रिक या इंडक्शन कुकटॉप का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया है। वर्तमान स्थिति में सभी नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे अपने दैनिक उपयोग के दौरान ऊर्जा की बचत करें।

हाजिर कच्चा तेल 135 डॉलर, सौदे में 104 डॉलर प्रति बैरल

मुंबई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों को लेकर असामान्य स्थिति देखने को मिल रही है। हाजिर (स्पॉट) बाजार में कच्चा तेल 135 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है, जबकि वायदा सौदों में इसकी कीमत 104 डॉलर प्रति बैरल दर्ज की गई। कीमतों के इस बड़े अंतर ने कारोबारियों और निवेशकों को चौंका दिया है।विशेषज्ञों का मानना है कि भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति बाधाएं और उत्पादन में कटौती जैसे कारक स्पॉट कीमतों को ऊपर धकेल रहे हैं। वहीं वायदा बाजार में निवेशक आने वाले समय में आपूर्ति सुधरने और मांग में संतुलन बनने की उम्मीद जता रहे हैं, जिससे कीमतें अपेक्षाकृत कम बनी हुई हैं।तेल की ऊंची हाजिर कीमतों का सीधा असर पेट्रोल-डीजल के दाम, परिवहन लागत और महंगाई पर पड़ सकता है। आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति चिंता बढ़ाने वाली है। ऊर्जा बाजार के जानकारों के अनुसार आने वाले हफ्तों में वैश्विक घटनाक्रम और उत्पादन संबंधी फैसले कीमतों की दिशा तय करेंगे।

भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में रिकॉर्ड उछाल, एयूएम 73.73 लाख करोड़ के पार

- एसआईपी में लगातार मजबूत निवेश और बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों का भरोसा कायम

मुंबई।

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत ग्रोथ दर्ज कर रहा है। निवेशकों के बढ़ते भरोसे और लगातार एसआईपी निवेश के चलते इंडस्ट्री का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। एसो सिएशन आफ म्युचुअल फंड इन इं डिया के ताजा आंकड़ों के अनुसार, उद्योग का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 12.2 फीसदी बढ़कर 73.73 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद निवेशकों का रुझान इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की ओर बढ़ा है। मार्च महीने में एक्टिव इक्विटी फंड्स में इनफ्लो 40,450 करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो जुलाई 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। फरवरी में यह आंकड़ा 25,978 करोड़ रुपये था, जिससे स्पष्ट है कि बाजार में निवेशकों की भागीदारी बढ़ी है। रिटेल निवेशकों का भरोसा सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में भी मजबूत दिखाई दिया। मार्च में एसआईपी के जरिए 32,087 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो फरवरी के 29,845 करोड़ रुपये से अधिक है। यह दर्शाता है कि निवेशक उतार-चढ़ाव के बावजूद लंबी अवधि की रणनीति पर भरोसा कर रहे हैं। हालांकि, कुल मिलाकर मार्च में इंडस्ट्री से 2.39 लाख करोड़ रुपये का नेट आउटफ्लो भी दर्ज हुआ, जिसका मुख्य कारण डेट म्यूचुअल फंड्स से 2.94 लाख करोड़ रुपये की भारी निकासी रही। इसी अवधि में गोल्ड ईटीएफ में निवेश भी घटकर 2,266 करोड़ रुपये रह गया, जबकि फरवरी में यह 5,254 करोड़ रुपये था। इक्विटी कैटेगरी में फ्लेक्सी-कैप फंड्स सबसे ज्यादा आकर्षण में रहे, जहां 10,054 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आया। इसके साथ ही मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड्स में भी निवेश बढ़ा, जबकि लार्ज-कैप फंड्स में अपेक्षाकृत कम इनफ्लो देखने को मिला। म्यूचुअल फंड निवेश एक ऐसा माध्यम है जिसमें कई निवेशकों का पैसा एकत्र कर पेशेवर फंड मैनेजर द्वारा शेयर, बॉन्ड और अन्य साधनों में निवेश किया जाता है। एसआईपी के जरिए छोटे निवेश से शुरुआत कर लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न और जोखिम में संतुलन बनाया जा सकता है।

चीन के निर्यात में धीमी वृद्धि, वैश्विक अनिश्चितताओं और ऊर्जा संकट का असर गहराया

– मार्च में निर्यात 2.5 फीसदी बढ़ा, आयात में तेज उछाल, ईरान युद्ध और ऊर्जा कीमतों ने बढ़ाई चिंता

हांगकांग।

चीन के व्यापार आंकड़ों में मार्च के दौरान निर्यात वृद्धि में तेज गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, विशेषकर ईरान से जुड़े युद्ध और ऊर्जा संकट, ने अंतरराष्ट्रीय मांग और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नकारात्मक असर डाला है। चाइना के सीमा शुल्क विभाग द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार मार्च महीने में देश का निर्यात सालाना आधार पर केवल 2.5 प्रतिशत बढ़ा। यह वृद्धि पिछले दो महीनों की तुलना में काफी कमजोर है, जब जनवरी-फरवरी में निर्यात 21.8 प्रतिशत की तेज गति से बढ़ा था। विश्लेषकों का कहना है कि यह गिरावट वैश्विक मांग में आई नरमी का संकेत है। दूसरी ओर, आयात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। मार्च में आयात 27.8 प्रतिशत बढ़ा, जो इस वर्ष के पहले दो महीनों की 19.8 प्रतिशत वृद्धि से अधिक है। इससे संकेत मिलता है कि घरेलू खपत और कुछ क्षेत्रों में मांग अभी भी बनी हुई है,

हालांकि निर्यात क्षेत्र दबाव में है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार, इरान से जुड़े युद्ध और मध्य पूर्व में जारी तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों को प्रभावित किया है। इससे न केवल तेल और गैस की कीमतों में अस्थिरता आई है, बल्कि वैश्विक सप्लाई चेन पर भी दबाव बढ़ा है।

इसका सीधा असर चीन के निर्यात पर पड़ रहा है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि युद्ध के कारण वैश्विक मांग कमजोर हुई है,

जिससे निर्यात में गिरावट देखी जा रही है। वैश्विक बाजार अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की संभावित बीजिंग यात्रा और चीनी राष्ट्रपति एक्सआई ` जिं पिंग से उनकी मुलाकात पर भी नजर बनाए हुए हैं। विश्लेषकों का मानना है कि कमजोर घरेलू मांग और संपत्ति क्षेत्र की मंदी के बीच चीन के लिए निर्यात ही आर्थिक वृद्धि का मुख्य सहारा बना रहेगा।

ईरान-अमेरिका तनाव का असर भारत में, फ्रिज, पंखे, खाद्य तेल और कपड़ों के दाम 15 फीसद तक बढ़े

मुंबई।

पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव का असर अब भारतीय बाजारों में भी दिखाई देने लगा है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और सप्लाई चेन पर दबाव के कारण रोजमर्रा के सामान महंगे हो गए हैं। फ्रिज, पंखे, पेंट, कपड़े और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की लागत 10 से 15 फीसदी तक बढ़ी है, जबकि कई खाद्य सामग्रियों की कीमतों में 7 फीसदी तक इजाफा दर्ज किया गया है।विशेषज्ञों के अनुसार भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है, खासकर खाद्य तेल और कच्चा तेल। अंतरराष्ट्रीय बाजार में दाम बढ़ने से परिवहन, पैकेजिंग और उत्पादन लागत पर सीधा असर पड़ता है। कंपनियां बढ़ी लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल रही हैं।यदि पश्चिम एशिया में हालात लंबे समय तक तनावपूर्ण रहे तो महंगाई और बढ़ सकती है। सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है, लेकिन आम लोगों की जेब पर फिलहाल दबाव साफ महसूस किया जा रहा है।

जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में गोल्ड ईटीएफ में 31,561 करोड़ का निवेश दर्ज किया गया

– सोने में निवेश 6 गुना बढ़ा, एयूएम तीन गुना होकर 1.71 लाख करोड़ रुपए पहुंचा

नई दिल्ली।

वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों ने सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने की ओर रुख किया है। इसी कारण जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में रिकॉर्ड स्तर पर निवेश देखने को मिला, जो पिछले वर्ष की तुलना में कई गुना अधिक है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में गोल्ड ईटीएफ में कुल 31,561 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 5,654 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग छह गुना वृद्धि को दर्शाता है। तिमाही आधार पर भी इस श्रेणी में निवेश 36 प्रतिशत बढ़कर 23,132 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। हालांकि, मासिक प्रवाह में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। जनवरी में जहां 24,040 करोड़ रुपये का भारी निवेश आया, वहीं फरवरी में यह घटकर 5,255 करोड़ रुपये और मार्च में 2,266 करोड़ रुपये रह गया। विशेषज्ञों का मानना है कि जनवरी में असामान्य रूप से अधिक निवेश जोखिम से बचने की प्रवृत्ति, पोर्टफोलियो पुनर्संतुलन और सोने की कीमतों में तेजी के कारण हुआ। मार्च में आई गिरावट को शुरुआती भारी निवेश के बाद

सामान्यीकरण माना जा रहा है। बाजार`` विश्लेषकों के अनुसार बाजार की अनिश्चितताओं के बीच सोना अब भी निवेशकों के लिए एक मजबूत विविधीकरण साधन बना हुआ है।

मजबूत निवेश प्रवाह के चलते मार्च 2026 के अंत तक गोल्ड फंड्स की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) लगभग तीन गुना बढ़कर 1.71 लाख करोड़ रुपये हो गईं, जो एक वर्ष पहले 58,888 करोड़ रुपये थीं। गोल्ड ईटीएफ जो भौतिक सोने की कीमत को ट्रैक करते हैं, निवेशकों को डिजिटल रूप में सोने में निवेश का आसान विकल्प प्रदान करते हैं।

अगले 15 वर्षों में 80 करोड़ नौकरियों की कमी का खतरा- वर्ल्ड बैंक

- तेजी से बढ़ती आबादी और धीमी नौकरी सृजन से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर दबाव की आशंका

मुंबई।

वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच वर्ल्ड बैंक ने एक गंभीर चेतावनी जारी की है। बैंक के अनुसार, आने वाले 10 से 15 वर्षों में दुनिया एक बड़े रोजगार संकट की ओर बढ़ रही है, जहां कामकाजी उम्र की आबादी तेजी से बढ़ेगी लेकिन उसके अनुपात में रोजगार के अवसर नहीं बन पाएंगे। इस असंतुलन से वैश्विक स्तर पर सामाजिक और आर्थिक स्थिरता पर बड़ा असर पड़ सकता है। वर्ल्ड बैंक के अनुसार विकासशील देशों में अगले डेढ़ दशक में लगभग 1.2 अरब लोग कामकाजी उम्र में प्रवेश करेंगे, जबकि मौजूदा आर्थिक रुझानों के आधार पर केवल करीब 40 करोड़ नई नौकरियां ही सृजित हो पाएंगी। इसका अर्थ है कि दुनिया को लगभग 80 करोड़ रोजगार अवसरों की भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। वर्ल्ड बैंक के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि नीति निर्माता अक्सर तात्कालिक संकटों और क्षेत्रीय संघर्षों में उलझ जाते हैं, जबकि रोजगार जैसे दीर्घकालिक मुद्दे लगातार गंभीर होते जा रहे हैं। उन्होंने चेताया कि यदि समय रहते ठोस नीतिगत कदम नहीं उठाए गए, तो इसका प्रभाव केवल अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह वैश्विक प्रवासन, अस्थिरता और सामाजिक तनाव को भी बढ़ा सकता है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि 2025 तक दुनिया भर में 11.7 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं, जो बढ़ते दबाव का संकेत है। वर्ल्ड बैंक ने सरकारों से आग्रह किया है कि वे केवल तात्कालिक संकटों पर नहीं, बल्कि रोजगार सृजन, स्वच्छ पानी और बिजली जैसी बुनियादी जरूरतों पर भी समान रूप से ध्यान दें। साथ ही कृषि, स्वास्थ्य, विनिर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में निजी निवेश को बढ़ावा देने की जरूरत बताई गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वर्ल्ड बैंक के नेतृत्व में कुछ वैश्विक और बड़ी कंपनियाँ जैसे` रिलायंस इंडस्ट्रीज, मे हिंद्रा ग्रुप और डेनगोट ग्रुप रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभा सकती हैं। वर्ल्ड बैंक का मानना है कि अगर अभी से कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाला दशक वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है।

त्यौहारों पर सोना खरीदना हुआ और आसान, कम कीमत में मिलेंगी ढेरों डिजाइन्स

रांची: पोइला बोइशाख और अक्षय तृतीया जैसे त्यौहारों पर सोना खरीदना सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। ऐसे खास मौकों पर यदि अच्छे डिजाइन, कम कीमत और बढ़िया ऑफर्स मिल जाएँ, तो खरीदारी का आनंद और भी बढ़ जाता है। इसी कड़ी में सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स ने 'बैंगल उत्सव 2026' की शुरूआत की है, जिसमें 10,000 से ज्यादा बैंगल डिजाइन्स पेश किए गए हैं। इस कलेक्शन की शुरूआती कीमत 30,000 रुपए रखी गई है और मेकिंग चार्ज सिर्फ 6% से शुरू हो रहा है, जिससे ग्राहकों को ज्यादा विकल्प और बेहतर कीमत का फायदा मिल रहा है।

सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स की डायरेक्टर और हेड ऑफ मार्केटिंग एंड डिजाइन, जोइता सेन ने कहा, ₹हमारा उद्देश्य ऐसा कलेक्शन देना है, जो लोगों के आत्मविश्वास और उनकी पहचान को दर्शाए। हर डिजाइन को इस तरह तैयार किया गया है कि वह पहनने वाले को खास महसूस कराए।₹

वहीं, कंपनी के एमडी और सीईओ सुवंकर सेन ने कहा, ₹हम इस उत्सव के जरिए हर बजट के ग्राहकों तक परंपरा और आधुनिक स्टाइल का बेहतरीन मेल पहुँचाना चाहते हैं।₹

इस उत्सव में ग्राहकों को कई आकर्षक ऑफर्स भी मिल रहे हैं, जैसे गोल्ड ज्वेलरी पर प्रति 10 ग्राम 10,000 रुपए तक की छूट, पुराने सोने के एक्सचेंज पर 0% कटौती, डायमंड ज्वेलरी पर मेकिंग चार्ज में 75% तक की छूट और प्लैटिनम ज्वेलरी पर भी विशेष लाभ। इसके अलावा खरीदारी पर कूपन और एसबीआई क्रेडिट कार्ड से पेमेंट करने पर अतिरिक्त छूट का मौका भी दिया जा रहा है। कुल मिलाकर, यह पहल ग्राहकों को त्यौहारों पर बेहतर डिजाइन, ज्यादा बचत और भरोसेमंद खरीदारी का शानदार मौका दे रही है।

ऊर्जा और खाद्य कीमतें लंबे समय तक ऊंची रहने की आशंका आईएमएफ, विश्व बैंक, आईईए

वैश्विक संस्थाओं ने चेताया, तेल, गैस और उर्वरक बाजार पर गहरा असर, आपूर्ति बहाली में लगेगा समय

वॉशिंगटन।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने संयुक्त रूप से चेतावनी दी है कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण ऊर्जा और खाद्य वस्तुओं की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं। तीनों संस्थानों ने कहा कि इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर व्यापक और असमान रूप से पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण ईंधन और उर्वरक की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रह सकती है। इन संस्थानों ने इस महीने की शुरुआत में गठित एक समन्वय समूह के तहत बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। संयुक्त बयान में कहा गया कि युद्ध का प्रभाव केवल ऊर्जा बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे वैश्विक स्तर पर लोगों का विस्थापन हुआ है, रोजगार प्रभावित हुए हैं और यात्रा व पर्यटन क्षेत्र में गिरावट आई है। इन क्षेत्रों को सामान्य स्थिति में लौटने में काफी समय लग सकता है। तीनों संस्थानों ने स्पष्ट किया कि यह संकट व्यापक, वैश्विक और असमान है। विशेष रूप से ऊर्जा आयात करने वाले देशों और निम्न-आय वाले देशों पर इसका अधिक गंभीर असर पड़ा है। तेल, गैस और उर्वरक की कीमतों में वृद्धि ने खाद्य सुरक्षा और रोजगार से जुड़ी चिंताओं को भी बढ़ा दिया है। बयान में यह भी कहा गया कि पश्चिम एशिया के कुछ तेल और गैस उत्पादक देशों को निर्यात राजस्व में नुकसान हुआ है। साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री आवागमन अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाया है, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही है। संस्थाओं ने चेतावनी दी कि भले ही भविष्य में आवाजाही सामान्य हो जाए, फिर भी युद्ध से प्रभावित बुनियादी ढांचे के कारण वैश्विक आपूर्ति को पूर्व स्तर पर लौटने में समय लगेगा। इससे ईंधन और उर्वरक की कीमतें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं। आईएमएफ, विश्व बैंक और आईईए ने कहा कि वे स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं और सदस्य देशों को नीति सलाह और आवश्यकतानुसार वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए समन्वित प्रयास जारी रखेंगे, ताकि वैश्विक आर्थिक स्थिरता और रोजगार बहाली को समर्थन मिल सके।

हर तीसरे हार्ट इलाज पर 1.7 लाख से ज्यादा खर्च, स्पेशल इंश्योरेंस बना सहारा

नई दिल्ली।

भारत में दिल से जुड़ी बीमारियां अब सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं रहीं। 20 से 30 साल के युवाओं में तेजी से बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य और आर्थिक दोनों स्तरों पर चिंता बढ़ा दी है।

इलाज का खर्च बढ़ने के साथ हेल्थ इंश्योरेंस लेना भी चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक हार्ट से जुड़े हर तीन में से एक इलाज का खर्च 1.7 लाख रुपये से अधिक पहुंच जाता है, जबकि गंभीर मामलों में यह 5 लाख रुपये से ऊपर चला जाता है। खासतौर पर आईसीयू में भर्ती या सर्जरी की स्थिति में खर्च और बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का अनुमान है

कि देश में करीब 6 से 7 करोड़ लोग किसी न किसी प्रकार की हृदय बीमारी से जूझ रहे हैं और हर साल 20 से 25 लाख नए मामले सामने आते हैं। कम उम्र में दिल की बीमारी का असर सिर्फ स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह बीमा पॉलिसी लेने में भी बाधा बनता है। बीमा कंपनियां ऐसे मामलों में ट्रेडमिल टेस्ट, इको और एंजियोग्राफी जैसी विस्तृत जांच कराती हैं।

इसके अलावा पॉलिसी मिलने पर भी कई शर्तें लागू होती हैं, जैसे 2 से 3 साल का वेटिंग पीरियड और अधिक प्रीमियम। विशेषज्ञों के अनुसार, जोखिम को देखते हुए प्रीमियम में 30 से 80 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की जा सकती है। साथ ही को-पे क्लॉज के तहत मरीज को इलाज का 10 से 30 प्रतिशत खर्च खुद उठाना पड़ सकता है।

ऐसे में दिल के मरीजों के लिए स्पेशलाइज्ड हार्ट इंश्योरेंस पॉलिसी एक बेहतर विकल्प बनकर उभर रही है। यह पॉलिसी न केवल हृदय रोग, बल्कि उससे जुड़ी अन्य बीमारियों और इलाज को भी कवर करती है, जिससे मरीजों को तेजी से और भरोसेमंद कवरेज मिल सकता है।

उपायुक्त सहित जिला प्रशासन ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर को दिए श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

खूँटी । भारत रत्न से सम्मानित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के मौके पर समाहरणालय परिसर में श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त आर० रॉनिटा, उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, परियोजना निदेशक आईटीडीए अलोक शिकारी कच्छप, अनुमंडल पदाधिकारी दिपेश कुमारी, जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद राम, डीसीएलआर अरविंद ओझा, नजारत उप समाहर्ता कोमल कुमारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी आपरूपा चौधरी, जिला शिक्षा अधीक्षक अभय कुमार शील, कार्यपालक दंडाधिकारी बिपिन कुमार विश्वास सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया गया।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर न केवल भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पी थे, बल्कि वे एक प्रखर अर्थशास्त्री भी थे। उन्होंने जीवन भर सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध खड़े हुए और समता, स्वतंत्रता तथा बंधुत्व पर आधारित समाज की स्थापना के लिए कार्य किया। उनका सम्पूर्ण जीवन वंचित वर्गों को अधिकार दिलाने एवं समाज में न्यायसंगत व्यवस्था स्थापित करने के लिए समर्पित रहा।

सभा के दौरान उपायुक्त ने बाबा साहेब के योगदानों को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों एवं विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर का जीवन सामाजिक न्याय, समानता एवं लोकतंत्र के मूल्यों का प्रतीक है, जो आज भी प्रेरणा का स्त्रोत है।

इस अवसर पर जिला प्रशासन के अधिकारीगण एवं कर्मीगण द्वारा बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया।

अम्बेदकर नगर में विहिप ने श्रद्धा पूर्वक मनाया अम्बेडकर जयंती

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के तोरपा प्रखंड अंतर्गत अम्बेदकर नगर नगर में मंगलवार को भीमराव अम्बेडकर जयंती के मौके पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। जहाँ पूर्व उपप्रमुख अनिल भगत सहित अनेक लोगों ने भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित किया ।मौके पर लोगों ने कहा कि अम्बेदकर जी भारतीय संविधान के शिल्पकार थे। इनके नाम से यह मुहल्ला का नामकरण किया गया है। यहाँ बहुत जल्द अंबेदकर जी का हमसब मिलकर मुर्ति स्थापना करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बजरंग दल के कार्यकर्ता कन्हैया कुमार ने करते हुए बतायें कि हमें डा भीमराव अंबेडकर जी के बतायें रास्ते पर चलना है वे ऐतिहासिक पुरुष हैं वे एक आंदोलनकारियों में से एक थे संविधान के निमार्ता समाजिक न्याय के नायक थे वे बुद्धपंथी थे वे भगवान बुद्ध को मानते थे और वे गर्म दल के नेता थे उन्होंने नेहरू के विपक्ष में चुनाव के लिए खड़े हुए थे जब देश गुलामी से जुझ रही थी उस समय वे भविष्य को भांप लिए थे आज हम उन्हीं के दिखाये रास्ते पर चल रहे हैं कार्यक्रम के अतिथि मौके पर पुष्प अर्पित कर विहिप के खूँटी जिला सह मंत्री एमपी सिंह जी ने डा अंबेडकर प्रखर राष्ट्र भक्त थे उन्होने संस्कृत को राष्ट्रभाषा बनाने का, ऊ वाले भगवा ध्वज को भारत का राष्ट्रीय ध्वज बनाने का, वंदे मातरम को भारत का राष्ट्रीय गीत बनाने का एवं समान नागरिक संहिता का प्रस्ताव कर उसका समर्थन किया था एवं सरदार पटेल की तरह धारा 370 का विरोध किया था। मौके पर उन्होंने यह भी बताया कि भीमराव अंबेडकर भारत के विभाजन को सार्थक बनाने के लिए एवं सरदार पटेल की तरह ही भारत से प्रत्येक मुसलमान को पाकिस्तान भेजने और पाकिस्तान के प्रत्येक हिंदु को भारत लाना चाहते थे, वे मुसलमानों की वैश्विक इस्लामिकरण की मानसिकता को समझते थे एवं इसके बारे मे अपनी पुस्तक में सविस्तार वर्णन किया है हमें लोग आजकल भ्रमित कर आपस में लडाने का प्रयास करते हैं ऐसे लोगों से बचने की बात कही।कार्यक्रम में कृष्णा नायक जी ने अंबेदकर जी के जिवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समय को देखते हुए चलना है राजनीतिक शिकार होने से बचना है मौके पर करन रजक कन्हैया कुमार विरू नायक जगदेव नायक राजेश राम अरूण कुमार अनिल राम मोहित राजकुमार दास सुदर्शन नायक अनिल रिसभ षाडंगी विजय यादव एव अन्य लोग उपस्थित थे। यह जानकारी एमपी सिंह द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

संक्षिप्त खबरें

अर्जुन मुंडा ने अम्बेडकर जयंती पर किये श्रद्धासुमन अर्पित

खूँटी(बिभा) । बाबा भीमराव अम्बेडकर के जन्मदिन के अवसर पर खूँटी के पूर्व सांसद और झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स प्लेटफार्म के माध्यम से बताया कि बाबा साहेब संविधान के शिल्पकार थे। जिन्होंने देशवासियों को कानून का अधिकार की रचना किये। जिलेभर में मंगलवार को श्रद्धा पूर्वक भीमराव अम्बेदकर की जयंती मनाई गयी। ग्रामीण इलाकों में भी अम्बेडकर जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उनके गाथा को स्मरण किया गया। जिन्होंने गरीबी के बावजूद गुरुजी और महाराजा के सहयोग से ज्ञानार्जन किया ।जो गरीबी के विपरीत परिस्थिति में भी पीएचडी तक की पढ़ाई करने में सफलता हासिल किये। जिन्होंने संविधान समिति में रहकर अपने शिक्षा का एक अच्छा उपयोग किया और कानून को सभी के सहयोग से लिखने का काम किया। जिन्हें उनके जन्मदिन पर उन्हें याद किया जाता है।

स्नातकोत्तर महाविद्यालय निर्माण स्थल चयन को लेकर अडिग हुए तमाड़ के बुद्धिजीवी वर्ग

तमाड़ (बिभा)। प्रखंड क्षेत्र में प्रस्तावित मॉडल महाविद्यालय के शीघ्र निर्माण एवं उपयुक्त स्थान चयन को लेकर तमाड़ राधारानी मंदिर प्रांगण में व्यापारी वर्गों एवं बुद्धिजीवियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ व्यवसायी भरत लाल साहू ने की। बैठक में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि महाविद्यालय का निर्माण तमाड़ थाना से सटे कृषि विभाग की भूमि (फार्म) में ही किया जाए। उपस्थित जनसमूह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस स्थान के अतिरिक्त अन्य किसी भी स्थान पर महाविद्यालय की स्थापना तमाड़वासियों को स्वीकार नहीं होगी। थाना से सटे होने के कारण यह स्थान पूरी तरह सुरक्षित है। साथ ही यह भूमि तमाड़-खूंटी रोड पर स्थित है, जो राष्ट्रीय राजमार्ग से मात्र 800 मीटर की दूरी पर है तथा रायडीह-तमाड़ पथ भी पीछे से जुड़ा हुआ है। इस प्रकार यह स्थान पूरे प्रखंड का केंद्रीय बिंदु है, जहां सभी गांवों और पंचायतों के विद्यार्थी आसानी से पहुंच सकेंगे। ग्रामीणों एवं बुद्धिजीवियों ने प्रशासन द्वारा किसी दुर्गम स्थल के चयन के प्रयास पर कड़ा असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय प्रशासनिक दूरदर्शिता के अनुरूप नहीं है और इसे हर हाल में रोका जाएगा। इस बैठक में तमाड़ के सैकड़ों व्यापारी, बुद्धिजीवी एवं ग्रामीण उपस्थित थे। बैठक में भरत लाल साहू, दिनेश स्वर्णकार, पिंकू साहू, सुरेश गुप्ता, अमित सिन्हा, सुजीत साहू, अरविंद साहू, संजय डॉन गुप्ता, रमेश कुमार मुंडा, नंदा नायक, अनिमा मल्लिक, पंकज मल्लिक, श्रवन भगत, सौमिक हल्दार, सूरज सोनी, डॉ. दुगार्दास मोदक, अशोक गोस्वामी, पप्पू गोराई, चंदन गुप्ता सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

आजाद समाज पार्टी (का) के द्वारा मनाया गया अम्बेदकर जयंती

खूँटी (बिभा)। नगर पंचायत क्षेत्र के भगत सिंह के पास आजाद समाज पार्टी (का.) के द्वारा मंगलवार को भीमराव अम्बेदकर जयंती मनाई गयी। इस मौके पर आजाद समाज पार्टी के अधिकारी व कार्यकताओं ने भीमराव अम्बेदकर जी के चित्र पर माल्यार्पण किया। इसके पूर्व आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष मुजम्मिल रैन सहित अन्य पदाधिकारियों को माला पहना कर और पार्टी का पट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। वहीं पार्टी का पट्टा देकर स्वागत किया गया। वहीं जमकर नारा लगाया गया। इस मौके पर, बबन अंसारी, सद्दाम अंसारी , राजा, सैफ रैन, शमीम अख्तर, आदिल खान सहित अनेक लोग उपस्थित थे। ये जानकारी बबन अंसारी ने दी।

डॉ. भीमराव अंबेडकर को भाजपा ने किया श्रद्धा सुमन अर्पित

खूँटी(बिभा) ।जिले के तोरपा मण्डल अंतर्गत अम्मापकना में भाजपा तोरपा मण्डल अध्यक्ष सुबोध कुमार की अगुवाई में मंगलवार को 'भारतीय संविधान के शिल्पीकार ' डॉ. भीम राव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनकी जयंती मनाई गयी। जिन्हें 'बाबासाहेब' के नाम से जाना जाता है और 1990 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। इस मौके पर महिला मोर्चा की मण्डल अध्यक्ष सुनीता देवी,रामधन साहू, बोधो साहू गोबर्धन , सत्यम, आकाश, खुशी, माधुरी आदि उपस्थित थे।

जरिया गढ़ में नंगे पांव दहकते अंगारों पर चले शिव उपासक भगतिया

बिभा संवाददाता

खूँटी ।जिले के अंतर्गत नागवंशी रियासत रहे धार्मिक भाव से प्रभावित जरिया गढ़ में पूरे भक्ति भाव के साथ शिव उपासना का मण्डा पर्व मनाया गया। इस दौरान प्राचीन शिव मंदिर में मंगलवार को फूलखूंदी व झूलन अनुष्ठान किया गया। जिसमें भगतिया व उपासक महिलाओं ने दहकते अंगारों पर नंगे पाँव चलकर शिवशक्ति व शिवभक्ति का साक्षात्कार किया। जहाँ लोगों के मुख से एक ही आवाज आती रही । बोले शिवा मनी महेश गणा गजाधर पूरी श्रद्धा भाव से गुंजायमान था। जहाँ नन्हा बालक से लेकर उम्रदराज भी उपासना में शामिल थे। वहीं इस पर्व अनुष्ठान को देखने व नमन करने के लिए जरिया गढ़ , मुरुचकेल , डह-केला समुंदर, गोविंदपुर, नगड़ा, बिकुआदाग, जोजोदाग निधिया उड़िकेल सहित अनेक गाँवों से लोग पहुंचे थे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपासकों को शर्बत, फल , तरबूज आदि के साथ उपवास सम्पन्न कराया गया।

इस उपलक्ष्य में नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नागपुरी गायक गायिकाओं व नर्तकियों ने अपने कलाकारी से लोगों का मन मोह लिया। जहाँ सैकड़ों लोगों ने झूमा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति के लोगों ने सार्थक भूमिका निभाई।

सीएमपीडीआई में भारत रत्न डॉ बीआर अंबेडकर की 136वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

बिभा संवाददाता

रांची : सीएमपीडीआई ने भारत रत्न बाबा साहेब डा0 भीमराव रामजी अंबेडकर की 136वीं जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर संस्थान के निदेशक राजीव कुमार सिन्हा, नृपेन्द्र नाथ, अधिकारी एवं कर्मचारी, संघ के सदस्यों श्रमिक संघ के प्रतिनिधियों एससी/एसटी/ओबीसी परिषद के प्रतिनिधियों सिस्टा एवं ओबीसी संघ के प्रतिनिधियों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर डा0 अंबेडकर के अमिट योगदान को याद किया।

इस अवसर पर श्री सिन्हा ने अंबेडकर जी के सिद्धांतों को दैनिक जीवन में अपनाने पर जोर दिया और कहा कि कैसे संविधान नागरिकों को सशक्त बनाता है और उनका चिरस्थायी मंत्र ह्यह्यशिक्षित करो, संघर्ष करो और संगठित हो जाओ आत्मनिर्भर,सामाजिक सुधार और राष्ट्रीय प्रगति को बढ़ावा देता है।

मौके पर श्री नाथ ने सामाजिक न्याय, समानता और समावेशी भारत के लिए अंबेडकर जी के जीवन भर के संघर्षों के माध्यम से उनके सिद्धांतो को स्थापित करने पर जोर दिया। इस अवसर पर एससी/एसटी/ओबीसी परिषद के प्रतिनिधि गोरेलाल पासवान,सीआईएसटीईए (सिस्टा) के प्रतिनिधि मनीष दोहरे और ओबीसी संघ के प्रतिनिधि राजेश साव ने अंबेडकर की उपलब्धियों और नागरिकों के लिए समानता,स्वतंत्रता और गरिमा को बनाए रखने वाले कानूनों को आकार देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। डा0 अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में कर्मियों के बच्चों के लिए आयोजित चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताओं और कर्मियों के लिए आयोजित आन लाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को निदेशक ने पुरस्कृत किया।

बिरुमकेल गाँव में पूरे उत्साह के साथ मनाया गया आम सतुआन पर्व

खूँटी ।जिले के तोरपा प्रखंड अंतर्गत गाँव में मंगलवार को आम सतवानी पर्व मनाया गया।इस मौके पर ग्रामीणों ने गांव की बगल शिवालय में जाकर पूरे श्रद्धा के साथ देवाधिदेव स्वयंभू महादेव भोलेनाथ की आराधना करके फलों का राजा आम , सत्तू , गुड़ व शर्बत अर्पित किया। ग्रामीण सुबह से ही पूजा की तैयारी किया और नहा धोकर एक किमी दूर जंगल के बीच अवतरित महादेव के देव स्थल पर पहुँचे। इस मौके पर लोगों ने एक साथ मिलकर उत्सव सा माहौल के साथ पूजा अर्चना किया और हर्षोल्लास के साथ मिल-जुलकर आम सत्तू प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। ग्रामीण नरेंद्र दास अधिकारी ने बताया कि बिरंकल गांव में जंगल के बीच भगवान शंकर शिवलिंग के रूप में अपना दर्शन दिये। जो कई पीढ़ियों से यहां पूजा अर्चना होता आया है। जो यहां पूरी श्रद्धा भक्ति और आस्था के साथ पूजा अर्चना करता है उनकी मनोकामना पूरी होती है। यह महादेव गांव की रक्षा करते हैं। भोलेनाथ महादेव स्वयं एकांत जंगल से ही पूरे गाँव के संकट को हरते हैं। जिनकी शक्ति अपरम्पार है। जहाँ सभी पर्व त्योहार में भी भोलेनाथ की पूजा की जाती है।

अम्बेडकर जयंती पर घासी नायक समाज के लोगों ने किया श्रद्धा सुमन अर्पित

हम शिक्षित होंगे तभी समाज और देश के लिए उपयोगी होंगे : विनय नायक

बिभा संवाददाता

खूंटी : खूंटी नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नम्बर नौ अंतर्गत महादेव मंडा परिसर स्थित विकास भवन में घासी नायक समाज के द्वारा भीम राव अम्बेदकर की जयंती मनाई गयी। इस दौरान कार्यक्रम में काफी संख्या में लोग शामिल हुए। जहाँ श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि एक पिछड़ा समाज के बीच जो जन्में भीमराव अम्बेदकर गरीबी से जुझते हुए आगे बढ़े और फिर जवाहरलाल नेहरू ने देश का कानून मंत्री बनाया। इस दौरान लोगों ने अम्बेडकर जी के तीन मूल मंत्र को अपनाने की बात कही ।

इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए घासी नायक समाज के जिला अध्यक्ष विनय नायक ने बताया कि बाबा साहेब भीमराव अम्बेदकर जी का जन्म जहाँ पर हुआ था वहाँ छुआछूत काफी थी। उनको एक साथ शिक्षा के पाने लिए काफी समस्या हुई उन्हें विद्यालय से बाहर बैठकर पढ़ाई करना पड़ा था। लेकिन उनके ब्राह्मण गुरुजी ने ही अलग से उन्हें पढ़ाई लिखाई कराया और आगे बढ़ाया। बाद में एक महाराजा ने उच्च स्तरीय शिक्षा के लिए बाहर भेजें। जो शिक्षा पाकर बहुत आगे बढ़े और फिर कानून की रचना करने में सकारात्मक भूमिका निभाई और फिर कानून मंत्री भी बने। वहीं बाबा साहेब के तीन मंत्र थे जिसमें शिक्षा को महत्व दिया। इसलिए हमें शिक्षा के क्षेत्र में आगे आना होगा। हम शिक्षित होंगे तब आगे बढ़ेंगे।

जाति भेद की राजनीति से उपर उठकर समाज का करें चिंतन : सावन

मौके पर महासचिव सावन नायक ने लोगों से कहा कि आजकल की राजनीति जातिवाद में बाँटकर की जा रही है। हम विभिन्न जाति समुदाय के लोग हैं लेकिन सभी एक हैं। हमें जाति भेद मिटा कर आगे विकास करने के बारे सोंचना और कार्य करना है।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेश्वर प्रसाद राम, पूर्व स्टोनो बीरेंद्र राम विशेष रूप से उपस्थिति थे। वहीं जिलाध्यक्ष विनय नायक, महासचिव सावन नायक, सचिव सुखमोहन नायक, मंत्री दीपेश नायक, प्रवक्ता/मिडिया प्रभारी विष्णु नायक, संगठन मंत्री नथन नायक, लाल नायक, लखन नायक, बजरंग नायक, प्रेम नायक ,अलित नायक, नगेंद्र नायक, विजय नायक, सिकंदर, प्रदीप नायक सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब को दी श्रद्धांजलि

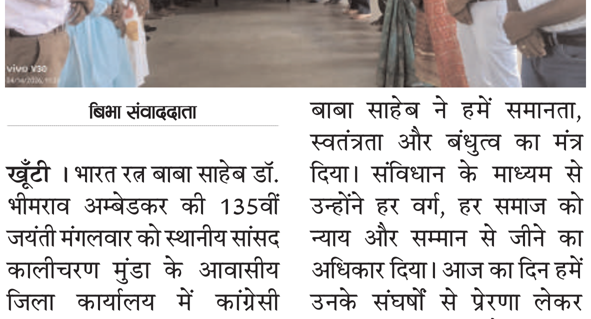

बिभा संवाददाता

खूँटी ।भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती मंगलवार को स्थानीय सांसद कालीचरण मुंडा के आवासीय जिला कार्यालय में कांग्रेसी कार्यकताओं द्वारा मनाई गई।

मौके पर , जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा द्वारा बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकताओं व पदाधिकारियों ने बाबा साहेब के योगदान को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

मौके पर, रवि मिश्रा ने कहा कि बाबा साहेब ने हमें समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का मंत्र दिया। संविधान के माध्यम से उन्होंने हर वर्ग, हर समाज को न्याय और सम्मान से जीने का अधिकार दिया। आज का दिन हमें उनके संघर्षों से प्रेरणा लेकर सामाजिक समरसता और शिक्षा के प्रसार के लिए काम करने की याद दिलाता है।

कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि नईमुद्दीन खान, आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विलसन तोपनो, देवेन्द्र महतो, नगर पंचायत अध्यक्ष गुलाम गौश, फरोज आलम, यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष आमीर हुसैन, तलहा खान आदि अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

बिजनेस एक्सचेंज मीटिंग से व्यापारिक सहयोग को मिल रही नई दिशा

बिभा संवाददाता

रांची : फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा वर्तमान सत्र में प्रारंभ की गई बिजनेस एक्सचेंज मीटिंग की श्रृंखला अब व्यापारिक सहयोग का एक प्रभावी मंच बनती जा रही है। इस पहल के माध्यम से सदस्यों के बीच आपसी संवाद, विश्वास एवं व्यवसायिक संबंधों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। इसी क्रम में आज चैम्बर भवन में आयोजित बैठक में सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। बैठक के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े उद्यमियों ने अपने व्यवसाय की विशेषताओं एवं सेवाओं की जानकारी साझा की, जिससे पारस्परिक समझ विकसित हुई और संभावित व्यापारिक अवसरों के नए द्वार खुले। इस पहल की विशेषता यह रही कि कई सदस्यों के बीच सीधे संवाद के माध्यम से त्वरित व्यापारिक समझौते हुए, वहीं कुछ सदस्यों ने दीर्घकालिक सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा की। पूर्व में आयोजित बैठकों के सकारात्मक अनुभवों को साझा करते हुए सदस्यों ने बताया कि इस मंच ने उनके व्यवसाय को नई गति प्रदान की है।

उपाध्यक्ष राम बांगड़ ने कहा कि सभी जोनल आरवीपी के माध्यम से राज्य के सभी व्यापारियों तक बिजनेस एक्सचेंज प्लेटफॉर्म पहुचाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। साथ ही, बिजनेस प्लेटफॉर्म की ओर से एक नई योजना पधारो हमारे प्रतिष्ठान प्रारंभ की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत संबंधित प्रतिष्ठानों द्वारा सदस्यों के बीच अपने-अपने व्यवसाय एवं सेवाओं का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा तथा सीमित अवधि के लिए चैम्बर सदस्यों के लिए उपरोक्त प्रतिष्ठान पर विशेष छूट भी प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही, प्रतिष्ठान में चैम्बर सदस्यों का स्वागत एवं सत्कार भी किया जाएगा। उक्त योजना के तहत प्रथम चरण में रोहतगी होम बाजार अरगोड़ा चौक ने अपनी सहमती देते हुए चैम्बर के सदस्यों को आमंत्रित करने की स्वीकृति प्रदान की है, जिसकी तिथि एवं समय की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी।

चैम्बर उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने कहा कि यह पहल सदस्यों के लिए केवल परिचय का माध्यम नहीं, बल्कि व्यावहारिक व्यापारिक अवसरों का सशक्त प्लेटफॉर्म है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस तरह की नियमित बैठकों से स्थानीय व्यापार को मजबूती मिलेगी और सदस्यों के बीच सहयोग और अधिक बढ़ेगा

उपाध्यक्ष राम बांगड़ ने आगे कहा कि चैंबर की महिला सदस्यों के लिए भी बिजनेस एक्सचेंज के तहत एक व्यापक योजना तैयार की जा रही है,जिसकी बैठक जल्द आयोजित की जाएगी, जिसमें विशेष छूट एवं प्रोत्साहन प्रावधान शामिल किए जाएंगे।

उप समिति के चेयरमैन अमित मिश्रा ने कहा कि स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए संगठित प्रयास आवश्यक हैं। ह्लवोकल से वोकलह्व की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए यह निर्णय लिया गया कि आने वाले समय में इस प्रकार की बैठकों को और अधिक व्यापक बनाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक सदस्यों को इसका लाभ मिल सके साथ ही

बैठक में चैम्बर उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, राम बांगड़, रोहित कुमार, रमेश कुमार साहू, डॉ० प्रदीप कुमार, अमित मिश्रा, शिवाक्ष रोहतगी, रवि रोहतगी, आलोक सिंह, आस्था किरण, सुबोध चौधरी, , यशवर्धन माटोलिया, प्रवीण , रजनीश सिन्हा, संजय कुमार सिंह, प्रियांक भगत, अमित, दिलीप शाह, संतोष कुमार सहित अन्य कई सदस्य उपस्थित थे।

रेलवे हावड़ा एवं नई दिल्ली के बीच अतिरिक्त फेरों में समर स्पेशल ट्रेन चलाएगा

आसनसोल: गर्मी के मौसम में यात्रियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने 04052/04051 नई दिल्ली - हावड़ा -नई दिल्ली समर स्पेशल ट्रेन के अतिरिक्त फेरे चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन अपने वर्तमान मार्ग, समय-सारणी एवं ठहराव के अनुसार चलेगी। 04052 नई दिल्ली - हावड़ा स्पेशल, 15.04.2026 से 28.04.2026 तक प्रतिदिन चलेगी, किन्तु 17.04.2026 एवं 24.04.2026 को नहीं चलेगी (कुल 12 फेरे)। इसी प्रकार, 04051 हावड़ा-नई दिल्ली स्पेशल, 17.04.2026 से 30.04.2026 तक प्रतिदिन चलेगी, किन्तु 19.04.2026 एवं 26.04.2026 को नहीं चलेगी (कुल 12 फेरे)।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातु,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com